जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • रविवार • 18 जनवरी 2026 • वर्ष 10 • अंक 254 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

ईरान से लौटे भारतीय दिल्ली एयरपोर्ट पर फूट-फूटकर रोए

● कहा-वहां इंटरनेट नहीं, हालात बदतर, हिंसा में 3 हजार+मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में हिंसा के बीच वहां फंसे कई भारतीय नागरिक शुक्रवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। इनमें कुछ भारत सरकार के पहल से भारत लौटे, तो कुछ निजी फ्लाइट्स से अपने खर्च पर वापस आए। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने परिवार से गले लगकर कई भारतीय नागरिक फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने बताया कि हिंसा के दौरान वे किस परिस्थितियों में

ईरान में फंसे थे। ईरान से लौटे जम्मू-कश्मीर के एक युवक ने कहा- वहां हालात बहुत खराब हैं। खतरनाक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। ईरान से लौटी मेडिकल स्टूडेंट अर्श दहरा ने बताया कि भारतीय दूतावास ने उनसे संपर्क किया था, लेकिन वह एक निजी फ्लाइट से खुद दिल्ली आई हैं। एक अन्य युवक ने कहा- हम वहां एक महीने तक फंसे रहे। एक-दो हफ्तों से ज्यादा परेशानी होने लगी। घर से बाहर निकलते, तो प्रदर्शनकारी गाड़ी के सामने आ जाते थे। ईरान में वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 में प्रदर्शन शुरू हुए थे। देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई है। इसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं। ईरान ने 14 जनवरी को एयरस्पेस बंद कर दिया था।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग विराट मंदिर में स्थापित

● सीएम नीतिश, डिप्टी सीएम सम्राट और विजय सिन्हा बने गवाह

मोतिहारी (एजेंसी)। विश्व के सबसे बड़े और चर्चित शिवलिंग को 54 दिनों की कड़ी साधना के बाद मोतिहारी में बन रहे विराट रामायण मंदिर में स्थापित कर दिया गया। बनारस और पटना के पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ मंडप में विधि-विधान से पूजा के बाद रामायण मंदिर परिसर में शिवलिंग की स्थापना कार्य शनिवार संपन्न हुआ। महावीर मंदिर ट्रस्ट पटना

की अगुआई में मोतिहारी के कल्याणपुर पंचायत के कैथवलिया गांव में शिवलिंग स्थापना के ऐतिहासिक क्षणों के गवाह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा समेत लाखों लोग बने। विश्व के करोड़ों लोगों ने इंटरनेट पर पूरेविधान को ऑनलाइन भी देखा। महावीर मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और आचार्य किशोर कुणाल के पुत्र शायन कुणाल और उनकी पत्नी सांसद शाम्भवी चौधरी ने यजमान की भूमिका में भोलेनाथ का आवाहन किया। बनारस, अयोध्या व हरिद्वार से पहुंचे आचार्यों ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। अयोध्या से पधारे 21 बटुकों ने स्वास्ति वाचन किया।

यूपी में कोहरा बना काल, 40 गाड़ियां टकराईं, 7 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में शनिवार को सर्दी के इस सीजन का सबसे घना कोहरा छाया। 15 जिलों में 40 से ज्यादा वाहन कोहरे के कारण टकरा गए। इन घटनाओं में डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा घायल हुए। राज्य में 100 से ज्यादा ट्रेन देरी से चल रही हैं। जम्मू-कश्मीर में भयंकर सर्दी का 40 दिन का चिल्लई कलां जारी है। आज इसका 28वां दिन है। कश्मीर में मिनिमम टेम्परेचर में भारी गिरावट आई। श्रीनगर में टेम्परेचर -4.0 रहा, शोपियां -5.6 डिग्री रहा। इनके अलावा पहलगाम -2.6, गुलमर्ग -4.2, सोनमर्ग -2.9 डिग्री रहा। हिमाचल के लाहौल स्पीति और चंबा में बर्फबारी हुई। स्पीति के शिंकुला दर्रा में 25 टूरिस्ट व्हीकल बर्फबारी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने रेस्क्यू किया। शिमला और चौपाल के अलावा सभी शहरों के तापमान में बढ़ोतरी हुई। सियोबाग का पारा 1.0 से सीधे 8.0 डिग्री पहुंचा। उत्तराखंड के 4 जिलों में नदी-नाले और झरने जम चुके हैं, जिसमें पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग के ऊंचाई वाले इलाके शामिल है। इन इलाकों में पानी की पाइपलाइन भी जम चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक 17 जनवरी को उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी होने की संभावना है। बिहार में अभी सर्दी से राहत नहीं मिली है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में फिर से तेज सर्दी पड़ने के संकेत दिए हैं। पश्चिमी विक्षोभ ऐक्टिव होने से 22 जनवरी के बाद तापमान में तेजी से गिरावट आ सकती है।

● श्रीनगर में पारा-4 डिग्री पहुंचा, हिमाचल में टूरिस्ट फंसे

काशी को बदनाम करने की हो रही है साजिश: योगी

● कहा-झूठी तस्वीरों से गुमराह किया इसलिए मुझे आना पड़ा

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में मणिकर्णिका घाट को लेकर बवाल को लेकर सीएम योगी शनिवार को कांग्रेस पर जमकर भड़के। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रानी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को तोड़े जाने के आरोपों पर कहा- काशी को बदनाम करने की साजिश हुई, इसलिए मुझे खुद आना पड़ा है। साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। सीएम ने कहा- मंदिर तोड़े गए हैं, इससे ज्यादा बड़ा झूठ नहीं हो सकता है। अहिल्याबाई होल्कर

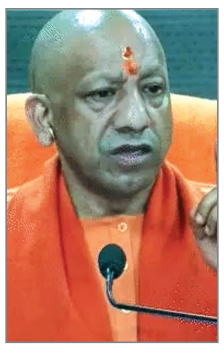

की प्रतिमा को संरक्षित किया गया है, जब जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा, तब प्रतिमा नई तरह से दिखेगी। कांग्रेस मंदिर तोड़ने के एआई वीडियो से जनता को गुमराह कर रही है, यह अपराध है। सीएम ने कहा- अहिल्याबाई का कांग्रेस ने सम्मान नहीं किया। इनके नेताओं की टिप्पणी पर हंसी और दया आती है। ये वैसा ही है, जैसे 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। मैं एआई से तस्वीर बनाने वालों को चेतावनी देता हूं, इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, 10 जनवरी को इंदौर के होल्कर ट्रस्ट ने दावा किया था कि मणिकर्णिका घाट पर देवी अहिल्या बाई होल्कर की मूर्ति तोड़ दी गई है। कई धार्मिक प्रतीकों को भी नुकसान हुआ है। कुछ मूर्तियां मलबे में दब गईं।

भारत में चाहे कुछ अच्छा हो या बुरा, हिंदुओं से ही पूछा जाएगा

● महाराष्ट्र के संभाजीनगर से आरएसएस चीफ मोहन भागवत का बड़ा बयान

कहा-भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारत के साथ कुछ अच्छा या बुरा होता है, तो उसके लिए हिंदुओं से सवाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है, बल्कि यह देश के चरित्र का प्रतीक है। आरएसएस प्रमुख ने यह बात छत्रपति संभाजीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान कही। मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है और इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। भागवत ने कहा, ''अगर भारत में कुछ अच्छा या बुरा होता है, तो हिंदुओं से पूछा जाएगा। भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''जो लोग एकीकरण में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है।''

● संघ चीफ ने स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल पर दिया जोर- भागवत ने आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों को इस्तेमाल करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीज यहां नहीं बन सकती, उसे अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। हमने आत्मनिर्भरता का रास्ता चुना है और हमें इसी रास्ते पर चलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उन्हें करना है। जब वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वे वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं, हम वैश्विक परिवार की अपेक्षा रखते हैं।'' भागवत ने हिंदुओं में एकता का आह्वान किया और कहा कि यह केवल आरएसएस का उद्देश्य नहीं, बल्कि समुदाय के सभी सदस्यों का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें जाति, संप्रदाय, भाषा या व्यवसाय की परवाह किए बिना हिंदू मित्र बनाने चाहिए।

गणतंत्र दिवस से पहले अलर्ट पर दिल्ली-यूपी

● बड़े हमले की फिराक में खालिस्तानी और बांग्लादेशी आतंकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस नजदीक आते ही खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है। एजेंसियों का कहना है कि खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और बांग्लादेश से जुड़े आतंकी गुट दिल्ली समेत देश के कई शहरों को निशाना बना सकते हैं। पंजाब के गैंगस्टर, जो विदेश में बैठे खालिस्तानी और कट्टरपंथी आकाओं के

लिए काम कर रहे हैं, उनकी गतिविधियां बढ़ी हुई पाई गई हैं। ये गैंगस्टर देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। खुफिया सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी ने बताया है कि गणतंत्र दिवस से पहले, खुफिया एजेंसियों ने यह अलर्ट जारी किया है। यह चेतावनी खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकी समूहों की संभावित गतिविधियों को लेकर है। ये समूह दिल्ली और देश के अन्य शहरों में हमले की फिराक में हो सकते हैं। खुफिया अलर्ट के अनुसार, पंजाब के गैंगस्टर अब विदेश में बैठे खालिस्तानी और कट्टरपंथी आकाओं के लिए पैदल सैनिक के तौर पर काम कर रहे हैं। ये आका अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

पत्थरदिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी

● पीएम बोले-बंगाल में घुसपैठियों को वोटर बना रही टीएमसी ● इन्हें बसाकर गरीबों का हक छीना जा रहा

टीएमसी सरकार को चेतावनी, भाजपा इन्हें देश से निकालेगी

कोलकाता/गुवाहाटी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा में शनिवार को पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के सामने एक बड़ी चुनौती घुसपैठ की है। बंगाल के कई इलाकों में आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। टीएमसी घुसपैठियों को वोटर बना रही। गरीबों का हक छीना जा रहा है। भाजपा सरकार बनते ही घुसैपठियों पर एक्शन लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि टीएमसी वालों को आपकी तकलीफ की कोई चिंता नहीं है। यहां आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी गई है। ऐसी पत्थर दिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी है। पीएम ने मालदा में भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन किया। यह ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी के बीच चलेगी। उन्होंने ट्रेन

के ड्राइवर से मुलाकात और उसके बारे में जाना। पीएम ने ट्रेन में मौजूद बच्चों से भी बात की।

पूर्वी भारत के लोगों का विश्वास भाजपा के नाम- हमारा देश 2047 तक विकसित होने पर काम कर रहा है। इसलिए लिए पूर्वी भारत का विकास होना जरूरी है। पूर्वी भारत को दशकों तक नफरत करने वालों ने जकड़ रखा था। भाजपा ने नफरत की राजनीति करने वालों से पूर्वी भारत को मुक्त किया है। पूर्वी भारत के लोगों का विश्वास भाजपा के नाम है। उनका विश्वास भाजपा के साथ है। कुछ दिन पहले बिहार में बीजेपी-एनडीए की सरकार बनी है। यानी बंगाल की हर दिशा में बीजेपी के सुशासन की सरकार है।

● बंगाल के सामने एक बड़ी चुनौती घुसपैठ की है- आप देखिए दुनिया के जो विकसित देश हैं, समृद्ध देश हैं, जिन्हें पैसों की कमी नहीं, वे भी घुसपैठियों को निकाल रहे हैं। प. बंगाल में भी घुसपैठियों को बाहर करना जरूरी है। एक एक घुसपैठिए को निकालना जरूरी है। टीएमसी के रहते ये संभव नहीं है। ये जमीन-हक, बहन-बेटियों की रक्षा नहीं करेंगे। इन्हें सत्ता से बाहर निकालना चाहिए। मैं मालदा की बाढ़ राहत की कैग रिपोर्ट देख रहा था। टीएमसी के चहेतों के खातों में 40-40 बार बाढ़ राहत का पैसा भेजा गया। जो इसके हकदार नहीं थे, उन्हें लाखों रुपए दिया गया। जिन पर संकट आया उन्हें कुछ नहीं मिला।

रेवाड़ी के किसान यशपाल 3 दिन रहेंगे राष्ट्रपति के मेहमान

● गणतंत्र दिवस पर होंगे सम्मानित, कैंसर से पिता को खोया, फिर अपनाई प्राकृतिक खेती

रेवाड़ी (एजेंसी)। रेवाड़ी जिले के गांव कंवाली के किसान यशपाल खोला तीन दिन तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मेहमान बनेंगे। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित किए जाने वाले छह किसानों में यशपाल खोला का नाम भी शामिल है। इसके लिए राष्ट्रपति भवन की ओर से उन्हें आधिकारिक निमंत्रण मिला है। यशपाल खोला 25 जनवरी को अपनी पत्नी अनीता कुमारी के साथ दिल्ली रवाना होंगे और 28 जनवरी को वापस लौटेंगे। यशपाल ने साल 2018 में पिता की कैंसर से हुई मौत के बाद पूरी तरह प्राकृतिक खेती को अपना लिया था।

हालांकि, उन्होंने प्राकृतिक खेती की शुरुआत साल 2014 में ही कर दी थी। जानकारी के अनुसार, इन किसानों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आईसीएआर दिल्ली तक खुद जाना होगा। इससे आगे राष्ट्रपति भवन तक पहुंचाने और वहां रहने की पूरी व्यवस्था सरकार करेगी। डीसी ने बताया कि यशपाल ने न केवल खुद प्राकृतिक खेती को अपनाया, बल्कि रकबे को प्राकृतिक खेती में बदलने में अहम भूमिका निभाई।

29 नगर निगमों में 17 पर अकेले बीजेपी का कब्जा

● महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने दर्ज की एकतरफा जीत ● राउत बोले-शिंदे जयचंद नहीं बनते तो मुंबई कभी नहीं जीतती बीजेपी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने एकतरफा जीत दर्ज की। कुल 29 नगर निगमों में से 17 पर अकेले भाजपा का कब्जा हो गया है। यानी इन निगमों में मेयर बनाने जा रही है। वहीं, उसके नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 8 निगमों में जीत

हासिल की। इस तरह भाजपा गठबंधन को 25 नगर निगमों में जीत दर्ज हुई है। भाजपा-शिवसेना (शिंदे) के गठबंधन ने उद्धव ठाकरे से बीएमसी छीनकर, उनका तीन दशक पुराना दबदबा खत्म कर दिया है। बीएमसी में भाजपा 89 जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से घोषित फाइनल रिजल्ट के मुताबिक बीजेपी+ ने 29 नगर निगमों में 2,869 सीटों में से 1,425 सीटें जीती हैं।

पानी पीकर लोग मर रहे, यही अर्बन मॉडल

● राहुल गांधी बोले-एमपी की बीजेपी सरकार जिम्मेदारी ले ● इंदौर में मृतकों के परिजन को डेढ़-डेढ़ लाख के चेक दिए

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस राहुल गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचे। राहुल सबसे पहले बॉम्बे हॉस्पिटल गए, जहां उन्होंने दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और परिजन से मुलाकात की। राहुल ने कहा ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। ये है अर्बन मॉडल। उन्होंने कहा, सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। किसी को ये राजनीति लगे तो लगे, लेकिन लोगों को साफ पानी मिलना चाहिए।

इस दौरान राहुल भागीरथपुरा भी गए और दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से मिले। दोनों परिवारों को उन्होंने चेक दिया। इसके बाद राहुल गांधी संस्कार गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने दूसरे प्रभावितों से मुलाकात की। सभी को राहुल ने एक लाख और सिंघार

ने 50-50 हजार रुपए के चेक दिए। इस दौरान राहुल के साथ पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अजय सिंह भी रहे। दरअसल, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 24 मौतें हुई है।

भागीरथपुरा में मृतकों के परिजन से मिलने के बाद राहुल ने कहा इनके परिवार में लोगों की डेथ हुई है। लोग बीमार हुए हैं। ये कहा जाता था कि देश को स्मार्ट सिटी दी जाएंगी। ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है।

लोगों को डराया जा रहा है। सारे के सारे परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। पानी पीकर लोग मरते हैं।

ये है अर्बन मॉडल। राहुल ने कहा ये सिर्फ इंदौर में नहीं है। अलग-अलग शहरों में यही हो रहा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है।

सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा, जिसने यहां ये काम करवाया है। कोई तो जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। लोगों ने जो इलाज कराया है, मौतें हुई हैं उसके लिए सरकार को मुआवजा तो देना चाहिए।

रहवासियों ने बताया- साफ पानी नहीं मिल रहा

राहुल बोले कि उनको रहवासियों ने बताया कि ये जो टंकी है ये सिंबल है। आज भी साफ पानी नहीं मिल रहा है। बैन लगा दिया है, लेकिन कुछ दिन में हटा दिया जाएगा और फिर वही पानी दिया जाएगा। लोग कह रहे हैं जो सरकार की जिम्मेदारी है उसे पूरा करे। आप यहां राजनीति करने आए हैं। इस सवाल के जवाब में राहुल ने कहा मैं उनको सपोर्ट करने यहां आया हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं। यहां उनका मुद्दा उठाने उनकी मदद करने आया हूं। इसमें कोई गलत काम नहीं है। मेरी जिम्मेदारी बनती है कि हमारी देश में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है तो मदद करूं। मैं इनके साथ खड़ा हूं। आप इनको साफ पानी दिलवाइए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक के निधन पर रखा दो मिनट मौन, दी श्रद्धांजलि

नरहट (नवादा)। सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ, जिला इकाई नवादा के सचिव और उत्क्रमित मध्य विद्यालय परोरिया के प्रधानाध्यापक आलोक कुमार का इलाज के दौरान पटना में निधन हो गया। उत्क्रमित मध्य/उच्च विद्यालय दाई बिगहा नरहट ने घटना पर विद्यालय परिवार द्वारा शोक संवेदना प्रकट किया। चेतना सत्र में विद्यालय के सभी शिक्षक/ शिक्षिका, छात्र/छात्राओं ने दो मिनट की मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि आलोक जी एक अच्छे शिक्षक थे, वो हमेशा शिक्षा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते थे। विशिष्ट स्नातक शिक्षक पंकज कुमार ने कहा कि आलोक जी एक अच्छे नेतृत्व करता थे और बुलंदी से शिक्षक हित की बात करते थे। प्रधानाध्यापक डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि असमय आलोक जी को जाना शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही क्षति है। शोक सभा में चंदन कुमार, आशुतोष कुमार, पाठक सर, अब्दुल कादिर, टूटू कुमार, अशोक कुमार, अजीत कुमार,शिक्षिका सिंधु कुमारी, स्वर्णलता कुमारी, कुमारी श्वेता, राधा कुमारी, वंदना कुमारी, रानी कुमारी अलका सिन्हा, आदि प्रमुख थे। आपको बता दें कि हिसुआ नवादा पथ पर सोमवार को खानपुरा के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक शिक्षक कुंदन प्रभात की घटना स्थल पर मौत हो गई थी और दूसरा आलोक कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गए थे। घायल शिक्षक का इलाज पटना में चल रहा था जहाँ इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

अलग - अलग कांडो के चौदह अभियुक्तों के घर पर पुलिस ने चिपकाया इश्तहार

नारदीगंज(नवादा)। थाना क्षेत्र के बुच्ची गांव में अलग अलग कांड के 14 आरोपितों के घर में पुलिस ने इस्तिहार चिपकाया है। थानाध्यक्ष आदित्य कुमार ने कहा बुच्ची गांव में 14 आरोपितों के घर में पुलिस ने इस्तिहार चिपकाया है। जिसमे नारदीगंज थाना कांड संख्या 330/2025 के प्राथमिकी आरोपित अनुज कुमार पिता अमीरक महतो , रंजीत कुमार पिता सुरेश महतो ,दीपू कुमार पिता कपिल महतो ,सुबोध महतो पिता केदार महतो ,बिट्टू कुमार पिता सुरेश महतो ,अभिमन्यु उर्फ़ गोरेलाल पिता सुरेश महतो ,गुड्डू कुमार पिता तुलेश्वर महतो ,पवन महतो पिता देव महतो ,सुभाष महतो पिता राजो महतो ,राजो महतो पिता प्यारे महतो के घर में इस्तिहार चिपकाया गया है। इसके अलावा कांड संख्या 329/2025 के प्राथमिकी आरोपित राहुल कुमार पिता राधे साव ,कुंदन कुमार पिता मधुसूदन साव ,अरविंद साव पिता भगत साव ,सचिन कुमार पिता अरुण साव के घर में इस्तिहार चिपकाया है।

रेसिडेन्सियल जीवन ज्योति इंग्लिश अकादमी में बाल मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन

नवादा। नगर के नटराज सिनेमा के निकट स्थित रेसिडेन्सियल जीवन ज्योति इंग्लिश अकादमी में बाल मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर प्रसाद ने कहा की प्रदर्शनी में बच्चों के द्वारा अपनी मेहनत और परिश्रम से बनाये गए मॉडल की प्रदर्शनी की जाती हैं तथा बच्चों के द्वारा कई प्रकार के व्यंजन भी बनाये जाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से आत्मनिर्भरता बढ़ती है। बातों में वैज्ञानिक सोच और स्चनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय के शाखा कार्यालय मे विज्ञान प्रदर्शनी एव बाल मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राएँ अपने द्वारा बनाए गए विज्ञान मॉडल, चार्ट एवं कार्यशील प्रोजेक्ट को प्रस्तुत किए। छात्रों के सर्वांगीण विकास एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक एव स्थानीय नागरिकों की उपस्थिती ने कार्यक्रम को बेहतर बना दिया।मौके पर विधालय के सभी छात्र - छात्राएं एवं अविभावक मौजूद थे।

हिंदू सम्मेलन को लेकर घर-घर होगा जनसंपर्क समाजसेवियों को किया जाएगा सम्मानित

कोटवा। आगामी 22 जनवरी को कोटवा कदम चौक पर आयोजित होने वाले भव्य हिंदू सम्मेलन को लेकर ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन को अधिक व्यापक, जनभागीदारीयुक्त और सामाजिक चेतना से जुड़ा बनाने को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। समिति के सदस्य हिमांशु सिंह उर्फ गोपू सिंह ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि सम्मेलन के प्रचार-प्रसार हेतु प्रखंड क्षेत्र के प्रत्येक घर तक आमंत्रण पत्र के साथ एक अगरबत्ती का डब्बा घर-घर जाकर दिया जाएगा। मिले अगरबती के साथ सभी लोग कार्यक्रम में आकर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इसके माध्यम से लोगों को सम्मेलन की जानकारी देने के साथ-साथ धार्मिक भावनाओं से जोड़ने और सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। भाजपा पूर्वी एवं पश्चिमी मंडल अध्यक्ष श्री अमित जी एवं शशि रंजन साहनी जी को संयुक्त रूप से कार्यक्रम प्रभारी बनाकर इस इसकी जिम्मेवारी सौंप गई। उन्होंने बताया इसके लिए अलग-अलग टोली बनाकर गांव-गांव घर घर संपर्क अभियान का प्रारंभ 18 जनवरी से भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं द्वारा चलेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि हिंदू सम्मेलन के मंच से प्रत्येक पंचायत से दलित हिंदू समाज के शिक्षक या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को समाज सेवा, शिक्षा और जनकल्याण में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि यह सम्मान उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रयास होगा, जो समाज की नींव मजबूत करने में निरंतर योगदान दे रहे हैं।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 22 जनवरी को आयोजित हिंदू सम्मेलन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण और समाज को सकारात्मक दिशा देने का एक सशक्त मंच बनेगा। पूर्व में गठित 20 सदस्यीय आयोजन समिति को सम्मेलन की तैयारियों को और तेज करने, जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने तथा कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने का दायित्व सौंपा गया।

ग्रामीणों ने सम्मेलन को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया। बैठक में मौजूद लोगों ने प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने पर भी सहमति जताई। बैठक में आयोजन समिति के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि 22 जनवरी का हिंदू सम्मेलन क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। बैठक में समिति के अध्यक्ष बिरेंद्र सिंह, आरएसएस से सुशील पांडेय, शिवम सोनू, उदय नारायण सिंह, कृष्ण कुमार, अरविंद कुमार, समिति के उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह, शंभू सिंह, रामाकांत पांडेय, जटा शंकर सिंह, अमित कुमार, शशिरंजन सहनी, भूपेंद्र सिंह, निकेश सिंह, चुन्नू सिंह, संदीप सिंह, टिंकू सिंह कुंदन, भिखारी सिंह, कुंदन सिंह, बुधन राय, गणेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

फ्रंटलाइन पब्लिक स्कूल के रजत जयंती पर बच्चों ने दिखाया जलवा

निज संवाददाता। नवादा

फ्रंटलाइन पब्लिक स्कूल, आनंद नगर, चातर, नवादा में अपने 25 वीं वर्षगांठ पर रजत जयंती समारोह भारी उत्सव के साथ मनाया गया। इस महोत्सव का उद्घाटन प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सह स्कूल के अध्यक्ष प्रो. बिजय कुमार, उपाध्यक्ष श्रीनिवास, महामंत्री धर्मेंद्र प्रसाद सिंह , मंत्री मनोज कुमार मिश्रा, वर्धमान महावीर महाविद्यालय के बरीय प्राध्यापक प्रो. रतन कुमार मिश्रा,एसकेएम कालेज के इतिहास विभाग के प्रो(डा.) देवेन्द्र कुमार सिन्हा प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन कोडरमा के पदाधिकारी श्री सीताराम सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। संप्रति मुख्य अतिथि नवल किशोर यादव माननीय सदस्य बिहार विधान परिषद सह श्रीमती विभा देवी माननीय विधायिका नवादा विधानसभा को विद्यालय के अध्यक्ष प्रो. बिजय कुमार के द्वारा माल्यार्पण पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया इसके साथ ही सकरपुरा ग्राम पंचायत के मुखिया श्री नरसिंह सिंह एवं वारसलीगंज के कुटरी पंचायत के मुखिया कुमार अभिनव को माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में जिले के उपस्थित तमाम प्रधानाचार्य, सरकारी पदाधिकारी का अभिनंदन पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश कुमार सह श्री नवदीप कुमार सिन्हा ने सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नवल किशोर यादव माननीय सदस्य बिहार विधान सभा परिषद ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में स्थित यह विद्यालय सचमुच में गुदड़ी का लाल है जहां संस्कार के साथ शिक्षा व भारतीय सांस्कृतिक विरासत को विद्यालय परिवार द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। बच्चों की प्रतिभा अपने आप में अद्भुत लगी यह विद्यालयी स्तर के साथ-साथ यहां के शिक्षकों की प्रतिभा को भी परिभाषित करता है। मैं विद्यालय के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

तत्पश्चात विद्यालय के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जिसकी सराहना दर्शक दीर्घा के द्वारा तालिया की गड़गड़ाहट से की गई देशभक्ति से ओत-प्रोत और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ ही मद्य निषेध पर आधारित कार्यक्रम ने सब को सोचने पर विवश कर दिया। सुदामा चरित्र की प्रस्तुति से लोगों की आंखें नम हो गई। बच्चों ने कार्यक्रम सबसे पहले गणेश वंदना से शुरू किया जिससे पूरे पंडाल की स्थिति भक्ति मय हो गई अगली गीत "राम आएंगे आएंगे" पूरा होते-होते दर्शक भक्ति में झूमने को मजबूर हो गए। अगली गीत जब बिहार की लोक संस्कृति पर्व त्यौहार की विशेषता को छठ महिमा और मिथिलांचल की संस्कृति को बच्चियों ने काफी हर्ष उल्लास के साथ प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के अंत में ममता मयी मां को समर्पित एक गाना "मां तेरी अंगुली पकड़ के चला "ने दर्शकों को भीतर से भाव विभोर कर दिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में और बच्चों की छुपी प्रतिभा को मंच तक लाने में स्कूल के मैनेजर विमलेश कुमार, शिक्षक सत्यांशु कुमार, प्रवीण कुमार, अजय कुमार, संतोष कुमार, किरण कुमारी, सुमन कुमारी, विनीता बाला, अनीश कुमार, सुमन कुमार, रितु कुमारी, गजाला अंजुम, सायरा फातिमा, नूतन कुमारी, विश्व भूषण, राजेश कुमार, प्रिंस कुमार, रोहित कुमार आदि की भूमिका काफी प्रशंसनीय रही। मंच का संचालन मुकुंद कुमार, रोहित कुमार, आयुष कुमार, वंदना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी करके पूरे प्रोग्राम में चार चांद लगा दिया।

बी पी एस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रदर्शनी में किया प्रतिभा का प्रदर्शन

निज संवाददाता। नवादा

शहर के रामनगर स्थित विज्ञान प्रदर्शनी में बी पी एस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी के दौरान बच्चों ने भारत के भविष्य से संबंधित लगभग सौ से अधिक मॉडल तैयार कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने ओवरलोड व्हीकल डिटेक्ट मशीन , कार्बन एब्जॉर्बिंग मशीन, वर्किंग मॉडल ऑफ लंग्स, हाइड्रॉलिक हाउस, होलोग्राम, पोर्टेबल ड्रिलिंग मशीन, वर्किंग मॉडल ऑफ मिसाइल, रेनवाटर हार्वेस्टिंग इत्यादि का ज्वलंत मॉडल बनाकर अपने विद्यालय का नाम ऊंचा किया , जिसमें प्रथम स्थान वर्ग 5 के बच्चे माही, सोनम, आरती, द्वितीय स्थान वर्ग 8 की छात्रा सकीना तथा तृतीय स्थान वर्ग 3 का छात्र आयुष कुमार को दिया गया।

इस कार्यक्रम का उदघाटन विद्यालय की निर्देशिका हेमलता कुमारी, तथा प्रबंध निदेशक पंकज कुमार के कर कमलों के द्वारा किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी बच्चे ही आने वाले समय में देश का भविष्य है। आप सभी के कंधों पर ही देश का उज्जवल भविष्य निर्भर करता है। अंत में विद्यालय के प्रबंध निदेशक के द्वारा बी पी एस किड्स जोन की सफलतापूर्वक 3 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में वर्ग प्री नर्सरी से लेकर यूकेजी तक के नए नामांकन पर , नामांकन शुल्क पाठ्य पुस्तक तथा स्कूल ड्रेस निशुल्क देने की घोषणा की है। इस मेले को शानदार और यादगार बनाने में विद्यालय के प्राचार्य मनोरंजन कुमार उप प्राचार्य सारिका भगत विज्ञान शिक्षक रवि कुमार, विश्वास ,विनोद ,आकाश, सूचित, सोनाली, पम्मी, समृद्धि, पुष्पा,आरती, पूजा ,पूजा रानी, रिचा सुमन इत्यादि का भरपूर योगदान रहा है।

हेल्थ कांक्लेभ में चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता। नवादा

नवादा शुक्रवार को पटना चाणक्या होटल में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे एवम् उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के हाथों डॉ रंजीत कुमार (विष्णु होम्यो क्लीनिक) एवम् डॉ रमेश प्रसाद को अंग वस्त्र देकर डाक्टर सम्मान से सम्मानित किया। पटना में कई नामचीन चिकित्सकों को विशिष्ट उपलब्धि के लिए बारी - बारी से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले दो दशकों से डबल ईंजन की सरकार ने नित नया आयाम लिख रही है स्वास्थ के क्षेत्र में बिहार तीसरे स्थान पर आकर कई उपलब्धि हासिल किया है। विजय सिन्हा उपमुख्यमंत्री ने कहा कि धरती के भगवान् और गुरुजनों को सम्मान होते हुए देखना गौरवान्वित होता हूं। आप सभी चिकित्सकों का योगदान बिहार को काफी ऊंचाइयों तक पहुंचायेगा। हिसुआ के दोनों चिकित्सकों के सम्मान से प्रद्युम्न कुमार, शंभू शर्मा, अध्यक्ष मनोज कुशवाहा, डॉ अवधेश कुमार,दिलीप कुमार, सिद्धू मनोज, डॉ अजीत कुमार,प्रदीप कुमार, सूरज कुमार, बीरेंद्र कुमार,संतोष यादव, सुभाष पासवान, किशोरी शर्मा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।।

जनता दरबार में फरियादी से रुबरु हुए एसपी अभिनव धीमान, सुनी जनता की फरियाद

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

जनता दरबार में फरियादियों की समस्या सुनते एसपी

काण्ड से सम्बंधित पुलिसिंग शिकायत का समाधान के लिए नवादा पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने शनिवार को नरहट थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार शुक्रवार को ही लगना था लेकिन अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर शनिवार को लगाया गया। इस दौरान नवादा एसपी के साथ साथ रजौली एसडीपीओ गुलशन कुमार, सर्कल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष गौतम कुमार, एसआई रौशन कुमार समेत सभी पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। जनता दरबार में फरियादियों ने जमीनी विवाद, मारपीट, झूठे मुकदमे में फंसाने एवं अन्य तरह की समस्या से जुड़े करीब एक दर्जन मामले एसपी के जनता दरबार में आये थे। एसपी ने बहुत ही शालीनता से बारी बारी से फरियादियों के आवेदन को पढ़ा और उनको खुद माइके से बुला कर उनसे सवाल जवाब किया और सम्बंधित आईओ को मामले में त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। एसपी ने बताया कि जमीन विवाद से जुड़े एवं अन्य केस से जुड़े मामले को गम्भीरता से सुना गया है। सभी पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। जमीन विवाद से जुड़े मामले को प्रत्येक शनिवार जनता दरबार लगा कर सीओ और थानाध्यक्ष दोनों मिलकर समस्या को सुन कर समाधान का प्रयास करते हैं। सरकार का निश्चय है कि सप्ताह में दो दिन सोमवार और शुक्रवार को पदाधिकारी कार्यलय में उपस्थित रहेंगे एवं जनसुनवाई करेंगे। झूठे मुकदमे में पुलिस निष्पक्ष जांच करेगी और वैसे लोगों को चिन्हित कर आवश्यक कड़ी कार्रवाई करेगी। इस मौके पर थानाध्यक्ष गौतम कुमार, एसआई रौशन कुमार, फरियादी मंजूर आलम, रामजीत सिंह, दिनेश प्रसाद, शैलेन्द्र प्रसाद, पालिखुर्द मुखिया धनन्जय कुमार आदि मौजूद थे।

सात निश्चय-3 के तहत 'सबका सम्मान–जीवन आसान (Ease of Living)' कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार एवं शुक्रवार को अनिवार्य जनसुनवाई

निज संवाददाता। नवादा

बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान–जीवन आसान (Ease of Living)' का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाना है।इसी उद्देश्य के आलोक में यह सुनिश्चित किया गया है कि आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।इसके तहत प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जनसुनवाई की व्यवस्था लागू की जाएगी।उक्त कार्यक्रम की शुरुआत दिनांक 19 जनवरी 2026 से की जा रही है।

जनसुविधा को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं-: प्रत्येक सप्ताह के दो कार्यदिवस (सोमवार एवं शुक्रवार) को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में आमलोग अपनी शिकायतों के निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी से उनके निर्धारित कार्यस्थल/कार्यालय कक्ष में मिलेंगे।

निर्धारित दोनों दिवसों पर सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनों से सम्मानपूर्वक मिलेंगे तथा उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए त्वरित निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

यदि किसी अपरिहार्य कारणवश संबंधित पदाधिकारी सोमवार अथवा शुक्रवार को कार्यालय में उपस्थित नहीं रह पाते हैं, तो उनके द्वारा अधिकृत पदाधिकारी/कर्मी जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

जो पदाधिकारी एक से अधिक विभाग अथवा कार्यालय के प्रभार में हैं, वे सोमवार/शुक्रवार को सुविधानुसार समय निर्धारित कर सभी कार्यालयों में उपस्थित रहकर लोगों से मुलाकात करेंगे। सभी सरकारी कार्यालयों में आगंतुकों को सम्मानपूर्वक बैठाने एवं मिलने की व्यवस्था के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय आदि उपलब्ध कराई जाएंगी।

उक्त पहल का उद्देश्य प्रशासन एवं आमजनों के बीच संवाद को सुदृढ़ करना तथा शासन व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाना है।

मॉडर्न क्रिकेट लीग 2026 का लगातार तीसरी बार विजेता बना कुंती नगर विद्यालय

निज संवाददाता। नवादा

- खेल से शारीरिक विकास के साथ आपसी भाईचारा होता मजबूत- डॉ अनुज

नगर के कुंती नगर स्थित मॉडर्न इंगलिश स्कूल के खेल मैदान मॉडर्न क्रिकेट लीग 2026 का फाइनल मुकाबला का आयोजन किया गया। फाइनल मैच मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल हिसुआ बनाम मॉडर्न इंग्लिश स्कूल कुंती नगर के बीच खेला गया । जिसमें मॉडर्न इंग्लिश स्कूल कुंती नगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बन ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मॉडर्न शैक्षणिक संस्थान के द्वारा अंतरविद्यालयी क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में संस्थान के द्वारा संचालित सभी विद्यालय के खिलाड़ी भाग ले रहे थे। लीग मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दोनों टीम ने प्रवेश किया। फाइनल मैच के आरंभ होने के पूर्व मुख्य अतिथि के रूप में मॉडर्न संस्थान के अध्यक्ष डॉ अनुज सिंह ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया। उसके बाद राष्ट्रगान के बाद टॉस किया गया।मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल हिसुआ के कप्तान राजू कुमार ने टॉस जीतकर पहले से क्षेत्र आरक्षण करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कुंती नगर की टीम की बेहद ही खराब शुरुआत रही उसके ऊपरी क्रम के तीन बल्लेबाज सानू राज ,आयुष कुमार एवं सत्यम बिना खाता खोले की पवेलियन वापस हो गए लेकिन कप्तान आदित्य राज के 15 प्रिंस राज के 22 प्रत्युष के 27 एवं पीयूष यादव के 10 रनों के सहायता से कुंती नगर की टीम निर्धारित 10 ओवर में 105 रनों का सम्मानजनक लक्ष्य खड़ा किया।मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल हिसुआ की तरफ से अभिजीत सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट एवं कन्हैया ने दो विकेट प्राप्त किया । दूसरी पाली में जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिसुआ की टीम के कप्तान राजू कुमार के संघर्षपूर्ण 25 राज आर्यन के 13 एवं शुभम के नौ रनों के बदौलत निर्धारित 10 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 81 रन ही बना सकी। फलस्वरुप कुंती नगर ने 24 रनों से मैच जीत कर लगातार तीसरी बार मॉडर्न क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम किया। नए समाप्ति के उपरांत मॉडर्न शैक्षिक समूह के निदेशक डॉ अनुज कुमार ने दोनों टीमों के खेल भावना की सराहना की एवं विजेता एवं विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि। खेल हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है ।खेल को भी पढ़ाई के समान महत्व देना चाहिए ,लेकिन आज भी देश में खेल संस्कृति के विकास की दिशा में और प्रयास की जरूरत है। खेल से केवल हमारा मनोरंजन ही नहीं बल्कि शारीरिक विकास के साथ-साथ आपसी भाईचारा का भी विकास होता है।नवादा जैसे छोटे शहरों में भी प्रतिभावान खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है उन्हें उचित अवसर एवं प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार हिसुआ टीम अभिजीत सिंह को प्रदान किया गया। अभिजीत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए जबकि 11 रन भी बनाए। मैच में निर्णायक की भूमिका स्टेट पैनल अंपायर राकेश रंजन एवं राष्ट्रपति से पुरस्कृत खेल शिक्षक अलखदेव यादव ने निभाई, जब किया स्कोरर की भूमिका में कल्पना कुमारी थी।

कैम्प में किसानों को दी गयी उधामिकी फसल की जानकारी

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी एवं अन्य

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

प्रखण्ड ई किसान भवन कार्यालय परिसर में शनिवार को किसान गोष्ठी, फॉर्मर रजिस्ट्री एवं ई केवाईसी कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की सुरुआत जिला परिषद सदस्य एवं प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी आकाश ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार द्वारा उपस्थित किसानों को सम्बंधित करते हुए उधानिकी फसलें जैसे फल, साब्जियां, फूल, मसाले, औषधीय पौधे के बारे में जानकारी दिया। बीडीओ ने किसानों से नगदी फसल एवं उधानिक फसल की तरफ खेती को ले जाने का आग्रह किया। प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी ने उपस्थित किसानों को समसामयिक कृषि चर्चा एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे किसानों को ई केवाईसी एवं फॉर्मर रजिस्ट्री के लाभ के बारे में जानकारी दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कुल लाभुकों की संख्या नरहट प्रखण्ड में 6004 है जिसमें अभी तक लगभग 4500 सौ ने ई केवाईसी करवा लिए हैं एवं 1700 सौ से अधिक फॉर्मर आईडी बनवा लिए है। उन्होंने बताया कि फॉर्मर आईडी बनाने का काम 21 जनवरी 2026 तक सभी पंचायतों में किसान सलाहकार एवं राजश्व कर्मी द्वारा किया जाएगा। उपरोक्त कार्यक्रम में शिवनाथ केसरवानी सहायक तकनीकी ,प्रखंड उद्यान पदाधिकारी निशु कुमारी, किसान सलाहकार - शैलेश कुमार, कमलेश कुमार, शामा नाहिद एवं किसान पंकज कुमार, सुधीर सिंह, नवल किशोर यादव, रूबी देवी आदि किसानों ने भाग लिया।

बैडमिंटन खिलाड़ी को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता। नारदीगंज (नवादा)

प्रखंड के नारदीगंज पंचायत के दरियापुर गांव निवासी नवीन कुमार व माता कंचन देवी के छोटे पुत्र शिवम कुमार ने मात्र 15 वर्ष की अवस्था में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन खेल में पदक जीतकर सबको चौंका दिया है। शिवम ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में संपन्न हुई 'योनेक्स सनराइजर्स इंडिया ओपन अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026' के मेंस डबल्स में शानदार जीत दर्ज की है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, डेनमार्क, कनाडा, चीन, स्कॉटलैंड व मलेशिया जैसे देशों ने भाग लिया था। फाइनल मुकाबला भारत और मलेशिया के बीच हुआ, जिसमें 19/21 पॉइंट से भारत ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत में शिवम का प्रदर्शन अत्यंत उत्कृष्ट रहा। अपनी सफलता पर शिवम का कहना है कि सबसे पहले पटना की 'स्मैश बैडमिंटन अकादमी' द्वारा राज्य स्तर पर उनका चयन हुआ और फिर इसी अकादमी के माध्यम से उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर मिला।

अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरु को देते हुए कहा कि उनके ही आशीर्वाद से यह मुकाम हासिल किया हूं। पदक जीतकर अपने गांव दरियापुर लौटने पर शिवम का ग्रामीणों ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इस खुशी के मौके पर बाबा जितेंद्र सिंह, दादी अनीता देवी, चाचा प्रवीण कुमार, चाची रीमा देवी, भाई सौरभ, बहन सुष्मिता सहित ग्रामीण संजय कुमार, अजय सिंह, रौशन सिंह, पंकज सिंह व अन्य लोगों ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

छापेमारी में कुर्की-जब्ती वारंटी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मसौढ़ी,पटना। मसौढ़ी थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कुर्की-जब्ती के एक फरार वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मसौढ़ी थाना क्षेत्र के संघतपर मुहल्ला निवासी द्वारिका यादव के पुत्र अखिलेश यादव के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अखिलेश यादव के खिलाफ न्यायालय द्वारा कुर्की-जब्ती का वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक भारती ने बताया कि फरार वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित करने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए ऐसे आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में अन्य फरार वारंटियों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

थाना परिसर में जब्त शराब का विधिवत विनष्टीकरण

मसौढ़ी,पटना। मसौढ़ी थाना परिसर में विभिन्न मामलों में जब्त की गई शराब का विधिवत विनष्टीकरण किया गया। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष विवेक भारती एवं उत्पाद विभाग के पदाधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुई। अधिकारियों के अनुसार अलग-अलग कांडों से संबंधित कुल 280 लीटर विदेशी व देशी शराब को न्यायालय के आदेश के आलोक में नष्ट किया गया। विनष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों और सुरक्षा मानकों के तहत की गई। इस अवसर पर प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। थानाध्यक्ष विवेक भारती ने बताया कि शराबबंदी कानून लागू होने के बाद थाना स्तर पर कई बार जब्त शराब का विनष्टीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए स्थानीय पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

18.375 लीटर विदेशी शराब के साथ बाइक सवार तस्कर गिरफ्तार

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र में उत्पाद अधीक्षक संजय चौधरी के निर्देशन में और उत्पाद इंस्पेक्टर के नेतृत्व में विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 18.375 लीटर विदेशी शराब बरामद की और इसे तस्करी में प्रयुक्त काले रंग की स्प्लेंडर बाइक के साथ जब्त किया। गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान मसौढ़ी थाना क्षेत्र के दीघवां गांव निवासी सत्येंद्र प्रसाद के 23 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। इस मामले में उत्पाद विभाग ने संबंधित मद्यनिषेध धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। विक्की कुमार को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

धनरुआ पंचायत के वार्ड 9 में सड़क जल जमाव से आमजन परेशान

मसौढ़ी! धनरुआ प्रखंड के धनरुआ पंचायत के वार्ड 9 स्थित शहरू गांव में घरों के गंदे पानी बीच सड़क पर गिर रहा है।जिससे पानी का निकास बन्द होने के कारण सड़क झील बन गई है।स्थानीय लोग गन्दे पानी में प्रवेश कर आने जाने में विवश हैं,इस सम्बंध में स्थानीय ग्रामीणों ने प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी को एक आवेदन देकर जल निकासी की व्यवस्था कराने का आग्रह किया है।चार वर्षों से इस वार्ड में कोई भी कार्य नही कराया गया है।नलजल योजना भी चालू नही है।स्थानीय ग्रामीण रौशन,विजय,गुंजन पासवान,मुकेश चौधरी समेत दर्जनों लोगों ने जल्द समस्या से निजात नही मिलने पर 28 जनवरी को सड़क पर उतर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।इस बाबत बीपीआरओ ने बताया कि मामला संज्ञान में नाले का पानी सड़क पर गिर रहा है।जल्द ही नाले का निर्माण कार्य शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा।

26 जनवरी को होगा भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह, नौ पंचायतों के मेधावियों को मिलेगा सम्मान

सुगौली। द०सुगाँव पंचायत के मुखिया प्रभाकर मिश्रा ने शनिवार को पंचायत भवन सरकार प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि बीते कई वर्षों से 36 जनवरी के अवसर पर पंचायत स्तर पर प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इस कार्यक्रम के तहत मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाता था, जिससे बच्चों का मनोबल बढ़े और वे आगे और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष किसी कारणवश यह कार्यक्रम सीमित रहा और केवल तीन पंचायतों के छात्र-छात्राओं को ही इसमें शामिल किया गया था। हालांकि, इस वर्ष कार्यक्रम को व्यापक रूप दिया गया है। इस बार नौ पंचायतों के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल किया जाएगा। मुखिया प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि इस वर्ष न केवल मैट्रिक बल्कि इंटरमीडिएट सहित अन्य शैक्षणिक स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा खेल, सामाजिक सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली लोगों को भी मंच पर सम्मान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वे शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

पटना में रिटायर्ड शिक्षिका की नृशंस हत्या

निज संवाददाता। पटना

♦ गला रेतकर उतारा मौत के घाट, शास्त्रीनगर के एजी कॉलोनी में दहशत, एसआईटी कर रही जांच

पटना। पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित AG कॉलोनी पार्क के पास मंगलवार को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक रिटायर्ड महिला शिक्षिका की उनके ही घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई। अपराधियों ने घर में घुसकर चाकू से गला काटा और शरीर पर कई वार कर महिला को मौत के घाट उतार दिया। वारदात इतनी नृशंस थी कि शव पर कई जगह चाकू के गहरे निशान पाए गए। मृतका की पहचान 78 वर्षीय माधवी कुमारी के रूप में हुई है, जो लंबे समय से अपने मकान में अकेली रह रही थीं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि महिला के शरीर से गहने गायब हैं, हालांकि घर के भीतर अन्य सामान बिखरा हुआ नहीं मिला, जिससे लूट और हत्या के बीच संबंध को लेकर पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है।बताया जा रहा है कि सबसे पहले घटना की जानकारी पड़ोस में रहने वाली एक महिला को हुई। उसी ने माधवी कुमारी की बेटी को फोन कर बुलाया। मृतका की बेटी इसी बिल्डिंग में डांस क्लास चलाती है और मां की देख-रेख भी करती थी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

हत्या के मामले में पुलिस ने पड़ोस में रहने वाली उसी महिला को हिरासत में लिया है, जो सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंची थी। मीडिया के सवालों पर महिला ने चुप्पी साध रखी है। फिलहाल शास्त्रीनगर थाना पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है और उसकी भूमिका की हर कोण से जांच की जा रही है।

सूचना मिलते ही सचिवालय SDPO-2 साकेत कुमार के नेतृत्व में स्थानीय थाना पुलिस और फोरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम मौके पर पहुंची। घर को सील कर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र किए गए। SDPO ने बताया कि AG कॉलोनी स्थित मकान संख्या C-71 में घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर भेजी गई और जांच शुरू कर दी गई है। माधवी कुमारी के पति अमरेंद्र कुमार दास AG कार्यालय में अधिकारी थे, जो वर्ष 2008 में सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी मृत्यु 2023 में हो चुकी है। मृतका के परिवार में एक बेटी और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा उज्ज्वल देहरादून में प्रोफेसर है, जबकि दूसरा बेटा उत्कल कुमार दिल्ली में बैंक ऑफ अमेरिका में अधिकारी के पद पर कार्यरत है।

पटना IG जितेंद्र राणा ने बताया कि इस गंभीर मामले की जांच के लिए SIT गठित की गई है। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया है। सभी तकनीकी पहलुओं, कॉल डिटेल, आसपास के सीसीटीवी फुटेज और संदिग्ध गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक जो भी जांच प्रगति हुई है, उसकी समीक्षा की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

दिनदहाड़े रिहायशी इलाके में हुई इस हत्या से AG कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस का दावा है कि मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

युवक को गोली मारकर किया गंभीर रूप से घायल, एम्स रेफर

निज संवाददाता। नौबतपुर, पटना

घायल युवक

♦ लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया

पटना जिले के नौबतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तीसखोरा मुसहरी में शनिवार की शाम करीब चार बजे अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अचानक हुई इस वारदात से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। गोली लगने से घायल युवक की पहचान मुहम्मदपुर गांव निवासी लगभग 30 वर्षीय बिट्टू कुमार के रूप में हुई है, जो नरेश पासवान का पुत्र है। अपराधियों की गोली युवक के सीने के बाईं ओर लगी, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना किन कारणों से हुई और युवक को क्यों निशाना बनाया गया, इसका अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है। सूचना मिलते ही नौबतपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। वहीं फुलवारी शरीफ एसडीपीओ-2 दीपक कुमार ने बताया कि एफएसएल टीम को भी सूचना दी गई है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम के लिए परिवहन विभाग का बड़ा अभियान, पूरे बिहार में जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज

निज संवाददाता। पटना

बिहार में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए परिवहन विभाग ने व्यापक स्तर पर मोर्चा खोल दिया है। जनवरी माह में पूरे राज्य में सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत चालकों को यातायात संकेतों की रिफ्रेशर ट्रेनिंग दी जा रही है, वहीं जिलों में जागरूकता रथ और चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। पटना जिला परिवहन पदाधिकारी और मिशन रोड सेफ्टी की संयुक्त पहल से शैक्षणिक संस्थानों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। नवंबर 2025 से शुरू इस विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों और व्यवहारिक प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। अब तक 25 शैक्षणिक संस्थानों के 10 हजार से अधिक छात्रों को प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षित किया जा चुका है, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से करीब 50 हजार युवाओं तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया है। विभाग का लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक 100 संस्थानों को इस अभियान से जोड़ने का है।

परिवहन विभाग सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोगों से लगातार अपील कर रहा है कि वे यात्रा के दौरान ISI मार्क वाले हेल्मेट और सीटबेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। साथ ही निर्धारित स्पीड लिमिट का पालन करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों और पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वे सड़कों पर सक्रिय रहकर नियमों के पालन को सुनिश्चित करें और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। ठंड के मौसम में कुहासे के कारण बढ़ रही दुर्घटनाओं को देखते हुए परिवहन विभाग ने कड़े कदम उठाए हैं। परिवहन मंत्री के निर्देश पर राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर ई-रिक्शा के परिचालन पर रोक लगाने और जुगाड़ गाड़ियों पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश जारी किए गए हैं। इस निर्णय का उद्देश्य मुख्य सड़कों पर यातायात को सुरक्षित और सुचारू बनाना है। सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने के लिए विभाग ने एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन योजना लागू की है। दुर्घटना के बाद के गोल्डन आवर में यदि कोई राहगीर घायल को अस्पताल पहुंचाता है, तो उसे 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस पहल से आम लोगों को आगे आकर मदद करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि समय पर इलाज से कीमती जानें बचाई जा सकें। यह अभियान केवल छात्रों तक सीमित नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक, कर्मचारी, वाहन चालक और कंडक्टर को भी सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। परिवहन विभाग का मानना है कि जब तक पूरे तंत्र को प्रशिक्षित नहीं किया जाएगा, तब तक सड़कों को पूरी तरह सुरक्षित बनाना संभव नहीं है। परिवहन विभाग की यह पहल सड़क सुरक्षा को लेकर राज्य में एक नई दिशा देने की कोशिश मानी जा रही है, जिससे आने वाले समय में दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

विकसित भारत @2047 विषय पर एकदिवसीय विशेष जागरुकता कार्यकम आयोजित

निज संवाददाता। पटना

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, सीतामढ़ी की ओर से 'विकसित भारत @2047' विषय पर एकदिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार भवन, सकरा प्रखंड में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को केंद्र सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन सकरा विधायक आदित्य कुमार, सकरा प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तथा जीविका बीपीएम सकरा मो. कैफुल्लाह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जावेद अंसारी ने अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर किया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया और लोगों से पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सकरा विधायक आदित्य कुमार ने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन को साकार करने में ऐसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं से किसानों को रोजगार, गरीबों को मुफ्त अनाज और गांव-शहरों में सड़कों का तेजी से विकास हो रहा है। आज हर क्षेत्र में विकास के कारण लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है।

सकरा प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और सरकार तथा समाज के साझा प्रयास से ही यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। जीविका बीपीएम सकरा मो. कैफुल्लाह ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में जीविका अहम भूमिका निभा रही है, जिससे ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव आ रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विकसित भारत @2047 विषय पर आयोजित मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों और दर्शकों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए केंद्रीय संचार ब्यूरो, सीतामढ़ी इकाई के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी एवं डीडी न्यूज पटना के समाचार संपादक जावेद अंसारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा विकसित भारत @2047 विषय पर देशभर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आम लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं और अब तक प्राप्त उपलब्धियों से अवगत कराया जा रहा है। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से संबद्ध जादूगर ए.के. सरकार, पटना ने जादू कला के माध्यम से विकसित भारत का संदेश लोगों तक पहुंचाया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय संचार ब्यूरो, सीतामढ़ी के तकनीकी अधिकारी ग्यास अख्तर ने किया।

पटना जंक्शन–महावीर मंदिर की सुरक्षा हुई और मजबूत, एसएसपी ने किया नए टीओपी का उद्घाटन

निज संवाददाता। पटना

पटना जंक्शन और प्रसिद्ध महावीर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में पुलिस प्रशासन ने अहम कदम उठाया है। शनिवार को पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने महावीर मंदिर के समीप नवनिर्मित टीओपी (टेम्पररी आउट पोस्ट) का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर कोतवाली डीएसपी (विधि-व्यवस्था) सहित कई वरीय पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। महावीर मंदिर और पटना जंक्शन क्षेत्र में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु और यात्री आते-जाते हैं।

भीड़ की गंभीरता और सुरक्षा की आवश्यकता को देखते हुए इस टीओपी की स्थापना की गई है। उद्घाटन के दौरान एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मंदिर की गरिमा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। टीओपी के शुरू होने से इस क्षेत्र में पुलिस की चौबीसों घंटे मौजूदगी सुनिश्चित होगी और किसी भी आपात स्थिति में यह तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र के रूप में कार्य करेगा। कोतवाली डीएसपी (विधि-व्यवस्था) कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि क्षेत्र में मेट्रो निर्माण और अंडरपास/सब-वे के कार्यों के चलते अतिरिक्त सतर्कता जरूरी हो गई थी। टीओपी में पुलिस पदाधिकारी और जवान शिफ्ट के आधार पर तैनात रहेंगे। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे इलाके पर लगातार नजर रखी जाएगी, ताकि असामाजिक तत्वों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस टीओपी से पटना जंक्शन आने-जाने वाले यात्रियों और महावीर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध होगी। छिनैती, जेबकटमारी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने में यह आउट पोस्ट प्रभावी भूमिका निभाएगा। साथ ही मंदिर और स्टेशन के सामने की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को भी बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सकेगा।

31 जनवरी को हिन्दू सम्मेलन को लेकर बैठक संपन्न

निज संवाददाता। रक्सौल

शहर के पुरानी पोखरा स्थित जगदीश कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल के अंतर्गत शिवाजी बस्ती के सभी स्वयंसेवकों की विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला सेवा प्रमुख विकास कुमार ने की। बैठक को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर देश भर में संघ द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उसी कड़ी में रक्सौल में कार्यरत सभी 10 बस्तियों में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।फलस्वरूप शिवाजी बस्ती द्वारा हिन्दू सम्मेलन को सफलीभूत करने के लिए स्वयंसेवकों की एक समिति का गठन एवं दायित्वों का निर्धारण किया गया जिसके तहत रजनीश प्रियदर्शी को अध्यक्ष, सुरेश कुमार गुप्ता (बाबा) को उपाध्यक्ष, धीरज कुमार को सचिव, सनोज कुमार को सहसचिव, हेमंत वर्णवाल को कोषाध्यक्ष एवं विवेक कुमार को सहकोषाध्यक्ष का दायित्व मिला । उन्होंने यह भी कहा कि संघ द्वारा शताब्दी वर्ष में सात कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी है जिसमें हिन्दू सम्मेलन का आयोजन भी उसी का हिस्सा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, हिन्दू समाज को संगठित करना और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने रक्सौल वासियों से अपील की है कि शहर के पोस्ट ऑफिस रोड स्थित श्री राम जानकी मंदिर सह विवाह परिसर में 31 जनवरी को संध्या 5 बजे से आयोजित हिन्दू सम्मेलन में तीन सत्र में संपन्न होने वाले कार्यक्रम क्रमशः भजन संध्या, बौधिक एवं प्रसाद वितरण में उपस्थित हो सम्मेलन को सफलीभूत करें। मौके पर रजनीश प्रियदर्शी, दुर्गेश कुमार जिला कार्यवाह, सुबोध कुमार जिला संपर्क , हेमंत कुमार शिवाजी बस्ती प्रमुख , धीरज कुमार, अजय कुमार, चंदन गुप्ता, प्रकाश कुमार जिला व्यवस्था प्रमुख , सुनील कुमार, सुरेश कुमार गुप्ता (बाबा), सनोज कुमार एवं विवेक कुमार समेत कई स्वयंसेवक आदि उपस्थित रहे।

आईसीपी रक्सौल में मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

निज संवाददाता। रक्सौल

आईसीपी रकसौल के तत्वधान में, फिटनेस रन जीरो लाइन के तहद ढाई किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय महावाणिज्य दूतावास बिरगंज के महावाणिज्यदूत ड़ी एस मीना, वाणिज्यदूत महेश दास, पतन प्रशासक कुमार राजीव रंजन,रक्सौल सहायक कस्टम आयुक्त राघवेंद्र साह ,एसएसबी डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्ण,बिरगंज आईसीपी प्रबंधक गणेश प्रसाद घिमिरे,प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ राजीव रंजन आदि अतिथियो ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया। दिल्ली से आई पूर्व एशियन मैराथन चैंपियन डॉ सुनीता गोदारा के दिशा निर्देश में प्रतिभागियो ने दौड़ लगाया और उन्होंने संकल्प दिलाया की इस फिटनेस डोज को निरंतर करते रहेंगे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि महावाणिज्यदूत डी एस मीना ने कहा की स्वस्थ्य शरीर ,फिटनेस के साथ- साथ शांत व एकाग्रचित मन में के लिये दौड़ और ब्याम बहुत जरूरी है। ऐसे कार्यक्रम आयोजन से आपसी प्रेम ,सद्भाव व भाईचारा बढ़ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पतन प्रशासक कुमार राजीव रंजन ने की।श्री रंजन ने कहा की आज की इस भाग दौड़ की जिंदगी में लोग स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह होते जा रहे है,जिसके कारण कई गम्भीर बिमारिओ का शिकार होते जा रहे है,इस कार्यक्रम के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्र के लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश देना है, आपसी एकता के लिये व स्वस्थ्य शरीर के लिये नियमिय ब्याम करे व दौड़ लगाए।इस कार्यक्रम में स्कूली छात्र ,सीमावर्ती ग्रामीण ,आईसीपी कर्मी व एसएसबी जवानों सहित करीब 250 प्रतिभागियो ने भाग लिया। कार्यक्रम में विजेता व उपविजेता प्रतिभागियो को मेडल पहनाकर व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर लाइंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष बिमल सर्राफ,शिखा रंजन,आईसीपी कर्मी श्यामबाबू सिंह,रमन कुमार झा, अख्तर सैफ़ी,कुन्दन कुमार पांडेय,नारायण प्रसाद,प्रदीप कुमार दास सहित कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

गरीब परिवारों की छत पर मुफ्त लगेगा सोलर पैनल : ईएसई

सासाराम/ रोहतास। विद्युत आपूर्ति अंचल सासाराम के गरीब परिवारों के लिए राज्य सरकार द्वारा महत्वकांक्षी योजना चलायी जा रही है जो बीपीएल विद्युत उपभोक्ताओं के लिए है। विद्युत अधीक्षण अभियंता सासाराम इंद्रदेव कुमार ने बताया की वैसे बीपीएल परिवार जिनके पास अपना छत का घर है और जो पहले आवेदन समर्पित करेंगे उनके यहाँ पहले सोलर प्लेट मुफ्त मे लगाया जायेगा। आगे बताया गया की आवेदक को सुविधा एप्प के माध्यम से आवेदन करना होगा। सुविधा एप्प मे "सोलर रूफ टॉप के लिए सहमति" चयन करने के उपरांत आवेदक को सहमति देना है की मेरे घर के छत पर सोलर प्लेट लगाने में मैं सहमत हूँ तथा रूफ टॉप सोलर को ठीक ठाक से रख रखाव करेंगे। बता दें की इस योजना का लाभ लेना बहुत ही आसान है। यदि उपभोक्ता को ऑनलाइन आवेदन करने मे किसी प्रकार का दिक्कत है तो सम्बंधित प्रमंडल कार्यालय के सुविधा काउंटर पर आकर आवेदन समर्पित करा सकते हैं इसके लिए बिजली का बिल और मोबाइल नंबर लेकर आना है। सुविधा काउन्टर पर यह व्यवस्था बिल्कुल ही मुफ्त है। दोनों जिले रोहतास और कैमूर जिले के कुटीर ज्योति श्रेणी के उपभोक्ताओं (जिन्हें साधारण भाषा में गरीबी रेखा का विद्युत कनेक्शन कहते हैं) से आग्रह किया गया है की जल्द से जल्द ऑनलाइन आवेदन कर राज्य सरकार की इस योजना का लाभ उठायें। जो डीएस श्रेणी के उपभोक्ता हैं उनके लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना पूर्व से कार्यरत है।

मीटर बाईपास के मामले मे पांच पर प्राथमिकी व जुर्माना

सूर्यपुरा / रोहतास। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र मे बिलिंग गुणवत्ता व स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का जांच कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा के नेतृत्व मे किया गया। जाँच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर सूर्यपुरा टोला के लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता पिता-गौरी शंकर साह पर 30124, लखनपुरा के भुनेश्वर चौधरी पिता-कामेश्वर चौधरी पर 15148, नारायणपुर टोला के दिनेश कुमार सिंह पिता-शंकर लाल सिंह पर 24408, बिनोद कुमार पिता-बलिराम यादव पर 14818 व ललन सिंह पिता-कन्हैया सिंह पर 18688 रुपये जुर्माना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें एवं जो व्यक्ति घरेलु, व्यवसायिक, ई-रिक्शा चार्ज, कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

काराकाट पुलिस का सख्त रुखः बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए अनिवार्य अनुमति, डीजे पर पूर्ण पाबंदी

काराकाट/ रोहतास। आगामी 23 जनवरी को मनाए जाने वाले बसंत पंचमी सरस्वती पूजा को लेकर काराकाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र के हर पंचायत और गांव में सरस्वती पूजा के लिए पंडाल लगाने या कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने वाली सभी समितियों को थाने से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ये कदम उठाए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी कार्यक्रम में डीजे का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बिना अनुमति के कोई भी पंडाल या कार्यक्रम आयोजित करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने स्थानीय समितियों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे निर्देशों का पालन करें और समय रहते अनुमति प्राप्त कर लें। रोहतास जिले में बसंत पंचमी ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा के रूप में हर्षोल्लास से मनाई जाती है, लेकिन पुलिस ने अव्यवस्था रोकने के लिए सतर्कता बरतने का फैसला किया है।

स्कूली वाहन से दुर्घटनाग्रस्त हो चाचा-भतीजा जख्मी

बिक्रमगंज (रोहतास)। बिक्रमगंज दिनारा मुख्य पथ पर शनिवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के रामाधार सिंह 10 +2 विद्यालय धनगाई के समीप सूली वहां से दुर्घटनाग्रस्त होकर चाचा- भतीजा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों ज़ख्मियों को स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि धनसोई थाना क्षेत्र के बभनवलिया निवासी 26 वर्षीय चंदन कुमार अपने भतीजा 12 वर्षीय प्रदीप कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर बिक्रमगंज के रास्ते आरा जा रहे थे। बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के रामाधार सिंह 10 + 2 विद्यालय धनगाई के समीप अनियंत्रित स्कूली वाहन के चपेट में आ गए और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस घटना में उनकी बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

नावकोठी में भूकंप से बचाव के लिए स्कूली बच्चों को दिया टिप्स

नावकोठी। प्रखंड के सभी प्राइमरी एवं मिड्ल स्कूल में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा के तहत सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया.भूकंप से बचाव पर चर्चा की गयी.फोकल शिक्षक ने बताया कि भूकंप से लोग नहीं मरते बल्कि जानकारी के अभाव एवं लापरवाही से मरते हैं. शहर एवं कस्बों में पुराने मकान, जर्जर भवनों के जद में आने से बड़े पैमाने पर जानमाल की क्षति होती है.आपदा की समझ एवं संभावित खतरे की पूर्व अगर तैयारी हो तो जोखिम न्यूनीकरण किया जा सकता है.भूकंपरोधी मकान के निर्माण पर बल दिया गया.भूकंप के दौरान बिजली के खंभे,पेड़,ऊंचे भवनों और जर्जर मकानों से दूरी बना कर रहने की बात कही गयी.भूकंप के समय सतर्क और सावधान रहते हुए खुले मैदान में शरण लेने को कहा गया.बिहार के कई जिले भूकंप के खतरनाक जोन में आते हैं.कक्षा कक्ष में भूकंप के दौरान बचने का मॉकड्रील कराया गया.इसके तहत रुको ढको और पकड़ो के तीन स्टेप अपनाने पर जोर दिया गया .मौके पर एच एम शंभू महतो, मनटुन महतो,प्रियरंजन कुमार,रणधीर कुमार,हेड टीचर योगेन्द्र चौधरी,ललन कुमार,संजीत महतो,अशोक शर्मा,धर्मशील कुमार,विजय कुमार,सिकंदर सहनी,कन्हैया कुमार,देवेंद्र पासवान,हरेराम रजक सहित मीना मंच,बाल संसद के सदस्य एवं अन्य शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे.

एसडीएम के मौजूदगी में जमीनी विवाद निपटारा हेतु लगा जनता दरबार

दरबार के दौरान सीओ ने जमीनी संबंधित कई मामलों का किया निष्पादन

निज संवाददाता। राजपुर

रैयतों के भूमि विवाद मामलों के निपटारा हेतु शनिवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में एसडीएम प्रभात कुमार के मौजुदगी में जनता दरबार आयोजित हुआ. जिस दौरान आपसी जमीनी विवाद एवं दुसरे अन्य रैयतों के साथ विवादों का समाधान निकालने का प्रयास हुआ.

जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि रोतवा गांव निवासी अरूण कुमार बनाम कामता सिंह,छपरा गांव निवासी लक्ष्मण साह बनाम भैयाराम व जयराम सिंह तथा परसिया गांव निवासी लालबाबु पासवान बनाम गोरख पासवान समेत आधा दर्जन रैयतों के बीच भूमि विवाद की सुनावाई हुआ.सभी पक्षों के बयनात को दर्ज किया गया.इनके बीच भूमि विवाद का आपसी समझौता से निपटारा का प्रयास किया गया.इस दौरान रैयतों ने अपनी बात को एसडीएम के समक्ष रखते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत किया.

बैठक के दौरान दो नया मामला दर्ज हुआ. कार्यालय को प्रतिदिन प्राप्त होने वाले आवेदनों की सुनवाई एवं पुराने मामलों से सम्बंधित मामलों का निपटारा हेतु अगले बैठक के दौरान उपस्थित होने के लिए रैयतों को नोटिस निर्गत किया गया. गत बैठक में प्राप्त आवेदन के आलोक में नोटिस पर बुलाये गये रैयतों के कागजात की जांच की गई.रैयतों का बयान दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई के लिए सम्बंधित कर्मी को निर्देशित किया गया.मौके पर राजपुर थानाध्यक्ष उमुस सलमा,पुलिस पदाधिकारी आशा कुमारी, बघैला पुलिस पदाधिकारी,अंचल कर्मी अमीत कुमार,संदीप कुमार समेत कई अन्य रैयत मौजूद रहे.

दिनारा में ट्रैफिक जागरूकता अभियान

नियमों का पालन करने वालों को गुलाब,बिना हेलमेट चालकों को किया गया जागरूक

निज संवाददाता। दिनारा/रोहतास

आरा–मोहनिया एनएच-319 मुख्य मार्ग पर दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितांव टोल प्लाजा के समीप दिनारा पुलिस द्वारा विशेष ट्रैफिक जागरूकता अभियान चलाया गया । इस अभियान का नेतृत्व प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने किया । अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया । ट्रैफिक नियमों का पालन कर रहे करीब सैकड़ों वाहन चालकों को पुलिस अधिकारियों द्वारा गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया गया,जिससे लोगों में नियमों के प्रति सकारात्मक संदेश गया ।

वहीं बिना हेलमेट पहनकर बाइक चला रहे लगभग 40 चालकों को रोककर उन्हें ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलमेट भी प्रदान किया गया । अधिकारियों ने बताया कि हेलमेट न केवल नियम है,बल्कि जीवन रक्षा का महत्वपूर्ण साधन भी है । इस मौके पर पुलिस निरीक्षक विनय कुमार, एसआई अमित कुमार,पुलिस पदाधिकारी,पुलिस कर्मी एवं कई लोग मौजूद रहे । पुलिस के इस सराहनीय पहल की आमजन ने जमकर प्रशंसा की । दिनारा पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे हमेशा ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा को अपनी प्राथमिकता बनाएं । इसकी जानकारी पुलिस निरीक्षक विनय कुमार ने दी ।

कार्यकारी अध्यक्ष नीतीन नवीन को बधाई देते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद

निज संवाददाता। सासाराम / रोहतास

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल नारायण सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें उनके नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त करते हुए श्री सिंह ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन व आपके सशक्त नेतृत्व में पार्टी को नई ऊर्जा, अधिक मजबूती और नवीन गति प्राप्त होगी। कार्यकारी अध्यक्ष नीतीन नवीन को बधाई देते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा कि आपका कार्यकाल भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में एक प्रेरक, परिवर्तनकारी और स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित हो, यही मंगलकामना है।

डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, सेमरा के छात्रों ने नेशनल स्पोर्ट्स में रजत पदक जीतकर रचा इतिहास

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

हरिद्वार में आयोजित डी.ए.वी नेशनल स्पोर्ट्स मीट के अंतर्गत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, सेमरा के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम कर विद्यालय, जिला एवं राज्य का मान बढ़ाया है। प्रतियोगिता में छात्रों ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड टीम को पराजित कर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। कड़ी प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों के बीच डी.ए.वी सेमरा के खिलाड़ियों ने साहस, अनुशासन, खेल भावना और बेहतरीन टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले तक पहुँचकर रजत पदक जीतना खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

स्वर्ण पदक व रजत पदक जीतकर विद्यालय लौटने पर खिलाड़ियों का विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्रों ने तालियों और उत्साह के साथ विजेता खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। आज विजय जुलूस की शुरुआत विद्यालय के प्रांगण से की गई। नगर भ्रमण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी नगरपरिषद बिक्रमगंज एवं रजिस्टार बिक्रमगंज ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें जीत की बधाई दी।

विद्यालय की प्राचार्या प्रमिला सिंह ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि "राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। हमारे छात्रों ने अपने परिश्रम और अनुशासन से यह सिद्ध कर दिया है कि डी.ए.वी सेमरा के विद्यार्थी हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।"

इस सफलता में विद्यालय के शारीरिक शिक्षक नीरज कुमार का विशेष योगदान रहा, जिनके कुशल प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह मुकाम हासिल किया। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों में आदित्य सिंह, ऋतिक सिंह, सत्यम कुमार एवं आरुष कुमार,रवि कुमार, अंश कुमार, सुशांत कुमार एवं अनीश कुमार शामिल रहे, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और समर्पण से विद्यालय का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया।

काराकाट अंचल गार्ड महेंद्र प्रसाद की ड्यूटी पर हार्ट अटैक से आकस्मिक मौत, शोक की लहर

निज संवाददाता। काराकाट /रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट मुख्यालय में तैनात अंचल गार्ड सह गृह रक्षक महेंद्र प्रसाद की शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान सीने में तेज दर्द से आकस्मिक मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। नासरीगंज थाना क्षेत्र के जीना टोला निवासी गया शाह के पुत्र महेंद्र प्रसाद (उम्र अज्ञात) ड्यूटी पर थे, जब अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द शुरू हो गया। उनके बेटे दीपू कुमार को सूचना मिलते ही वे आनन-फानन में पिता को नासरीगंज के निजी अस्पताल ले गए। हालत बिगड़ने पर उन्हें काराकाट के सरकारी अस्पताल गोडारी में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर हालत नियंत्रित न कर सके और महेंद्र प्रसाद ने सभी को अलविदा कह दिया।

काराकाट अंचल मुख्यालय पर सीनियर जिला कमांडेंट सह जिला फायर ऑफिसर अनिल कुमार वर्मा अपने दल-बल के साथ पहुंचे। उन्होंने महेंद्र प्रसाद के शव पर फूलमाला अर्पित कर गृह रक्षकों के बीच सलामी दी। अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि सरकारी नियमों के अनुसार आकस्मिक मौत पर आश्रितों को 15 हजार रुपये तुरंत और 4 लाख रुपये 6 माह के अंदर दिए जाते हैं। महेंद्र प्रसाद के दो पुत्र दीपू कुमार और पंकज कुमार (दिव्यांग) तथा एक पुत्री हैं। दोनों पुत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। एक पुत्र और पुत्री की शादी हो चुकी है। दीपू कुमार ने बताया, "कल ड्यूटी के दौरान फोन आया कि पिताजी को सीने में दर्द हो गया। हम आनन-फानन में निजी अस्पताल ले गए, लेकिन तबीयत बिगड़ने से वे नहीं रहे।" उनके चचेरे भाई व इटिमहा पंचायत के सरपंच अजय प्रसाद ने कहा, "दो दिन पहले वे बिल्कुल ठीक थे। अचानक सीने में दर्द हुआ और हार्ट अटैक से मौत हो गई।" अंचल मुख्यालय पर अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार, बीडीओ राहुल कुमार सिंह, स्थानीय पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने भावपूर्ण मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ने आंख ऑपरेशन हेतु 12 लोगों को भेजा पटना

निज संवाददाता। राजपुर

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से शनिवार को क्षेत्र के 12 लोगों को आंख ऑपरेशन के लिए पटना अस्पताल भेजा गया. जानकारी देते हुए स्वास्थ्य प्रबंधक संदीप कुमार एवं कोआर्डिनेटर विकास कुमार ने बताया कि हर सप्ताह अस्पताल द्वारा मुफ्त एम्बुलेंस सेवा से ऑख ऑपरेशन के लिए लोगों को भेजा जा रहा है.शनिवार को अमाडी के बीरेन्द्र कुमार सिंह,रोतवा की उर्मिला देवी,अनगराहित राम,हब्बुपुर के केशव सिंह,परसिया के रिंकू पासवान, बिशुनपुर के माया कुअंर, मथुरापुर के राममोहन सिंह,राजपुर के पार्वती देवी,जलालुदीन अंसारी,पकड़ी के बसंती देवी,मुनी देवी,सत्य नारायण तिवारी को ऑख ऑपरेशन हेतु भेजा गया. उन्होंने कहा कि एसजी आई अस्पताल पटना के इस सेवा से अब तक काफी लोग लाभान्वित हुए हैं.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बैठकर ऑपरेशन के लिए रजिस्टर कर रहे अस्पताल के वीटी अंकित कुमार ने बताया कि नेत्र सहायक मनीष कुमार व उनके टीम द्वारा अति आधुनिक मशीन से जांच करके फेको विधि मशीन द्वारा ऑपरेशन कार्य को अंजाम दिया जाता है.जिससे ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को काला चश्मा एवं ऑखों पर पट्टी बांधने की जरूरत नहीं पड़ती.ऑपरेशन के तुरंत बाद हीं मरीज बिल्कुल नार्मल तरीके से अपने आप को कम्फ्लीट पाता है. मौके पर सीएचओ एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी, कर्मी नवीन गौतम, बडा बाबु मनोज कुमार, सुनिता कुमारी, धीरज कुमार, सुरक्षा कर्मी मुन्ना पाण्डेय, प्रकाश तिवारी,बिनोद यादव समेत अन्य मौजूद रहे.

दो पक्षों में हिंसक भिड़ंत, पुलिस की सख्त कार्रवाई

मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार, सीधे जेल

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

करगहर थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुई हिंसक मारपीट की घटना में पुलिस ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला करगहर थाना कांड संख्या–14/26 के तहत दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रमोद राम (41 वर्ष), पिता बिगाऊ राम, निवासी ग्राम जोगवलिया, थाना करगहर, जिला रोहतास है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

घटना के संबंध में थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ईएसआईसी ने स्कूल संचालकों को किया जागरूक

निज संवाददाता। बिक्रमगंज /रोहतास

प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में स्कूल संचालकों और संस्थान प्रमुखों को सरकार द्वारा लाई गई कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।सेमिनार में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के शाखा प्रबंधक/सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रवीण किशोर मुख्य रूप से उपस्थित थे।अध्यक्षता प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मो.अय्यूब खान ने की।

सेमिनार में बताया गया कि सभी स्कूल, संस्थान, क्लिनिक, अस्पताल, दुकानें और फैक्टरियां जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वे वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट 1923 और मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के अंतर्गत आते हैं।इन अधिनियमों के तहत दुर्घटना,मृत्यु अथवा प्रसव जैसी स्थितियों में कर्मचारियों को कानूनी सुरक्षा मिलती है।

प्रवीण किशोर ने बताया कि अगर ऐसे संस्थानों ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआई) में पंजीकरण नहीं कराया है, तो अचानक आने वाली वित्तीय देनदारियों का भार संस्थान प्रमुखों को स्वयं उठाना पड़ सकता है। ईएसआईसी योजना में शामिल होकर न केवल इन कानूनी दायित्वों से राहत मिलती है, बल्कि कर्मचारियों को भी चिकित्सा सहित अनेक सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलते हैं।

पंजीकरण न कराने पर जुर्मानाः सेमिनार में यह भी बताया गया कि कई स्कूल और संस्थान ऐसे हैं जो वर्षों से ईएसआईसी में पंजीकरण कराने के लिए पात्र हैं, फिर भी उन्होंने पंजीकरण नहीं कराया। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर संस्थानों को वर्षों के अंशदान, ब्याज व हर्जाने का भुगतान करना पड़ता है, जिससे बचने के लिए कई संचालक पंजीकरण से भी बचते हैं।

स्त्री 2025 योजना एक सुनहरा अवसरः कार्यक्रम में भारत सरकार की नई योजना 'स्त्री 2025' के बारे में भी जानकारी दी गई। इस योजना के तहत 31 जनवरी 2026 तक अगर कोई संस्थान या नियोक्ता पंजीकरण कराता है तो उसके पुराने रिकॉर्ड की जांच नहीं की जाएगी।

♦ स्त्री 2025 योजना का लाभ लेने की अपील, मातृत्व लाभ अधिनियमों की जानकारी दी

संक्षिप्त समाचार

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ भोपतपुर उत्तरी का पैक्स चुनाव, पुलिस की रही तैनाती

कोटवा। प्रखंड के भोपतपुर बझीया पंचायत में पैक्स चुनाव शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हो गया। मतदान प्रक्रिया शनिवार को निर्धारित समय पर प्रारंभ हुई और शाम तक बिना किसी व्यवधान के चली। चुनाव के दौरान मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लिया। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती रही, वहीं सेक्टर पदाधिकारी एवं अन्य चुनाव कर्मी लगातार निगरानी करते रहे।किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जिससे चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। निर्वाचन पदाधिकारियों सह बीडीओ चिरंजीवी पाण्डेय ने बताया कि मतदान प्रतिशत संतोषजनक रहा। मतदान समाप्ति के बाद मतपेटियों को सील कर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया। चुनाव के सफल आयोजन पर प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।भोपतपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था।शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हो गया है।

विराट शिवलिंग स्थापना पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

केसरिया। कैथवलिया में विराट शिवलिंग की स्थापना के दर्शन के लिए क्षेत्र में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही हर प्रमुख सड़क पर भक्तों की भीड़ दिखाई दी। मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंगे रहे। दूर-दराज से आए श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते नजर आए। मंदिर परिसर में शिवलिंग स्थापना स्थल के पास रखे गए बालू पर श्रद्धालु श्रद्धा भाव से खड़े होकर शिवलिंग की एक झलक पाने का प्रयास करते दिखे। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा सीमित दायरे में ही लोगों को प्रवेश की अनुमति दी गई। श्रद्धालु करीब पांच किलोमीटर तक पैदल चलकर मंदिर पहुंचे। राजपुर चौक से आगे वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी, जिसके कारण श्रद्धालुओं को पैदल ही दर्शन के लिए जाना पड़ा। बावजूद इसके लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी भक्ति भाव से पैदल यात्रा करते नजर आए। राजपुर चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास वाहनों का पड़ाव स्थल बनाया गया था। जहां केसरिया, साहेबगंज व कोटवा की तरफ से आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा थी। पूरे क्षेत्र में शिवमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। विराट शिवलिंग की स्थापना को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

जर्जर भवन के अवशेषों की हुई नीलामी

बगहा। बगहा दो स्थित प्लस टू सहकारिता प्रोजेक्ट बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पटखौली परिसर में शनिवार को ध्वस्त किए गए पुराने जर्जर भवन के अवशेषों की निविदा प्रक्रिया संपन्न कराई गई। विद्यालय प्रबंधन समिति की निगरानी में आयोजित इस प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी रखा गया।नीलामी की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह बगहा विधायक राम सिंह ने की। मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बगहा दो फुदन राम, विद्यालय के प्राचार्य सह सचिव नागेंद्र प्रसाद सिंह सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, निविदा की न्यूनतम राशि 30 हजार रुपये निर्धारित थी। बोली के दौरान श्रेयांशु कुमार ने 31 हजार रुपये की बोली लगाई, जबकि विकास बारी ने 32 हजार रुपये की सबसे अधिक बोली लगाकर जर्जर भवन के अवशेषों का टेंडर अपने नाम किया।टेंडर स्वीकृत होने के बाद प्राचार्य नागेंद्र प्रसाद सिंह ने संवेदक को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर विद्यालय परिसर से सभी अवशेष सामग्री हटाना होगा। इससे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत्य कुमार लाला, ऋतु जायसवाल, विजय साहू, अमरेश श्रीवास्तव सहित विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं और शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

बखरी अनुमंडल का गौरव बना उत्क्रमित मध्य विद्यालय अहमदपुर, विकास योजनाओं पर खरा उतरता संस्थान

बेगूसराय। बखरी अनुमंडल के ग्राम पंचायत राज घाघरा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अहमदपुर आज क्षेत्र का गौरव बनकर उभर रहा है। बिहार सरकार की विकास योजनाओं के अनुरूप यह विद्यालय न केवल शैक्षणिक गतिविधियों में आगे बढ़ रहा है, बल्कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी सुदृढ़ रूप से प्रदान कर रहा है। विद्यालय में कार्यरत शिक्षक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में जुटे हैं। पठन-पाठन का माहौल अनुशासित और प्रेरणादायी है, जिससे बच्चों में सीखने की रुचि लगातार बढ़ रही है।हालांकि, विद्यालय को शिक्षकों की कमी और कुछ आवश्यक संसाधनों के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये कमियां यदि दूर की जाएं तो विद्यालय और भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र में मिसाल बन सकता है विद्यालय का इतिहास गौरवशाली रहा है और उसे बनाए रखने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यदि माननीय मुख्यमंत्री का आगमन आज इस विद्यालय में होता है, तो यहां अध्ययनरत बच्चों और उनके माता-पिता के लिए यह अत्यंत गौरव और सम्मान का क्षण होगा। इससे न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि विद्यालय के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। स्थानीय लोगों और अभिभावकों को उम्मीद है कि सरकार द्वारा आवश्यक संसाधन और शिक्षक उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि उत्क्रमित मध्य विद्यालय अहमदपुर शिक्षा के क्षेत्र में और ऊंचाइयों को छू सके।

नक्सल बेल्ट बांकेबाजार में आधी रात 'सुपर कॉप' की एंट्री

गया एसएसपी सुशील कुमार के औचक निरीक्षण से पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

निज संवाददाता। इमामगंज

गया जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बांकेबाजार में शुक्रवार की मध्य रात्रि उस वक्त पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, जब गयाजी के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील कुमार अचानक बांकेबाजार थाना पहुंच गए। बिना किसी पूर्व सूचना हुए इस औचक निरीक्षण ने साफ संकेत दे दिया कि नक्सल प्रभावित इलाकों में अब लापरवाही नहीं, बल्कि सख्त निगरानी और जवाबदेही का दौर चलेगा। इस कार्रवाई की चर्चा जिले से निकलकर अब पूरे बिहार में हो रही है। वहीं मध्य रात्रि में हुए इस निरीक्षण के दौरान एसएसपी सुशील कुमार ने थाना परिसर, अभिलेखों, लंबित कांडों की प्रगति, रात्रि ड्यूटी की स्थिति, मालखाना व्यवस्था तथा पुलिसकर्मियों की उपस्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने थाना में पदस्थापित सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि कांडों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। साथ ही फरार एवं वांछित अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी, नक्सली एवं असामाजिक तत्वों की संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर, मजबूत आसूचना तंत्र और प्रभावी रात्रि पेट्रोलिंग को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने दो टूक शब्दों में कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जरा-सी भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता और तत्परता के साथ करने की सख्त हिदायत दी।

इस संबंध में एसएसपी सुशील कुमार ने कहा कि अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस को और अधिक सतर्क, सक्रिय और जिम्मेदार रहने की जरूरत है। प्रत्येक पदाधिकारी को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करना होगा। इधर एसएसपी के द्वारा इस औचक निरीक्षण से न सिर्फ पुलिस महकमे में अनुशासन और सक्रियता का स्पष्ट संदेश गया है, बल्कि आम लोगों में भी सुरक्षा को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। स्थानीय लोगों का मानना है कि एसएसपी के इस कदम से एक ओर अपराधियों में भय का माहौल बनेगा, वहीं दूसरी ओर पुलिसकर्मियों में जिम्मेदारी और जवाबदेही की भावना और प्रबल होगी।

बाराचट्टी में तेज रफ्तार ट्रक ने दो महिलाओं को कुचला,मौत

ट्रक ड्राइवर और खलासी गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता। बाराचट्टी, गयाजी

गयाजी के बाराचट्टी थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम सड़क हादसे ने दहशत फैला दी। एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने सड़क किनारे बैठी दो महिलाओं को कुचल दिया। हादसे में दोनों महिलाएं घटनास्थल पर ही दम तोड़ गईं। वहीं, ट्रक का ड्राइवर और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए बाराचट्टी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक झारखंड की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा था। इस दौरान हाईवे पर चल रहे एक डंपर (हाइवा) को बचाने के प्रयास में ट्रक का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। परिणामस्वरूप ट्रक हाईवे से उतरकर सर्विस लेन में घुस गया और सड़क किनारे बैठी दो महिलाओं के ऊपर चढ़ गया।

घटनास्थल पर ही दोनों महिलाओं की मौत हो गई। लेकिन ट्रक का सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ। बेकाबू ट्रक दोबारा हाईवे पर निकलते हुए दूसरी ओर बने एक घर से टकरा गया। टक्कर के कारण घर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। हादसे में ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे खलासी ट्रक के अंदर फंस गया। सूचना मिलते ही बाराचट्टी थाना पुलिस और जेसीबी मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद ट्रक में फंसे खलासी को बाहर निकाला गया और उसे अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों मृत महिलाओं के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्थानांतरण पर सहायक शिक्षिका को विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

निज संवाददाता। केसरिया

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नयागांव की सहायक शिक्षिका किरण कुमारी का अपने गृह जिला गया में स्थानांतरण होने पर शनिवार को विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एक सादे लेकिन भावपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार सिंह, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विनायक बैठा सहित अन्य शिक्षकों ने किरण कुमारी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ अनुशासन और छात्रहित में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सम्मान समारोह में शिक्षक शशि शेखर सिंह, प्रभात कुमार, मनीष कुमार, चंद्रशेखर कुमार, अनुपम कुमारी, रोशन कुमार, निर्भय कुमार समेत कई शिक्षक व कर्मी उपस्थित थे। विद्यालय परिवार ने भावभीनी विदाई देते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी।

एक्स बॉयफ्रेंड ने किया गर्लफ्रेंड के प्रेमी का मर्डर

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में इंटर के छात्र अंशु कुमार(23) की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्याकांड में शामिल पिता और बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अंशु का शव प्लास्टिक के बोरे में शव मिला था। आरोपियों की पहचान कोयल बिगहा निवासी सवेरा कुमार और उसके पिता सुबोध कुमार उर्फ कारू पासवान के तौर पर हुई है। शुरुआती जांच में मामला पैसे के लेनदेन का लग रहा था, लेकिन पुलिस की सख्ती के बाद लव ट्राएंगल की बात सामने आई।

सवेरा की एक्स दो दिल दे बैठा था अंशु: सवेरा का काजल नाम की लड़की से 3 साल से अफेयर था। किसी बात को लेकर दोनों का ब्रेकअप हो गया था। लड़की अंशु के दोस्त की बहन थी। ब्रेकअप के बाद उस लड़की की नजदीकी अंशु से बढ़ गई, जिससे सवेरा नाराज था। इसी बात को लेकर करीब 4-5 पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। 12 जनवरी को सवेरा ने अंशु को फोन कर थरथरी बाजार स्थित अपने बंद पड़े घर पर बुलाया। शाम करीब 3 बजे पिता और बेटे ने पहले अंशु का गला दबाया। जब उन्हें लगा कि वह अभी जिंदा है, तो उन्होंने कुदाल से सिर पर वार किया। फिर हेक्सा ब्लेड-धारदार हथियार (हसुली) से उसकी गर्दन रेत दी। इसके बाद शव को बोरे में पैक कर देर रात खेत में फेंक दिया। वारदात के बाद आरोपी सवेरा अपना मोबाइल बंद कर फरार हो गया था। पुलिस ने जब उसके पिता सुबोध से पूछताछ की, तो वह बार-बार बयान बदल रहा था। जिससे पुलिस का शक गहरा गया। तकनीकी साक्ष्य और कड़ाई से पूछताछ के बाद जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कुदाल, धारदार हथियार और मृतक का मोबाइल भी बरामद कर लिया है। शव मिलने के बाद मृतक के चाचा मुरारी प्रसाद ने बताया था कि रविवार दोपहर 3 बजे अंशु घर से निकला था। इसके बाद से 4-5 बजे के करीब उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। शाम को जब 5 बजे तक अंशु घर नहीं लौटा तो परिजन परेशान हो गए। इसके बाद डायल 112 पुलिस को कॉल किया गया। पुलिस घर पहुंची और अंशु के बारे में जानकारी लेने के बाद उसकी तस्वीर भी ली। सोमवार सुबह करीब 9 बजे परिवार के लोग फिर थाना पहुंचे और अंशु के बारे में जानकारी ली। करीब एक घंटे बाद यानी सुबह 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि थरथरी बाजार के रहने वाले दुखी केवट के घर के पीछे से खेत में एक बंद बोरा मिला है, जिसमें खून लगा है। पुलिस टीम परिवार के साथ मौके पर पहुंची और बोरा खोलकर देखी तो उसके अंदर अंशु का शव पड़ा हुआ था। जिसका गला रेत हत्या किया हुआ था।

मीरगंज गांव की परंपरागत खिचड़ी भोज में उमड़ा जनसैलाब, कई विधायकों ने की सहभागिता

निज संवाददाता। वजीरगंज, गयाजी

वजीरगंज प्रखंड के मीरगंज गांव की पहचान बन चुका पारंपरिक खिचड़ी भोज एक बार फिर सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। कई पीढ़ियों से चली आ रही इस अनूठी परंपरा का आयोजन बीते शुक्रवार से गांव में शुरू हुआ, जो शनिवार को भव्य रूप ले चुका था। इस अवसर पर ग्रामीणों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों की बड़ी भीड़ उमड़ी। शनिवार को नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अमर शंकर उर्फ काका सिंह के नेतृत्व में खिचड़ी भोज का वृहद आयोजन किया गया, जिसमें वजीरगंज विधायक वीरेन्द्र सिंह, टिकारी के पूर्व विधायक अनिल सिंह और अतरी विधायक रोमित कुमार विशेष रूप से शामिल हुए। इनके अलावा सैकड़ों गणमान्य लोग तथा हजारों की संख्या में महिला-पुरुषों ने एक साथ बैठकर सहभोज का आनंद लिया। आयोजन स्थल पर दिनभर चहल-पहल बनी रही और गांव उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

इस खिचड़ी भोज की खास बात यह रही कि इसमें जाति, वर्ग या सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी लोग एक पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यही इस परंपरा की सबसे बड़ी पहचान है, जिसने गांव को एकता के सूत्र में बांध रखा है। यहां तैयार की जाने वाली खिचड़ी भी अपनी विशेष विधि के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। देसी घी, बासमती चावल और विभिन्न दालों के मिश्रण से बनी खिचड़ी में सूखे मेवों का प्रयोग किया जाता है। इसके साथ दही, पापड़, घी, चटनी, चोखा, पकौड़ी और अचार जैसी अनेक पारंपरिक चीजें परोसी जाती हैं, जो भोज का स्वाद और आकर्षण दोनों बढ़ा देती हैं। ग्रामीण मनीष कुमार, साकेत कुमार, राजेश कुमार, कुमार श्याम कन्हैया, पवन कुमार, ललन कुमार, धनंजय पांडेय, विपिन सिंह और भोली सिंह सहित अन्य लोगों ने बताया कि यह परंपरा उन्हें विरासत में मिली है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आने से युवक की मौत

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के इमामगंज प्रखंड के कुशेश्वर पंचायत अंतर्गत मसान थान के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इसमें बरहित गांव निवासी लवकुश पासवान की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई, वहीं मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

मसान थान से नदी किनारे तक विधायक निधि से सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। निर्माण एजेंसी द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से सड़क निर्माण सामग्री ढोई जा रही थी। इसी दौरान सड़क पर मौजूद लवकुश पासवान ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। उन्हें गंभीर चोटें आईं और रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक के चाचा राहुल पासवान ने बताया कि लवकुश बेहद मेहनती युवक थे और परिवार का भरण-पोषण उसी के कंधों पर निर्भर था। उनके दो छोटे बच्चे अब पिता के साये से हमेशा के लिए वंचित हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। इमामगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना इमामगंज में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली और सड़क निर्माण कार्य से जुड़े सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बेलागंज में जनता दरबार आयोजित, 9 मामलों का मौके पर निपटारा

निज संवाददाता। बेलागंज, गयाजी

गया जिले के बेलागंज प्रखंड स्थित अंचल कार्यालय में शनिवार को भूमि विवादों के निपटारे के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड के विभिन्न गांवों से फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जनता दरबार में कुल 12 मामले आए। अंचलाधिकारी गजानन मेहता की मौजूदगी में 9 मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष 3 मामलों को आगे की जांच के लिए भेजा गया। इस अवसर पर कर्मचारी मोहम्मद सद्दाम सहित अन्य कई पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। हालांकि, जनता दरबार में भूमि सुधार मंत्री के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। मंत्री ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जनता दरबार में संबंधित थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस बार किसी भी थाना क्षेत्र के पुलिस पदाधिकारी उपस्थित नहीं थे, जिससे आयोजकों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने में कठिनाई हुई।

अपने हक और अधिकार की लड़ाई में शिक्षा सबसे मजबूत हथियार : अनिल नंदवंशी

निज संवाददाता। वजीरगंज, गयाजी

वजीरगंज प्रखंड में भारत रत्न, पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। नंदवंशी (नाई) चेतना मंच के बैनर तले यह आयोजन आगामी 27 जनवरी को वजीरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। इसी को लेकर शनिवार को नगर पंचायत क्षेत्र के मौलानगर स्थित प्रदीप आरोग्य क्लीनिक में मंच की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष मनोज नंदवंशी उर्फ विद्यासागर ने की। बैठक को संबोधित करते हुए मंच के जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार नंदवंशी ने कहा कि आज़ादी के बाद से अब तक नाई समाज की स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि समाज न तो सामाजिक रूप से आगे बढ़ पाया है और न ही राजनीतिक सत्ता में उसकी कोई प्रभावी भागीदारी बन सकी है, जिसके कारण समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी निम्नस्तरीय जीवन जीने को मजबूर है। अनिल नंदवंशी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नाई समाज के उत्थान का एकमात्र रास्ता शिक्षा है। जब तक समाज शिक्षित होकर सत्ता और नीति निर्माण की प्रक्रिया में भागीदारी नहीं करेगा, तब तक अधिकारों की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि बिहार में नाई समाज की आबादी 25 लाख से अधिक है, लेकिन इसके बावजूद राजनीतिक प्रतिनिधित्व लगभग शून्य है। यह स्थिति तभी बदलेगी, जब समाज के लोग संगठित होकर शिक्षा को प्राथमिकता देंगे और अपने अधिकारों के लिए जागरूक बनेंगे। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती केवल एक समारोह नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और आत्ममंथन का अवसर है। अनिल नंदवंशी ने जानकारी दी कि 27 जनवरी को आयोजित जयंती समारोह में वजीरगंज प्रखंड की सभी पंचायतों के सैकड़ों गांवों से नाई समाज के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इसके लिए जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया गया है और गांव-गांव जाकर लोगों को आयोजन से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। बैठक में मंच के जिला उपाध्यक्ष मिथलेश नंदवंशी सहित प्रखंड और पंचायत स्तर के अध्यक्ष एवं सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद पुलिस ने ठगी के आरोपी को पकड़ा

मुंगेर। हैदराबाद पुलिस ने हवेली खडगपुर पुलिस के सहयोग से शुक्रवार को कंटिया बाजार मोहल्ला में छापेमारी कर साइबर ठगी मामले में एक युवक को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक हैदराबाद साइबर थाना पुलिस शुक्रवार की शाम हवेली खड़गपुर पहुंची। साइबर ठगी से संबंधित सारी जानकारियां खड़गपुर पुलिस को दी। उपरांत खड़गपुर पुलिस के सहयोग से नगर के कंटिया बाजार मोहल्ला स्थित एक दुकान के समीप से युवक को हिरासत में लिया गया। हवेली खड़गपुर थाना लाकर हैदराबाद साइबर पुलिस हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ कर रही है। हवेली खड़गपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि ठगी के मामले में युवक को हिरासत में लेकर हैदराबाद पुलिस पूछताछ कर रही है।

बैडमिंटन खिलाड़ियों को अब डीजे कॉलेज में प्रशिक्षण

मुंगेर। मुंगेर जिला खेल प्रतिभा के मामले में कभी पीछे नहीं रहा है। विभिन्न खेल विद्याओं में यहां के खिलाड़ियों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में अब मुंगेर जिला मुख्यालय में शाइन स्टार बैडमिंटन एकेडमी की शुरुआत होने से इस खेल विद्या को भी नई दिशा और ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। उक्त बातें जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने आरडी एंड डीजे कॉलेज परिसर में नवनिर्मित बैडमिंटन सेंटर के उद्घाटन अवसर पर कहीं। जिलाधिकारी ने कहा कि अब जिलेवासियों को बैडमिंटन खेलने और प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इस अत्याधुनिक बैडमिंटन सेंटर से जिले के खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी प्रतिभा और निखरेगी। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील करते हुए कहा कि वे इस सेंटर का भरपूर लाभ उठाएं और अपने खेल कौशल का बेहतर प्रदर्शन करें। लक्ष्य ऐसा रखें कि जिला स्तर से निकलकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतें और अपने साथ-साथ मुंगेर का नाम भी रोशन करें। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री की "मेडल लाओ, नौकरी पाओ" योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही हैं, जिससे खिलाड़ियों को सम्मान के साथ रोजगार भी मिल रहा है। कार्यक्रम में मौजूद महापौर कुमकुम देवी ने भी बैडमिंटन एकेडमी की शुरुआत को जिले के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया और खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उद्घाटन अवसर पर सेंटर के अधिकारी, खेल प्रेमी और खिलाड़ी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह पर किया पौधरोपण

मुंगेर। राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अवसर पर आरडी एंड डीजे कॉलेज, मुंगेर की एनएसएस इकाई की ओर से शुक्रवार को कॉलेज कैंपस में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसएस कैलेंडर 2025-26 के अनुसार 12 से 19 जनवरी तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय युवा सप्ताह के तहत पूरे सप्ताह विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता, रक्तदान, हेल्थ चेकअप कैंप और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। पौधारोपण से पहले कॉलेज के प्राचार्य प्रो. बिजेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एनएसएस के प्रत्येक स्वयंसेवक को मैनुअल के अनुसार वर्ष में कम से कम 30 घंटे का सामाजिक कार्य कैंपस में करना अनिवार्य है। कार्यक्रम में समन्वयक प्रो. मुनींद्र कुमार सिंह, वीरेंद्र ठाकुर, डॉ. अनीस अहमद, डॉ. सौरभ यशस्वी, डॉ. प्रभाकर पोद्दार तथा कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवक मिथुन कुमार, रूही कुमारी, अनुष्का कुमारी सहित दर्जनों छात्रों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जीजा से अफेयर में पत्नी ने कराई पति की हत्या

बेगूसराय। 'मेरा बेटा मेहनत मजदूरी कर परिवार चलाता था, पहले तो धोखा में लेकर पिछले महीने उसका पकड़ौआ विवाह कर दिया। बहू को घर पहुंचा दिया तो हमने रख लिया। शादी के ठीक एक महीने बाद मेरा बेटा पहली बार पत्नी को लेकर ससुराल गया था। वह वहां से घर आना चाहता था, इससे पहले ही साजिश के तहत 14 जनवरी की रात बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अब हम तो बर्बाद हो गए, हमारे पास कुछ नहीं बचा।' ये बातें बेगूसराय के डंडारी गांव के रहने वाले बिंदेश्वरी यादव की पत्नी अनार देवी ने कही। अनार देवी के 22 साल के बेटे टोनिश यादव की हत्या उसके ससुराल खगड़िया जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मथार जंगली टोला में कर दी गई। परिजन के खगड़िया पहुंचने के बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव को उन्हें सौंप दिया।। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें टोनिश की पत्नी इंदु देवी, साली खुशबू देवी, सास रेणु देवी और ससुर अमीन यादव शामिल है।

लाठी-डंडे से पीटकर शख्स की हत्या

बेगूसराय। बेगूसराय जिले में एक हजार रुपए के विवाद में एक शख्स की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मृतक की पहचान राम प्रवेश यादव(50) के तौर हुई है। शनिवार देर रात शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना गढ़पुरा थाना क्षेत्र के मणिकपुर गांव की है। मृतक के बड़े भाई पवन कुमार ने बताया कि राम प्रवेश यादव के छोटे बेटे सुबोध कुमार ने गांव के ही मदन मोहन यादव से एक हजार रुपए उधार लिया था। इसी को लेकर विवाद था। 12जनवरी की सुबह मेरा भाई मवेशियों को देखने मध्य विद्यालयमनिकपुर के पास स्थित डेरा जा रहे थे। इस दौरान मदन मोहन और उसकी मां अनिता देवी ने उन्हें रोक लिया। भाई ने घर से पैसा लाकर देने की बात कही। इसके बाद भी आरोपियों ने जाने नहीं दिया। गाली-गलौज शुरू कर दी। बेटे को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। इस दौरान दोनों पक्ष में बहस हो गई। विवाद मारपीट तक पहुंच गया।

सिर पर मारा था, लगातार हालत बिगड़ रही थी: भाई ने आगे कहा कि मदन मोहन ने लाठी से राम प्रवेश के सिर पर जोरदार प्रहार किया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। हल्ला सुनकर भाई को बचाने आए छोटे भाई राम दर्शन यादव पर भी आरोपियों ने हमला किया, जिससे उनके कान के ऊपरी हिस्से में गंभीर चोटें आईं। जानकारी मिलने पर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो चुके थे। घायल राम प्रवेश को तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों के मुताबिक, हमले के बाद से ही उनकी स्थिति काफी नाजुक बनी हुई थी और स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हो रहा था। इलाज के दौरान शुक्रवार को दम तोड़ दिया।

रुपए को लेकर हुआ था विवाद: ग्रामीणों के अनुसार रामप्रवेश के बेटे सुबोध कुमार ने गांव के ही मदन मोहन से करीब 3 साल पहले 1000 रुपया लिया था। जिसकी जानकारी रामप्रवेश को नहीं थी। कुछ दिन पहले रामप्रवेश को जानकारी हुई वह पैसा लौटाने के लिए तैयार हुआ। लेकिन मदन मोहन सूद मांग रहा था। इस पर रामप्रवेश ने कहा था कि बेटे ने 1000 रुपया लिया हम 2000 सूद सहित 3000 दे रहे हैं, ले लो। लेकिन आरोपी मदन 10 प्रति सैकड़ा सूद के हिसाब से पैसा मांग रहा था और उसी को लेकर विवाद बढ़ा।

पटना में नीट छात्रा की मौत पर बेगूसराय में गुस्सा

बेगूसराय। पटना में नीट की स्टूडेंट के साथ हुई रेप की घटना के विरोध में आज बेगूसराय में एआईएसएफ की ओर से प्रतिरोध मार्च निकाला गया। कार्यानंद भवन में हुई बैठक में किए गए निर्णय के बाद पटना में नीट की छात्रा के साथ घटी रेप की घटना का विरोध हुआ। इसमें ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन ने पटेल चौक स्थित अपने जिला कार्यालय से जुलूस निकाला। जीडी कॉलेज तक मार्च किया। प्रतिरोध सभा को संबोधित करते हुए एआईएसएफ के राष्ट्रीय सचिव अमीन हमजा ने कहा कि पटना में नीट की तैयारी कर रही स्टूडेंट के साथ पहले रेप होता है। उसके बाद रेपिस्ट को बचाने के नीयत से पुलिस ने रेप की घटना को गलत बताकर गलत रिपोर्ट पेश किया। सिर्फ उस रेपिस्ट कुकर्मी को संरक्षित करना ही नहीं, बल्कि पुलिस के कार्यशैली पर भी बहुत बड़ा सवाल है। घटना से बिहार भर से पटना में पढ़ाई कर रही छात्राओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सरकार को बिहार की छात्रा और महिलाओं की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। लगातार बिहार के अंदर महिला उत्पीड़न बढ़ रहा है।

अब सीधे अधिकारी से कर सकेंगे शिकायत

♦ भागलपुर में डीएम बोले- जनता-प्रशासन के बीच की दूरी खत्म होगी, बिचौलिए की जरूरत नहीं

निज संवाददाता। भागलपुर

सरकार की सात निश्चय–3 योजना के तहत "सबका सम्मान, जीवन आसान" अभियान भागलपुर में चलाया जा रहा है। आम जनता की रोजमर्रा की समस्याओं को बिना झंझट हल करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत अब हर सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को ग्राम पंचायत से लेकर जिला और प्रमंडल स्तर तक के सभी सरकारी कार्यालयों में लोग सीधे अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इसको लेकर भागलपुर के समीक्षा भवन में जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

दूरी को खत्म करना उद्देश्य: जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच की दूरी को खत्म करना है। अब शिकायतकर्ता को न तो किसी वकील की जरूरत होगी और न ही किसी बिचौलिए की। अधिकारी और शिकायतकर्ता आमने-सामने बैठकर समस्या को समझेंगे और मौके पर ही समाधान की दिशा में कार्रवाई करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि यह व्यवस्था सभी विभागों में लागू होगी, ताकि लोगों को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जिले में किसानों की रजिस्ट्री अनिवार्य की गई है और उसका सत्यापन काम तेजी से किया जा रहा है, जिससे सरकारी योजनाओं का फायदा सही किसानों तक पहुंच सके।

पूरे बिहार में साइबर थाना बनाया: वपुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने साइबर अपराध को लेकर प्रशासन की तैयारी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पूरे बिहार में साइबर थाना की स्थापना की गई है। इन थानों में तकनीकी रूप से दक्ष डीएसपी स्तर के अधिकारी तैनात किए गए हैं। साथ ही सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोगों को साइबर ठगी से बचाव के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। एसएसपी ने आम लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेन-देन की तुरंत सूचना साइबर थाना या नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें। प्रशासन की इस पहल से लोगों को त्वरित न्याय, पारदर्शी व्यवस्था और आसान समाधान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सात निश्चय–3 के तहत यह कदम प्रशासन को जनता के और करीब लाने वाला माना जा रहा है।

कुख्यात अपराधी मृत्युंजय यादव गिरफ्तार

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर पुलिस ने कुख्यात अपराधी मृत्युंजय यादव को हथियार और मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। एक देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, दो मोबाइल, 2260 रुपए कैश और 14 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। बरामद सभी सामग्री को जब्त कर लिया गया है। सिटी एसपी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक को मृत्युंजय यादव के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, वह अवैध हथियार और मादक पदार्थ के साथ सुलतानगंज थाना क्षेत्र में सक्रिय था। इसके बाद स्थानीय पुलिस को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया गया। निर्देश मिलने पर एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने कोलागामा बगीचा में छापेमारी कर मृत्युंजय यादव को गिरफ्तार किया।

हत्या, आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज: पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मृत्युंजय यादव एक पेशेवर अपराधी है। सुल्तानगंज थाना में उसके खिलाफ कांड संख्या 700/23 सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट जैसी धाराएं शामिल है।

प्रेम-प्रसंग को लेकर हिंसक झड़प

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के बेलसीरा गांव में प्रेम-प्रसंग को लेकर शुक्रवार देर रात हिंसक झड़प हुई। लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के के गांव में घुसकर दो दर्जन से अधिक लोगों के साथ मारपीट की और तोड़फोड़ की। आरोप है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भी निशाना बनाया गया। सूचना मिलते ही 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना कजरैली थाना क्षेत्र की है।

लड़की फोन करने से मना करने पर धमकी देती थी: जानकारी के अनुसार हरिजन टोला के निजी कोचिंग संचालक मनीष कुमार और एक लड़की की फोन पर बात होती थी। इस बात से लड़की के परिजन नाराज थे। लड़के के गांव में घुसकर जमकर हंगामा किया। मनीष के भाई रवि कुमार ने बताया कि घर में खाना खाकर बैठे थे। तभी कुछ लोग आए और उन पर हमला कर दिया। अपनी भाभी और बच्चों को किसी तरह छत पर ले जाकर जान बचाई। मनीष पर बात करने का लड़की दबाव बनाती थी। मना करने पर आत्मघाती कदम उठाने की धमकी देती थी। ग्रामीण राजेश दास ने बताया कि उनके घर पर तिलक उत्सव के लिए मेहमान आए हुए थे। मेहमानों की खातिरदारी में लगे थे, तभी हमलावर आए और मेहमानों सहित घर की महिलाओं, पुरुषों के साथ मारपीट करने लगे। हमलावरों के पास हथियार, लाठी-डंडे और चाकू थे।

लिखित शिकायत के आधार पर कार्रवाई: वहीं, इस संबंध में कजरैली थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि लिखित शिकायत मिली है। लड़की से बातचीत करने को लेकर एक पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के गांव मे घुसकर मारपीट की घटना को अंजाम देने की बात सामने आई है। मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तिलकामांझी विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक में हुआ हंगामा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर तिलकामांझी विश्वविद्यालय में आज सीनेट की बैठक हुई। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। अलग-अलग मांगों को लेकर कुलपति से मिलने पहुंचे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया गया, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। छात्र नेताओं का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन के कर्मियों ने उनके साथ गाली-गलौज की। पुलिस ने लाठी भी चटकाई है। दो छात्र नेता घायल हो गए। घायल छात्रों की पहचान टीएनबी कॉलेज के अध्यक्ष सुमित कुमार सिंह और मारवाड़ी कॉलेज के अध्यक्ष शिवम कुमार तिवारी के रूप में हुई है। यहां स्पेशल टास्क फोर्स को मौके पर बुलाया गया।

परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी: फिलहाल, हालात काबू में हैं। लेकिन परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। बेहोश कार्यकर्ताओं को स्ट्रेचर पर लेटा कर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता कुलपति को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। सीनेट की बैठक खत्म हो चुकी है और कुछ देर बाद सभी अधिकारी मौके पर पहुंचने वाले हैं। छात्र नेता गौतम साहू ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 18 सूत्री मांगों को लेकर कुलपति को ज्ञापन देने पहुंची थी, जिसे स्वीकार भी कर लिया गया। लेकिन सीनेट की बैठक में शामिल होने से उन्हें रोका गया। दरअसल, छात्रावासों में सालों से चले आ रहे अवैध कब्जे हटाने की मांग है। इनकी मांग है कि डिग्री मार्कशीट व शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में हो रही देरी खत्म हो। ये कह रहे है कि सालों से बंद पड़े छात्रावासों को चालू कराया जाए। विश्वविद्यालय व कॉलेज परिसरों में सीसीटीवी कैमरे ले।

जीविका दीदी दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर अतिथि

निज संवाददाता। बेगूसराय

गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर मुख्य समारोह आयोजित होगा। इसमें बेगूसराय की चार जीविका दीदी और प्रबंधक संचार विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। चयनित जीविका दीदी ग्रामीण महिलाओं की सशक्तिकरण यात्रा की जीवंत मिसाल हैं। जिन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका, नेतृत्व और सामाजिक बदलाव के क्षेत्र में योगदान दिया है।

ाम की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को दर्शाता: केंद्र सरकार की ओर से गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित किया जाना उनके काम की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को दर्शाता है। बता दें कि इस साल जीविका की तरफ से बिहार के अलग जिलों से कुल 18 जीविका दीदी गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत करेंगी। जिसमें बेगूसराय से 4, भोजपुर से 4, नालंदा से 4, गया से 3 और जहानाबाद से 3 जीविका दीदी शामिल है। चयनित जीविका दीदी में बरौनी प्रखंड के नूरपुर पंचायत की अनिता कुमारी का जीवन कभी अभावों और संघर्षों से भरा हुआ था। सीमित आय, संसाधनों की कमी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच उनका दिन गुजरता था। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और घर की दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी एक चुनौती थी। कई बार परिस्थिति हिम्मत तोड़ देने वाली होती थी।

पति की नौकरी छूट गई थी: अनिता देवी ने कभी हार नहीं मानी। एक दौर ऐसा भी आया कि बरौनी रिफाइनरी में मजदूरी कर रहे पति की नौकरी छूट गई। इस दौर में उनकी स्थिति और भी दयनीय हो गई। शिव जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत हुई। समूह की नियमित बैठकों में उन्होंने बचत का महत्व, आपसी सहयोग, बैंकिंग प्रक्रिया और ऋण प्रबंधन के बारे में सीखा। पहले जहां वे आर्थिक निर्णय लेने से डरती थी।

गाय का दूध आमदनी का जरिया बना: अब आत्मविश्वास आने लगा। अनिता ने सबसे पहले समूह के सहयोग से ऋण लेकर सिलाई मशीन खरीदी, सिलाई काम से उनकी आमदनी बढ़ने लगी। इसके बाद उन्होंने फिर से ग्राम संगठन से ऋण लेकर गाय खरीद पशुपालन शुरू किया। गाय का दूध आमदनी का जरिया बना। इसी बीच अनिता ने अपनी बचत और सामुदायिक संगठन के ऋण से प्रिंटर लगवा लिया। आज उनकी मासिक आय 20 हजार से अधिक हो गई। अनिता आज लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हैं। नावकोठी प्रखंड के विष्णुपुर पंचायत स्थित गौड़ीपुर की कल्पना कुमारी एक सफल कृषि उद्यमी हैं।

मौनी अमावस्या पर अजगैबीनाथ धाम में उमड़ा सैलाब

निज संवाददाता। भागलपुर

मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर सुल्तानगंज स्थित अजगैबीनाथ धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। मिथिलांचल से आए हजारों कांवड़ियों ने उत्तर वाहिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। बाबा भोलेनाथ और माता पार्वती को गंगाजल अर्पित कर जीवन में सुख-शांति की कामना की। पूरा अजगैबीनाथ क्षेत्र 'हर हर महादेव' और 'मइया पार्वती की जय' के जयकारों से गूंज उठा।

भक्त बाबा बैद्यनाथ धाम रवाना: मिथिलांचल के कांवड़ियों की यह परंपरा वर्षों पुरानी है। मान्यता के अनुसार, मौनी अमावस्या के दिन श्रद्धालु मौन व्रत धारण कर अजगैबीनाथ धाम पहुंचते हैं। गंगा में स्नान के बाद बाबा भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। श्रद्धालु फल, फूल और प्रसाद बाबा के चरणों में अर्पित करते हैं। अजगैबीनाथ मंदिर के महंत प्रेमानंद गिरी ने बताया कि इस दिन किया गया स्नान, दान और पूजा अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है।

राष्ट्रीय युवा दिवस को लेकर कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

निज संवाददाता। अररिया

स्वामी विवेकानंद जयंती सह राष्ट्रीय युवा दिवस को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की फारबिसगंज इकाई की ओर से आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगर मंत्री आयुष भगत के नेतृत्व में प्लस टू द्विजदेनी स्मारक उच्च विद्यालय में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना,अनुशासन और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना रहा। कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों के माध्यम से छात्रों में टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का विकास करना है। आयोजित प्रतियोगिता को लेकर जिला संयोजक शिवम साह ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का मजबूत माध्यम हैं। हमारा यह मानना है कि विद्यार्थी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनें। वहीं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शैलेश राय ने कहा कि आज के युवाओं को मोबाइल और निष्क्रिय जीवनशैली से बाहर निकालकर मैदान से जोड़ना समय की आवश्यकता है। कबड्डी जैसे खेल युवाओं को अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाते हैं।प्रतियोगिता के अंत में विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर अभाविप के कार्यकर्ता प्रिंस कश्यप, नगर कार्यालय मंत्री अभिनव सुदर्शन, कॉलेज अध्यक्ष सूर्यनंदन ऋषि, कॉलेज मंत्री राज वर्मा, आदित्य झा, अभिनव आनंद एवं विद्यालय प्रशासन एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

डीएम के निर्देश पर जोगबनी में नशीली दवाओं को लेकर दवा दुकानों का निरीक्षण

निज संवाददाता। अररिया

डीएम विनोद दूहन ने नशे को लेकर दिए गए निर्देश के तहत सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध व नशीली दवाओं की रोकथाम को लेकर शनिवार को औषधि निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार एवं निर्भय कुमार गुप्ता द्वारा जोगबनी मुख्य बाजार में दवा दुकानों का सघन निरीक्षण आज किया गया। निरीक्षण के दौरान पंद्रह से अधिक दवा दुकानों की जांच की गई। जांच के क्रम में औषधि निरीक्षकों ने सभी दुकानों के वैध लाइसेंस, दवाओं के क्रय–विक्रय अभिलेख, भंडारण व्यवस्था तथा नशीली दवाओं की उपलब्धता से संबंधित बिंदुओं की बारीकी से जांच की। अधिकारियों ने यह भी देखा कि दवाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी गई हैं या नहीं, तथा बिना चिकित्सकीय पर्ची के किसी प्रकार की प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री तो नहीं की जा रही है। निरीक्षण उपरांत औषधि निरीक्षकों ने बताया कि जोगबनी मुख्य बाजार में जिन भी दवा दुकानों की जांच की गई, सभी के पास वैध लाइसेंस पाए गए। साथ ही किसी भी दुकान में नशीली दवाओं का अवैध भंडारण या बिक्री नहीं पाई गई, जो एक संतोषजनक स्थिति है। अधिकारियों ने दवा विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि भविष्य में भी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। बिना पर्ची के दवाओं की बिक्री, विशेषकर नशीली एवं प्रतिबंधित दवाओं के मामले में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां नियमित अंतराल पर ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। प्रशासन की इस कार्रवाई से आम जनता में भरोसा बढ़ा है और अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों में हड़कंप मचा है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

मोदी ने दिल्ली में और शाह ने तमिलनाडु में पोंगल मना कर बड़ा राजनीतिक एंगल सेट कर दिया है

देशभर में पोंगल पर्व पूरे उत्साह और परंपरागत उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में तमिल समुदाय के साथ पोंगल मनाया, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले सप्ताह अपनी तमिलनाडु यात्रा के दौरान पोंगल समारोहों में शामिल हुए थे। दोनों नेताओं की मौजूदगी ने इस पर्व को राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक सम्मान का प्रतीक तो बनाया ही साथ ही आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों को देखते हुए इसे राजनीतिक रूप से भी चर्चा के केंद्र में ला दिया। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल समारोह में भाग लिया। पारंपरिक अंदाज में हुए इस आयोजन में तमिल रीति-रिवाजों के अनुसार पोंगल पकाया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पोंगल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, सूर्य और किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की विविध संस्कृतियां देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और तमिल संस्कृति उसकी अमूल्य धरोहर है। मोदी ने तमिल भाषा और परंपराओं की प्राचीनता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्कृति आज वैश्विक स्तर पर भी पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, जल-संरक्षण और मिट्टी की सेहत को बनाए रखने की जरूरत पर भी बात की और कहा कि पोंगल का संदेश हमें सतत जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पोंगल के अवसर पर तमिलनाडु यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने प्रसिद्ध मंदिरों में पूजा-अर्चना की और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया। इसके बाद वह स्थानीय स्तर पर आयोजित पोंगल समारोहों में शामिल हुए, जहां पारंपरिक वेशभूषा, लोक-संस्कृति और ग्रामीण परिवेश में उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि पोंगल तमिल समाज की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो किसान, परिश्रम और प्रकृति के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने तमिल संस्कृति की जीवंतता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की विविधता ही उसकी एकता का आधार है। गृह मंत्री ने स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद भी किया और पोंगल की शुभकामनाएं दीं। देखा जाये तो दिल्ली और तमिलनाडु में पोंगल उत्सवों में प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री की सहभागिता ने यह रेखांकित किया कि भारत की विविध संस्कृतियां एक-दूसरे से जुड़कर देश की साझा विरासत को मजबूत करती हैं। पोंगल न केवल फसल उत्सव रहा, बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को और सशक्त करने वाला अवसर भी साबित हुआ। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली में पोंगल मनाना और अमित शाह का तमिलनाडु पहुंचकर उसी पर्व को पूरे धार्मिक, सांस्कृतिक रंग में मनाना, केवल संयोग भर नहीं लगता। यह साफ तौर पर एक सुविचारित राजनीतिक संकेत है, जिसे समझने के लिए तमिलनाडु की राजनीतिक जमीन और वहां की संवेदनशीलताओं को जानना जरूरी है। दरअसल, पोंगल तमिल अस्मिता का केंद्रबिंदु है, यह खेती, सूर्य, प्रकृति और श्रम के सम्मान का पर्व है। लंबे समय से तमिल राजनीति में यह धारणा मजबूत रही है कि राष्ट्रीय दल, खासकर भाजपा, तमिल संस्कृति को या तो हाशिये पर रखती है या उसे केवल चुनावी अवसरों पर याद करती है। ऐसे में प्रधानमंत्री का दिल्ली में तमिल परंपरा के अनुसार पोंगल मनाना और तमिल संस्कृति को 'वैश्विक मानव विरासत' के रूप में प्रस्तुत करना, उसी धारणा को तोड़ने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। दूसरी ओर, अमित शाह का तमिलनाडु में मंदिरों में पूजा, पारंपरिक वेशभूषा में पोंगल समारोहों में शामिल होना और स्थानीय आयोजनों में सक्रिय भागीदारी, भाजपा की उस रणनीति को दर्शाता है जिसमें राजनीति को संस्कृति के रास्ते समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह वही मॉडल है जिसे पार्टी उत्तर और पश्चिम भारत में सफलतापूर्वक आजमा चुकी है यानि स्थानीय परंपराओं को अपनाइए, उन्हें राष्ट्रीय विमर्श से जोड़िए और फिर राजनीतिक विश्वास की जमीन तैयार कीजिए। हालांकि सवाल यह है कि क्या तमिलनाडु की जनता इसे केवल सांस्कृतिक सम्मान के रूप में देखेगी या चुनावी अवसरवाद के तौर पर? तमिल राजनीति का इतिहास बताता है कि यहां की जनता प्रतीकों से अधिक नीतियों, भाषा के सम्मान और संघीय अधिकारों के मुद्दों पर प्रतिक्रिया देती है। पोंगल मनाना एक सकारात्मक संकेत जरूर है, लेकिन इसके साथ-साथ तमिल भाषा, राज्य के अधिकारों और केंद्र-राज्य संबंधों पर ठोस भरोसा पैदा करना भी उतना ही जरूरी है।

इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे। अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक होना पड़ेगा

उमेश चतुर्वेदी

1995 में एक फिल्म आई थी, गैंबलर। गोविंदा-शिल्पा शेट्टी अभिनीत इस फिल्म का एक गाना उन दिनों बेहद मशहूर हुआ था, 'मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी' निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने ये गाना नहीं सुना होगा, लेकिन उन्होंने हाल ही में न्यूयार्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जो कहा है, उसका भावार्थ कुछ यही निकलता है। उन्होंने कहा है, 'सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीं वे चीज़ें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतर्राष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी ज़रूरत। तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी ही रही है। अमेरिका की सत्ता में दो ही पार्टियों का वर्चस्व है। चाहे रिपब्लिकन पार्टी हो या फिर डेमोक्रेटिक पार्टी, दोनों के राष्ट्रपतियों की कार्यशैली कम से कम विदेश मामलों में एक जैसी ही रही है। ट्रंप खुलकर 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति और नीयत का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे राष्ट्रपति ऐसा कहने से बचते रहे हैं। हां, उनके भी कदम हमेशा ऐसा ही रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है। हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। वैसे लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी अगुआई में ज्यादातर नाटो देश सक्रिय थे। अफगानिस्तान में जब पिछली सदी के अस्सी के दशक में सोवियत सेनाएं घुसीं, तब सोवियत संघ को काबू करने के लिए अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान का उपयोग किया और एक तरह से पाकिस्तान को अपना अघोषित उपनिवेश बना लिया। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया। साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है। साल 2010 के दिसंबर में ट्यूनिशिया में शुरू हुई पिंक क्रांति, जिसे अरब क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, की बुनियाद पर अरब देशों में कार्रवाई करने और तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के सहयोग को देखा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों की ही शह पर लीबिया से गद्दाफी की विदाई हुई, सीरिया अब भी जल रहा है। निश्चित तौर पर अमेरिकी प्रतिकार में शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ कभी प्रत्यक्ष तो कभी परोक्ष काम करता था, अब दुनिया की दूसरे नंबर की आर्थिक महाशक्ति बन चुका चीन कर रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के जिन मादुरो की सत्ता को अमेरिकी सेनाओं ने पलट दिया, उन्हें चीन का खुला समर्थन मिल रहा था। शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ और उसकी सेना ऐसे हालात में अमेरिकी सेनाओं का परोक्ष विरोध करती थी, वैसा चीन नहीं कर पाया। कह सकते हैं कि अमेरिका में हर सत्ता ने वैश्विक ताकत क्रम में खुद को सर्वोच्च बनाए रखने के लिए अपने हिसाब से दादागिरी दिखाई है। कभी यह दादागिरी अमेरिकी हितों के नाम पर हुई तो कभी दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर। कहने के लिए अमेरिका लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ बनता है, लेकिन अमेरिकी हितों, कारोबारियों और हथियार लॉबी के हित में अक्सर वह गैर लोकतांत्रिक तरीके से कार्रवाई करता है। दुनिया का आधुनिक इतिहास इससे भरा पड़ा है। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है। ट्रंप जिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों को अपने हिसाब से मानने या न मानने की बात कर रहे हैं, दरअसल उन्हें बनाने और संशोधित करने में सबसे ज्यादा योगदान अमेरिका का ही रहा है। विश्व में जब भी कहीं वेनेजुएला जैसी घटना होती है, तब जिनेवा समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बहुत जिक्र होता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी के मध्य तक दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए युद्धबंदियों और सैनिकों और युद्धग्रस्त देशों के लोगों को लेकर शत्रु देशों की ओर से की जाने वाली अमानवीय कार्रवाई को रोकने के लिए ना तो कोई कानून था और इसे लेकर कोई प्रयास हुआ था। साल 1864 में पहली बार युद्ध के वक्त घायलों की मदद युद्धरत देशों के बीच बातचीत के लिए रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट ने कोशिश की। यही कोशिश पहले जेनेवा समझौते के रूप में सामने आई। इस दौरान युद्धरत देशों, उनके नागरिकों, सैनिकों आदि के मानवीय अधिकारों की रक्षा करने को लेकर चर्चाएं शुरू हुईं। इसके तहत कुछ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की परिकल्पना की गई और युद्ध के प्रभाव को सीमित करने और युद्धबंदियों के अधिकारों के संरक्षण की कोशिश शुरू हुई। जेनेवा में आखिरी समझौता 1949 में हुआ। जिनेवा कन्वेंशन का मकसद युद्ध के वक्त मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिये कानून तैयार करना है। 1949 के समझौते में शामिल दो प्रोटोकॉल 1977 में जोड़े गए। आज तकरीबन पूरी दुनिया ने इस पर हस्ताक्षर किया है। इस लिहाज से जेनेवा समझौते को सभी देश मानते हैं। जेनेवा समझौते के अनुसार हर देश की अपनी संप्रभुता है और उसकी रक्षा ना सिर्फ युद्ध बल्कि शांति काल में भी होती है। यानी उसके नियम और कानून युद्ध, शांति और संकट काल, हर वक्त लागू होते हैं।

पैक्स सिलिका क्या है? इसमें भारत को शामिल करने से अमेरिका को क्या लाभ मिलेगा?

कमलेश पांडे

पैक्स सिलिका अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है, जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई , सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे 'पॉजिटिव-सम' साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है। चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है। जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी। पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैं:- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात (श्र), सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और दृढ़ क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और दृढ़ सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा। भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर मुख्य रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह पहल विशेषकर सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर और एआई सप्लाई चेन में उसके एकाधिकार को चुनौती देगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5977

		9	4	7			3	6
				8			2	9
	1		2				5	7
7	6							
		1				6		
							1	5
6	9				1		4	
8	2			5				
1	4			6	9	7		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5976

6	5	7	4	2	3	1	8	9
8	1	4	9	5	6	2	7	3
3	9	2	1	8	7	4	5	6
5	4	6	8	7	2	3	9	1
7	8	1	3	9	4	6	2	5
2	3	9	5	6	1	7	4	8
4	2	5	6	1	8	9	3	7
9	6	3	7	4	5	8	1	2
1	7	8	2	3	9	5	6	4

आज का राशिफल

मेष

अपने निजी सपनों और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रयत्न करने का अनुकूल समय है। दूसरों की जरूरतों को पूरा करने पर आपको ध्यान देना होगा?। आज सामने आने वाले अवसरों पर निगाह रखें। इससे आपकी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है?। आपको अपने रिश्तों पर ध्यान देने की जरूरत है। जो लोग फर्नीचर के बिजनेस से जुड़ा है उनको अच्छा लाभ मिल सकता है।

वृष

आज आपका मन कई बातों में उलझ सकता है, लेकिन सही योजना से सब संभल जाएगा। सीखने और सवाल पूछने के लिए अच्छा दिन है। पढ़ाई में नई रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। किसी पुराने दोस्त से बात हो सकती है। सेहत के लिए आंखों और नींद का ध्यान रखें। आज अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मिथुन

कोई काम एक बार जब शुरू हो जाएगा, तो आपके संकोच भी दूर हो जाएंगे। कुछ लोग आपसे ज्यादा ही अपेक्षाएं रख सकते हैं। आज सामने आने वाले अवसरों पर निगाह रखें। किसी व्यक्ति पर हद से ज्यादा विश्वास करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कर्क

आज किसी भी काम को करने में जल्दबाजी करने से बचें, वरना खामियाजा भुगतना पड सकता है। अगर आप रिलेशनशिप में हैं तो शादी के लिए अभी समय अनुचित है कुछ समय इंतजार करना बेहतर रहेगा। नकारात्मक विचार की वजह से आप अपने लक्ष्य भटक सकते हैं, इस बात का अवश्य ध्यान रखें।

सिंह

सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। व्यापार अच्छा चलेगा, लाभदायक समझौते हो सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। दूर संचार माध्यम से खुशखबरी मिलने की संभावना है। किसी भी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने से बचें अन्यथा दुर्घटना होने की संभावना नजर आ रही है। वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ सकते हैं।

कन्या

आज संवेदनशीलता और कल्पनाशीलता बढ़ी रहेगी। कला, लेखन या संगीत में रुचि हो सकती है। परिवार का भावनात्मक सहयोग मिलेगा। पढ़ाई में मन लगाने के लिए शांत वातावरण ज़रूरी है। खुद को कम न आँकें। सेहत के लिए आराम करें।

तुला

आज धैर्य और स्थिरता आपकी पहचान बनेगी। जो काम अधूरे थे, उन्हें पूरा करने का अच्छा अवसर मिलेगा। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित रहेगा। परिवार में किसी बड़े से सीखने को मिलेगा। धन या जेब खर्च को लेकर समझदारी बरतें। दोस्तों के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा। सेहत ठीक रहेगी, लेकिन आराम भी ज़रूरी है।

वृश्चिक

विरोधियों की गतिविधियों से अनभिज्ञ ना रहे। कुछ लोग आपकी मानहानि करने की परिस्थितियां बना सकते हैं। जो कारोबारी प्रॉपर्टी खरीदने और बेचने का कार्य करते हैं, उन्हें बड़ी डील हाथ लग सकती है। विद्यार्थी वर्ग अपनी पढ़ाई को लेकर लापरवाही न करें। माता-पिता की ओर से बेहतर सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी की भावनाओं को समझेंगे। तनाव और थकान जैसी स्तिथि रहेगी।

मकर

आज आपके अंदर कुछ नया करने की इच्छा जागेगी। पढ़ाई या किसी प्रोजेक्ट में अलग तरीका अपनाने से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ बातचीत से नई जानकारी मिलेगी। परिवार में आपकी राय को महत्व दिया जाएगा। जल्दबाज़ी से बचें, खासकर जब कोई फैसला लेना हो। भावनाओं पर नियंत्रण रखना ज़रूरी है। सेहत सामान्य रहेगी, लेकिन समय पर भोजन करें।

कुंभ

आज आप भावनात्मक रूप से मज़बूत महसूस करेंगे। परिवार का सहयोग आपको आत्मविश्वास देगा। पढ़ाई या रचनात्मक काम में मन लगेगा। किसी करीबी की मदद करने से संतोष मिलेगा। बेवजह की चिंता से दूर रहें। सेहत सामान्य रहेगी, लेकिन ठंडी चीज़ों से बचें। आज अपनी भावनाओं को सही शब्दों में व्यक्त करना आपके लिए लाभकारी होगा।

धनु

खर्च की अधिकता रह सकती है। धन संबंधी मामले में अतिरिक्त सावधानी बरतें। किसी से सलाह लेकर ही पैसा निवेश करें। अपने मनमौजी बर्ताव पर काबू रखें, क्योंकि यह आपकी दोस्ती पर भारी पड़ सकता है। मन में आज अनजाना डर रहेगा। व्यवहार कुशलता से आपको अधिकारियों से सम्मान मिल सकता है। पेट की जलन तकलीफ दे सकती है।

मीन

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। नेतृत्व से जुड़े कामों में आगे आने का मौका मिलेगा। पढ़ाई में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। ध्यान रखें कि दूसरों की बात भी सुनें। सेहत अच्छी रहेगी। आज विनम्रता के साथ आगे बढ़ने से आपकी छवि और मजबूत होगी।

वर्ग पहेली 5977

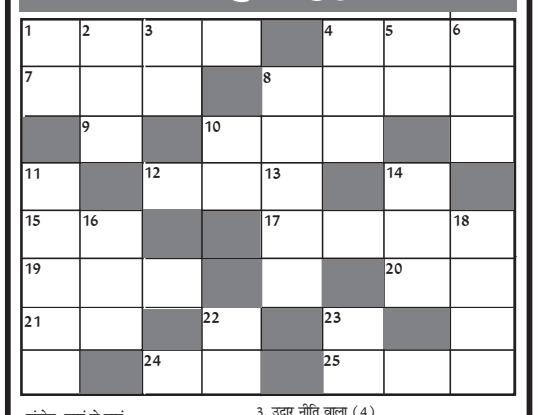

संकेत: बाएं से दाएं
1. 24 मई 2005 को एन.बी.इंकबेयर इस देश के राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. कर्नाटक का यह स्थल स्वर्ण खानो के लिए प्रसिद्ध है (3)
7. सिंची हुई जमीन या काश्त (3)
8. नफीरी, बिस्मिल्ला खां इस वाद्य के साथ जुड़ा है (4)
9. भुलामीयत, कोमलता, मृदुलता (3)
12. चित्रकला में लता या बेल की आकृति का अंकन, छोटी लता (3)
15. शास्त्रीय संगीत में नियत मात्राओं पर स्वर उत्पन्न करना (2)
17. शिष्टता, विनम्रता (4)
19. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ (3)
20. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, तला, पेंदा (2)
21. वजन, बोझ, उत्तरदायित्व (2)
24. विशुद्ध, खालिश, सच्चा (2)
25. उत्तरी भारत में बहने वाली एक नदी है, वितिस्ता इस नदी का वास्तविक नाम है (3)

ऊपर से नीचे
1. इच्छा, इरादा, अभिप्राय (2)
2. यह मुंशी प्रेमचंद कीप्रसिद्ध कृति है जिस पर फिल्म निर्माण भी हो चुका है (3)
3. उदार नीति वाला (4)
4. ओस, विश्वजीत, वहीदा रहमान आदि अभिनीत फिल्म (3)
5. ले आना, उपस्थित करना (2)
6. जिसके पास अपार संपत्ति हो, धनाढ्य (3)
10. पुरूष मित्र, प्रेमी (2)
11. पुराणानुसार यह रावण का पूर्वजन्म का नाम है (5)
13. रत शब्द का अपभ्रंश (3)
14. जिसे कोई न जीत सके (3)
16. उमंग, मोज, तरंग, कंप (3)
18. बलभद्र, बलवीर (4)
22. यह कृष्ण भक्ति शाखा की प्रमुख कवियित्री है इन्होंने कृष्ण भक्ति के स्फुट पदों की रचना की है (2)
23. मैं का कर्म और संप्रदाय कारक का रूप (2)

वर्ग पहेली 5976 का हल

ब	छे	न्द्री	पा	ल		सी	धी
र	द		ता	ल	मे	ल	
स		ह	ल	का	प	न	
ना	जु	क		र		दा	गी
		त	प	ना		र	त
म	फ़	ल	र		जो		गो
ह		फ़ी	म	र			वि
ल	ब्ध			थ		शा	द

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

पूर्व कांग्रेस नेता हत्याकांड के गवाह ने दंपति पर की फायरिंग

धनबाद, एजेंसी। धनबाद थाना क्षेत्र के झारुडीह में गुरुवार की रात उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब पूर्व कांग्रेस नेता सुरेश सिंह हत्याकांड के गवाह देवेंद्र सिंह ने अपने ही फ्लैट में रहने वाले राकेश झा और उनकी पत्नी पर फायरिंग कर दी। अचानक चली गोली से पूरे अपार्टमेंट में दहशत फैल गई। हालांकि दंपति किसी तरह जान बचाकर वहां से निकलने में सफल रहे, लेकिन गोली पास में खड़ी एक गाड़ी में जा लगी। राकेश झा की पत्नी ने बताया कि गुरुवार की रात देवेंद्र सिंह अपने चार-पांच दोस्तों के साथ शराब पी रहे थे। इसके बाद वे नीचे तल्ले पर पहुंचे और बिना किसी कारण के गाली-गलौज करने लगे। इसी दौरान देवेंद्र सिंह ने अचानक फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली को नहीं लगी और वह राकेश झा के कान के पास से गुजर गई। उस समय उनके पीछे ही काजल झा खड़ी थीं। घटना के बाद दोनों किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मनोज कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। हालांकि फायरिंग के बाद आरोपी देवेंद्र सिंह मौका पाकर फरार हो गये। पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली, लेकिन वह वहां भी नहीं मिला। पुलिस ने घटनास्थल से एक क्षतिग्रस्त गाड़ी को जब्त कर थाना ले आई है।

धनबाद व गिरिडीह को मिला 2025 के दूसरी तिमाही का बकाया चना दाल

धनबाद, एजेंसी। मुख्यमंत्री चना दाल वितरण योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही (जुलाई से सितंबर 2025) के लिए नि:शुल्क चना दाल वितरण की प्रक्रिया को गति दी गयी है। इसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित प्राथमिक गृहस्थ, अंत्योदय अन्न योजना परिवारों व झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत हरा राशन कार्डधारी परिवारों को हर माह प्रति परिवार एक किलोग्राम चना दाल मुफ्त देने का प्रावधान है। इस योजना के तहत धनबाद के 498344 परिवारों (सभी कार्ड) के लिए कुल 14950 ।32 क्विंटल चना दाल का आवंटन किया गया है। इसमें धनबाद (नगर निगम) के 190255 परिवार के लिए 5707 ।65 क्विंटल, चिरकुंडा के 8335 परिवार के लिए 250 ।05 क्विंटल, बाघमारा के 64036 परिवार के लिए 1921 ।08 क्विंटल, धनबाद के 9676 परिवार के लिए 290 ।28 क्विंटल, बलियापुर के 30945 परिवार के लिए 928 ।35 क्विंटल, निरसा के 77141 परिवार के लिए 2314 ।23 क्विंटल, पूर्वी टुंडी के लिए 11489 परिवार के लिए 344 ।67 क्विंटल, टुंडी के 21722 परिवार के लिए 651 ।66 क्विंटल, गोविंदपुर के 50998 परिवार के लिए 1529 ।94 क्विंटल व तोपचांची के 33747 परिवार के लिए 1012 ।41 क्विंटल चना दाल का आवंटन दिया गया है। गिरिडीह जिले में योजना के तहत 4,59,864 परिवारों को चना दाल का लाभ मिलेगा। इसमें 4,23,151 एनएफएसए व 36,713 जेएसएफएसएस कार्डधारी परिवार शामिल हैं। इसमें बगोदर, बेंगाबाद, बिरनी, देवरी, धनवार, डुमरी, गांडे, गावां और गिरिडीह सदर सहित सभी प्रखंडों के लिए कुल मासिक आवंटन 4,598 ।64 क्विंटल निर्धारित किया गया है।

बेटा-बेटी और प्रेमी ने मिलकर की रेलकर्मी बीरबल रजक की हत्या

धनबाद, एजेंसी। धनबाद थाना क्षेत्र के लोको टैंक से पांच जनवरी को बरामद अज्ञात शव की जांच-पड़ताल में एक ऐसे परिवार की दर्दनाक कहानी सामने आयी है, जहां रोज-रोज के नशा, झगड़ा और डर के माहौल के बीच हत्याकांड को अंजाम देकर खून के रिश्ते को तार-तार कर दिया गया। अज्ञात शव की शिनाख्त हीरापुर के हरिमंदिर के समीप पेट्रोल पंप निवासी रेलकर्मी बीरबल रजक के रूप में हुई थी। इस मामले का धनबाद पुलिस ने उद्भेदन करते हुए मृतक की बेटी ऋतु कुमारी, पुत्र रोहित कुमार और ऋतु के प्रेमी बिहार के अरवल जिला के मकबुलपुर निवासी फरदीन खान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक (जेएच 10बीजे 8959), मफलर, खाली शराब की बोतल व बाइक जब्त की है। यह जानकारी गुरुवार को सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने दी। मौके पर डीएसपी (लॉ एंड ऑर्डर) नौशाद अलाम, धनबाद थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मनोज पांडेय, सरायढेला थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मंजीत कुमार मौजूद थे। सिटी एसपी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में एसआइ अभिषेक तिवारी के जुटाये गये तकनीकी साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो गया कि बीरबल की मौत सामान्य नहीं थी। रिपोर्ट में चिकित्सकों ने गला घोंटकर हत्या की पुष्टि की। इसके बाद धनबाद थाना कांड संख्या 28/2026, दिनांक 13/01/2026, धारा 103(1)/238 बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं तकनीकी साक्ष्य और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के आधार पर पुलिस ने हत्या की पूरी गुत्थी सुलझा ली। जबकि इस मामले में मृतक की पुत्री आरती कुमारी के लिखित आवेदन पर धनबाद थाना में यूडी कांड संख्या 02/26, 05 जनवरी को दर्ज किया गया ।सिटी एसपी ने बताया कि बीरबल के शराब पीने से पूरा परिवार परेशान था। वह शराब पीकर घर में मारपीट व हो हंगामा करता रहता था। इससे आजिज आकर बेटी ऋतु ने अपने प्रेमी फरदीन और भाई रोहित के साथ मिल कर उसकी हत्या का प्लान बनायी। चार जनवरी की रात में रोहित घर में बने मटन और शराब लेकर अपने पिता के साथ लोको टैंक के पास गया। वहां पर शराब में नशे की दवा मिलाकर पिता को पिला दी।

इंतजार खत्म... क्षेत्रीय नेत्र संस्थान में आधुनिक मशीनों से होगा

नेत्र व ईएनटी मरीजों का इलाज

रांची, एजेंसी। आखिरकार वो दिन आ गया, जब रिम्स में नेत्र संबंधित रोगों का इलाज अपनी बिल्डिंग में होगा। 11 साल से रिम्स परिसर में बन रहे क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 18 जनवरी के बाद से यहां रोगियों का उपचार शुरू हो जाएगा।

शुक्रवार को रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक ने पत्राचार कर नेत्र व ईएनटी के विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि 18 जनवरी तक अपना विभाग डिस्ट्रीब्यूशन प्लान के अनुरूप नई आरआईओ बिल्डिंग में शिफ्ट कर लें। पत्र में कहा गया है कि झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा निर्मित क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का संयुक्त निरीक्षण निदेशक व अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया था।

साथ ही पुराने भवन का भी रेनोवेशन किया जाना है। इसके लिए नेत्र व ईएनटी विभाग को जल्द से जल्द आरआईओ बिल्डिंग में शिफ्ट कराने का निर्देश दिया गया है। जिसके बाद चिकित्सा अधीक्षक ने 18 जनवरी की तिथि तक विभाग शिफ्ट करने की बात कही है। हालांकि, सूचना है कि अभी भवन को उपयोग में लाया जाएगा, लेकिन इसका विधिवत उद्घाटन बाद में कराया जाएगा।

103 पद स्वीकृत, विशेषज्ञ डॉक्टरों की होगी नियुक्ति : संस्थान के संचालन के लिए रिम्स प्रशासन ने विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मियों समेत कुल 103 पद स्वीकृत किए हैं। रोस्टर क्लीयरेंस के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। संस्थान के शुरू होने से मोतियाबिंद, कॉर्निया ट्रांसप्लांट, रेटिना, ग्लूकोमा और बच्चों की आंखों की जटिल बीमारियों का अत्याधुनिक इलाज संभव होगा।

11 साल तक बार-बार टलता रहा उद्घाटन, अब मिलेगा लाभ : झारखंड के नेत्र रोगियों के लिए यह संस्थान 11 साल तक

एक अधूरा सपना बना रहा। इस दौरान 10 से अधिक बार उद्घाटन की संभावित तिथियां तय की गईं, लेकिन हर बार कार्य अधूरा रह गया। मार्च 2020 की पहली डेडलाइन कोविड-19 के कारण टल गई। इसके बाद 2021, 2023 और 2024 में भी समय सीमा में काम पूरा नहीं हो सका। मुख्यमंत्री ने फरवरी 2025 तक निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया था, वह भी नहीं हुआ।

2014 में 39.5 करोड़ से शुरू हुआ था निर्माण : क्षेत्रीय नेत्र संस्थान का निर्माण वर्ष 2014 में स्टेडियम के समीप करीब तीन एकड़ भूमि पर शुरू किया गया था। भवन निर्माण विभाग को इसे दो साल में पूरा कर रिम्स को सौंपना था। शुरुआत में इसकी लागत 39.5 करोड़ रुपए आंकी गई थी, लेकिन समय के साथ अनुमान बढ़कर लगभग 85 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। इसके बाद दोबारा डीपीआर तैयार की गई और पुनरीक्षित प्राक्कलन में करीब 45 करोड़ रुपए अतिरिक्त जोड़े गए।

आठ मंजिला अत्याधुनिक भवन

नेत्र संस्थान की आठ मंजिला इमारत को आधुनिक स्वरूप दिया गया है। पहली मंजिल पर रिसेप्शन और ओपीडी, दूसरी मंजिल पर निदेशक कक्ष और माइनर ओटी, तीसरी मंजिल पर मेजर ओटी, चौथी और पांचवीं मंजिल पर वार्ड, जबकि ऊपरी मंजिल पर सेमिनार हॉल और लेक्चर थिएटर बनाए गए हैं। संस्थान के शुरू होने से झारखंड ही नहीं, आसपास के राज्यों के नेत्र रोगियों को भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।वह सब जो आपके लिए जानना जरूरी है...

मरीजों को मिलेगा एक छत के नीचे संपूर्ण इलाज

क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के शुरू होने के बाद रेटिना, डायबिटिक रेटिनोपैथी और बाल नेत्र रोगों का इलाज एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। यहां आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे और पुराने, अनुपयोगी उपकरण हटाए जाएंगे। रिम्स आई बैंक के अनुसार, फिलहाल हो रहे कॉर्निया ट्रांसप्लांट की संख्या संस्थान शुरू होने के बाद दोगुनी तक बढ़ सकती है।

युवक का मिला अधजला शव, कमरे में युवती की फांसी के फंदे से लटकी मिली लाश

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले में दो अलग-अलग घटनाओं से सनसनी फैल गई है। चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा गांव में एक अज्ञात युवक का अधजला शव बरामद हुआ है। वहीं, मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा गांव में खेत के पास एक अज्ञात युवक का अधजला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों द्वारा युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस युवक की पहचान, मौत की परिस्थितियों और शव के जलने के कारणों की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

दूसरी घटना मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के सुदना गायत्री नगर पथ से सामने आई है। यहां 30 वर्षीय शिल्पा सिद्धार्थ नामक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शिल्पा दिल्ली में रहती थी और कुछ दिन पहले ही अपने घर आई थी। गुरुवार रात वह परिवार के साथ खाना खाकर अपने कमरे में सोने चली गई थी।

शुक्रवार सुबह जब उसकी बड़ी बहन उसे चाय पीने के लिए जगाने पहुंची तो कमरा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला, जिसके बाद आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर शिल्पा का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। सूचना पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेजा। पुलिस परिजनों का बयान दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि परिजनों के अनुसार, युवती अपने करियर को लेकर डिप्रेशन में थी।

युवक पर फायरिंग, कान के पास से निकली गोली

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के झाड़ूडीह स्थित एक अपार्टमेंट में गुरुवार रात फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। नशे में धुत एक युवक ने राजेश झा नामक व्यक्ति पर गोली चला दी, जो उनके कान के पास से निकल गई। इस घटना के बाद पूरे अपार्टमेंट और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी अपार्टमेंट के नीचे शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। इसी दौरान उसने अचानक राजेश झा को निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली राजेश झा के कान के पास से छूते हुए निकल गई, जिससे वे बाल-बाल बच गए।

आरोपी पहली मंजिल पर रहता है : राजेश झा की पत्नी कंचन झा ने बताया कि आरोपी देवेंद्र सिंह, जो उसी अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर रहता है, नशे की हालत में उनके पति के पास आया। उसने बंदूक उनके कान के पास सटाकर गोली चला दी। कंचन झा उस समय पीछे खड़ी थीं और वह भी सुरक्षित बच गईं।

ड्राइवर के साथ मारपीट कर रहा था आरोपी : घायल राजेश झा ने बताया कि वह खाना खा रहे थे, तभी उन्हें नीचे से हंगामे की आवाज सुनाई दी। जब वह नीचे पहुंचे, तो देखा कि आरोपी उनके ड्राइवर के साथ मारपीट कर रहा था। राजेश झा के विरोध करने पर आरोपी ने उनके कान के पास बंदूक सटाकर गोली चला दी।

फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही धनबाद थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने अपार्टमेंट की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान, आरोपी देवेंद्र सिंह के फ्लैट से जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस फायरिंग के कारणों और आरोपी की भूमिका की गहन जांच कर रही है, साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह मामला आपसी विवाद का है या किसी पुरानी रंजिश से जुड़ा है।

रिम्स में बढ़ता मरीजों का भरोसा: एक साल में 8.5 लाख से अधिक ओपीडी, 63 हजार सर्जरी

रांची, एजेंसी। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर आम लोगों का भरोसा लगातार मजबूत होता जा रहा है।

अस्पताल की ताजा वार्षिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में रिम्स की ओपीडी में 8 लाख 58 हजार से अधिक मरीजों ने इलाज कराया, जबकि 78 हजार से ज्यादा मरीजों को इंडोर यानी आइपीडी सेवाएं दी गई।

ये आंकड़े न सिर्फ रिम्स की बढ़ती क्षमता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी साबित करते हैं कि राज्य के लोग अब जटिल बीमारियों के इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों पर भरोसा करने लगे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्षभर में रिम्स में कुल 63,926 सर्जरी की गईं।

इनमें 20,995 मेजर आपरेशन शामिल हैं, जबकि 42,931 माइनर सर्जरी की गई।

मेजर सर्जरी की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि अब हार्ट, ब्रेन, कैंसर, ट्रामा और अन्य जटिल बीमारियों का इलाज रिम्स में बड़े स्तर पर संभव हो रहा है। इससे मरीजों को बाहर के निजी अस्पतालों या दूसरे राज्यों में रेफर होने की मजबूरी भी कम हुई है।

रिम्स में डायग्नोस्टिक सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक एक साल में कुल 1,40,779 रेडियोलाजी जांच की गई। इनमें 90,758 एक्स-रे, 23,868 अल्ट्रासाउंड और 26,153 सीटी स्कैन शामिल हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर जांच उपलब्ध होने से गंभीर बीमारियों का शुरुआती स्तर पर ही निदान संभव हो पा रहा है, जिससे इलाज की सफलता दर बढ़ी है। पैथोलाजी और सेंट्रल लैब सेवाओं में भी रिकार्ड संख्या में जांच की गई। सेंट्रल लैब में कुल 8,92,531 जांच दर्ज की गई।

इनमें हेमेटोलाजी विभाग में 1.75 लाख से अधिक जांच, क्लिनिकल पैथोलाजी में 25,625 जांच, माइक्रोबायोलाजी में 2.72 लाख से अधिक और वायरलाजी व एसपी मालिक्यूलर जांच की संख्या 1.82 लाख रही। यह आंकड़े बताते हैं कि रिम्स राज्य का सबसे बड़ा डायग्नोस्टिक हब बनता जा रहा है।

मकर संक्रांति : दामोदर नदी में सैकड़ों लोगों ने किया पुण्य स्नान

धनबाद, एजेंसी। मकर संक्रांति पर गुरुवार को मोहलबनी स्थित दामोदर नदी घाट पर हजारों लोगों ने आस्था की डुबकी लगायी. लोगों ने स्नान-ध्यान के बाद श्मशान काली, शिव मंदिर व हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर सुख शांति की कामना की. जरूरतमंदों में वस्त्र ,चूड़ा, गुड़, तिलकुट आदि दान किये. सीतानाला अमलाबाद घाट पर भी हजारों श्रद्धालुओं ने नदी में स्नान कर पूजा अर्चना की. जिला प्रशासन के निर्देश पर सुदामडीह थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने मोहलबनी घाट पर सुरक्षा को लेकर बांस से बैरिकेडिंग की गयी थी. गोताखोरों को तैनात किया गया था.

श्री श्याम भक्त मंडल झरिया सह पाथरडीह की ओर से श्रद्धालुओं के लिए खीर प्रसाद का वितरण किया गया. मौके पर समाजसेवी डॉ बिरेंद्र कुमार, पूर्व पार्षद सुमित सुपकार को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. आयोजक मंडली के कल्लू राठी, उत्तम भगत, गणेश विश्वकर्मा, गोकुल ठाकुर, विकास दे, नरेश अग्रवाल, रामपुकार पासवान, दिनेश केशरी का

झारखंड के 119 विद्यालयों को मिलेगा मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार,

गिरिडीह, एजेंसी। मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिए गिरिडीह जिला के आठ और पूरे राज्य के 119 विद्यालयों का चयन पांच अलग-अलग कैटेगरी में हुआ है। गत आठ जनवरी को संपन्न राज्य स्तरीय समिति की बैठक में विद्यालयों का चयन किया गया।

गिरिडीह जिला के चयनित विद्यालयों में प्राइमरी ग्रामीण कैटेगरी में प्राथमिक विद्यालय भंडारीडीह व उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय घोंसे ऊपर टोला, एलीमेंट्री ग्रामीण कैटेगरी में उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोरियांचू, एलीमेंट्री शहरी में पीएम श्री शारदा कन्या मध्य विद्यालय पचंबा, उच्च विद्यालय ग्रामीण में उत्क्रमित उच्च विद्यालय दोंदलो व प्लस टू एसएस उच्च विद्यालय कुम्हरलालो, शहरी में उत्क्रमित प्लस टू सर जेसी बोस बालिका विद्यालय गिरिडीह तथा आवासीय कैटेगरी में पीएम श्री झारखंड आवासीय विद्यालय सरिया शामिल हैं।

स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह ने सभी उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को पत्र जारी कर चयनित विद्यालयों की सूची प्रेषित की है। साथ ही आवश्यक दिशानिर्देश दिया है।

चयनित विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा साप्ताहिक करने का निर्देश दिया गया है। कहा गया है कि ये चयनित विद्यालय न केवल स्वच्छ रहे बल्कि आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में सक्षम ग्रीन स्कूल्स के रूप में पूरे देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत करें।

हजारीबाग में एसआई को बाइक ने मारी टक्कर

बस से जाने के लिए सड़क किनारे खड़े थे, हादसे में बाइक सवार 3 लोग घायल

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में गुरुवार देर शाम एक सड़क दुर्घटना में जेएपी-7 के सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान की मृत्यु हो गई। इस हादसे में बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, मृतक सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान चौपारण थाना क्षेत्र के चोरदाहा चेक पोस्ट पर तैनात थे। वे गुरुवार को जेएपी-7 मुख्यालय हजारीबाग में आयोजित पुलिस सभा की बैठक में शामिल होने आए थे। बैठक के बाद वे अपने कार्यस्थल चोरदाहा, चौपारण लौट रहे थे।

पदमा गेट के पास वे बस पकड़ने के लिए सड़क किनारे खड़े थे। तभी बरही की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनिल पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए। बुलेट पर सवार तीनों युवक भी इस दुर्घटना में घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल और निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जेएपी-7 के कमांडेंट अविनाश कुमार ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस सभा से लौट रहे एक अनुभवी अधिकारी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई है। कमांडेंट के अनुसार, बुलेट पर सवार तीनों घायलों में से एक की हालत गंभीर है, जबकि दो अन्य सामान्य रूप से घायल हैं। सभी का इलाज विभिन्न अस्पतालों में जारी है। मृतक सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान की आयु लगभग 58 वर्ष थी। वे मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज के निवासी थे। पुलिस ने घटना के संबंध में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

चतरा में पिकअप-बाइक की टक्कर, एक की मौत

चतरा, एजेंसी। चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात एक सड़क दुर्घटना में इटखोरी प्रखंड के प्रेमनगर निवासी दिलीप भुइयां (पुत्र रामचरण भुइयां) की मौके पर मौत हो गई। यह घटना गुरुवार रात करीब 8 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, दिलीप अपने दोस्त विनोद के साथ बाइक से चतरा के इको पार्क से लौट रहे थे। भेड़िफार्म के 'बेल गाछ' के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दिलीप की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

घायल सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर : इस दुर्घटना में दिलीप के साथी विनोद का पैर टूट गया है। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर किया गया है। मृतक दिलीप के पिता रामचरण भुइयां ने एक महीने के भीतर अपने दोनों बेटों को खो दिया है। एक माह पूर्व ही उनके बड़े बेटे प्रेम भुइयां का बीमारी की वजह से निधन हुआ था।

दिलीप की मृत्यु से परिवार गहरे सदमे में है। रामचरण भुइयां के दो पुत्र और तीन पुत्रियां थीं। दोनों बेटों के असमय निधन से परिवार में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और पिकअप वैन को जब्त कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद से प्रेमनगर गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कांकेबार में हाथियों का उत्पात, फसलों के बाद अब घरों को भी पहुंचा रहे नुकसान

रामगढ़ , एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के कांकेबार गांव में हाथियों का झुंड एक बार फिर पहुंच गया है। शुक्रवार की अहले सुबह एक हाथी बस्ती में घुस आया और एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर हाथी को वहां से भगाया। बता दें कि कांकेबार के आगे पहाड़ी रास्ता है, जहां से हाथी अक्सर गांव में आते-जाते रहते हैं। पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड कांकेबार के पहाड़ी इलाकों में ही डेरा डाले हुए हैं। इससे पहले भी हाथियों ने गांव में फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया था, खासकर आलू की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। ग्रामीणों ने पहले ही आशंका जताई थी कि फसलें खत्म होने के बाद हाथी घरों पर हमला कर सकते हैं।

फसलों के बाद अब हाथी घरों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण दहशत में जी रहे हैं। वे पूरी रात जागकर बिताने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने हाथियों से बचने के कई उपाय किए हैं, लेकिन कोई भी कारगर साबित नहीं हो रहा है। हाथी घरों में रखे अनाज को खा रहे हैं और घरों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दे दी है। उनका आरोप है कि वन विभाग समय पर कार्रवाई नहीं करता और केवल खानापूर्ति करता है। ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त फसलों और घरों के लिए मुआवजे की मांग की है। साथ ही, उन्होंने हाथियों को जल्द से जल्द इलाके से भगाने की भी मांग की है, क्योंकि वे अब डर के साए में जी रहे हैं।

पश्चिमी सिंहभूम के दामोदरसाई गांव में जंगली हाथी का हमला

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम), एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव प्रखंड स्थित दामोदरसाई गांव में गुरुवार को एक जंगली हाथी ने उत्पात मचाया। हाथी ने एक ग्रामीण के घर पर हमला कर उसकी दीवार तोड़ दी और अंदर घुस गया। इस घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाथी ने अपनी सूंड और पैरों से घर की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया। उसने घर के भीतर रखे घरेलू सामान और अनाज को भी बर्बाद कर दिया, जिससे पीड़ित परिवार को काफी आर्थिक नुकसान हुआ। घटना के समय घर में मौजूद लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे।हाथी के अचानक हमले से पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। महिलाएं और बच्चे दहशत में आ गए, जबकि कई ग्रामीण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। आसपास के गांवों से भी लोग मौके पर पहुंचे और एकजुट होकर हाथी को भगाने का प्रयास किया।ग्रामीणों ने आग जलाकर, शोर मचाकर और पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल कर काफी मशक्कत के बाद हाथी को गांव से जंगल की ओर खदेड़ दिया। हालांकि, इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है।

मैं मुस्लिम, रामायण हिंदू..

AR Rehman ने रणबीर कपूर की फिल्म में काम करने को लेकर कही बड़ी बात

ऑस्कर विनर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान ने हाल ही में मुस्लिम होने के बावजूद फिल्म निर्माता नितेश तिवारी की अपकमिंग महाकाव्य फिल्म रामायण में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया।

एआर रहमान ने साफ किया कि कला और ज्ञान को धार्मिक सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता। इस प्रोजेक्ट में ऑस्कर विजेता संगीतकार हंस जिमर के साथ काम कर रहे संगीतकार ने बताया कि उनकी परवरिश ने उन्हें बचपन से ही भारतीय महाकाव्यों से परिचित कराया।

8 साल से नहीं मिला काम?

बीते दिनों हमने आपको बताया था कि एआर रहमान ने कहा था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें पिछले 8 सालों से काम नहीं मिला है और इसकी वजह उन्होंने इंडस्ट्री में होने वाली राजनीति को बताया था। सिंगर ने अपने करियर और धार्मिक विश्वास को लेकर कई सारी बातें कीं। हाल ही में हुई एक बातचीत में, रहमान ने रामायण में अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए आस्था और पहचान से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने धार्मिक विभाजन और छोटी सोच से ऊपर उठने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ब्राह्मण स्कूल में की पढ़ाई

रहमान ने कहा, 'मैंने एक ब्राह्मण स्कूल में पढ़ाई की है, और हर साल हमारे यहां रामायण और महाभारत पढ़ाया जाता था, इसलिए मैं कहानी जानता हूं।' रहमान ने कहा कि समाज को छोटी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें संकीर्ण मानसिकता और स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। जब हम ऊपर उठते हैं, तो हम तेजस्वी हो जाते हैं, और यह बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें रामाण जैसे प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर गर्व है जो वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करता है। रहमान ने कहा, 'हंस जिमर यहूदी हैं, मैं मुसलमान हूं, और रामायण हिंदू धर्म पर आधारित है। यह भारत से पूरी दुनिया के लिए प्रेम के साथ आ रहा है। जिन लोगों को जानकारी नहीं है, उन्हें बता दें कि मद्रास में दिलीप कुमार राजगोपाला के रूप में जन्मे रहमान ने 1989 में इस्लाम धर्म अपना लिया था।

करिश्मा कपूर को SC का नोटिस

दिखाने होंगे तलाक के कागज, संजय कपूर की बहन ने प्रिया सचदेव को फटकारा

संजय कपूर की दोनों पत्नियों- एक्स वाइफ करिश्मा कपूर और तीसरी पत्नी प्रिया कपूर के बीच कानूनी विवाद चल रहा है। संजय की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर विवाद है, जिसमें कोर्ट ने करिश्मा को तलाक के रिकॉर्ड दिखाने को कहा है। कोर्ट ने प्रिया कपूर की याचिका पर जवाब मांगा है।

कोर्ट ने करिश्मा कपूर से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने एक्ट्रेस करिश्मा कपूर को नोटिस जारी कर प्रिया कपूर की उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें उन्होंने संजय कपूर से 2016 में हुए करिश्मा के तलाक के रिकॉर्ड मांगे हैं। प्रिया कपूर दिवंगत संजय कपूर की तीसरी पत्नी हैं और फिलहाल करिश्मा कपूर के बच्चों के साथ अपने पति की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। सुनवाई के दौरान करिश्मा कपूर के वकील ने याचिका का कड़ा विरोध करते हुए इसे बेबुनियाद और निजी कहा। न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई करते हुए करिश्मा को अपनी आपत्ति बताने के लिए

कहा और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया।

प्रिया ने करिश्मा से की डिमांड

प्रिया ने अपने आवेदन में करिश्मा और संजय के तलाक के कागज दिखाने को कहा है। ताकि उनके दिवंगत पूर्व पति द्वारा किए गए दावों और बच्चों पर खर्च की व्यवस्थाओं का पता लगाया जा सके। इस मामले में संजय कपूर की बहन मंधिरा कपूर स्मिथ ने कहा, 'यह सब मामले से ध्यान भटकाने की कोशिश है। पहली बात तो यह है कि अगर मेरे भाई को यह बात उनसे शेयर करनी होती, तो वे शादी के दौरान ही कर देते। इसलिए, मुझे समझ नहीं आता कि वह यह सब क्यों कर रही हैं।'

संजय कपूर की बहन भी बोलीं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि तलाक गोपनीय मामला होता है। करिश्मा और संजय के बच्चे हैं। ऐसा नहीं है कि बिना बच्चों के तलाक हो जाता है। मुझे नहीं लगता कि यह किसी और का निजी मामला है, सिवाय उन दो लोगों के जो इसमें शामिल हैं।'

Dhanush के साथ शादी की खबरों पर Mrunal Thakur का जवाब, कहा- 'लोग कुछ भी...'

सेलिब्रिटी की शादियों को लेकर अफवाहें अक्सर तथ्यों से ज्यादा तेजी से फैलती हैं। इस बार मृणाल ठाकुर और धनुष इसका केंद्र बने। सुबह ये खबर आई कि कपल वैलेंटाइन्स डे के मौके पर 14 फरवरी को सात फेरे लेने वाले हैं। हालांकि मृणाल ने फैंस के दिल में ये खुशी ज्यादा देर टिकने नहीं दी। फैंस को अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। हिन्दुस्तान टाइम्स ने एक्ट्रेस के करीबी से संपर्क किया जहां उन्होंने शादी की अफवाह को पूरी तरह से नकार दिया है।

क्या वाकई शादी कर रहे मृणाल और धनुष?

अभिनेत्री के करीबी एक सूत्र ने स्पष्ट किया कि शादी की खबरों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा- 'मृणाल अगले महीने शादी नहीं कर रही हैं। यह एक अफवाह है जो बेवजह फैल रही है।' इस तरह कपल की शादी को लेकर उत्साहित फैंस की खुशी पल में छूमंतर हो गई। उन्होंने आगे बताया कि शादी की जो तारीख बताई जा रही है उस दौरान मृणाल की 'दो दीवाने शहर में'में रिलीज होने वाली है। इस मूवी में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। इस वजह से इस बात की और भी पुष्टि नहीं होती। इसके बाद मार्च में उनकी एक तेलुगु फिल्म रिलीज होने वाली है।

Don लौट आया!

रणवीर के आउट होते ही Shah Rukh Khan ने 'डॉन 3' के लिए बोला हां, सिर्फ एक शर्त पर करेंगे फिल्म?

फरहान अख्तर की सुपरहिट फ्रेंचाइजी डॉन के तीसरे पार्ट को लेकर एक्साइटमेंट तो बहुत है, लेकिन यह फिल्म शुरू ही नहीं हो पा रही है। पहले रणवीर सिंह शाह रुख खान को रिप्लेस कर डॉन बनने वाले थे, लेकिन धुरंधर की रिलीज के बाद एक्टर के भी डॉन 3 छोड़ने की खबरें आने लगीं। फिर एक और एक्टर को फिल्म के लिए अप्रोच किया गया। मगर अब खबर है कि मेकर्स की आखिरी सुई अब असली डॉन यानी शाह रुख खान पर अटक गई है। इसका मतलब डॉन 3 में भी शाह रुख ही गैंगस्टर बनकर धमाल मचाने वाले हैं, लेकिन सिर्फ एक शर्त पर। ऐसी चर्चा है कि शाह रुख खान ने फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रखी है और वह उसी शर्त पर डॉन 3 करेंगे।

शाह रुख की डॉन 3 में वापसी?

टेलीचक्कर की रिपोर्ट की मानें तो शाह रुख खान डॉन 3 करने के लिए मान गए हैं और अपने आइकॉनिक रोल में वापसी के लिए एक्साइटेड भी हैं। हालांकि, उन्होंने फरहान अख्तर के सामने एक शर्त रख दी है जो उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के डायरेक्टर एटली से जुड़ी है।

शाह रुख ने डॉन 3 के लिए क्या रखी शर्त?

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शाह रुख तभी डॉन 3 का हिस्सा बनेंगे, जब एटली को फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि एक्टर फिल्म का स्केल और दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ाने के लिए एटली को शामिल करने की बात कह रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई फाइनल फैसला नहीं लिया गया है। मेकर्स और स्टार्स की तरफ से भी इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में दैनिक जागरण इसका दावा नहीं करता है।

डॉन-डॉन 2 से धमाल मचा चुके हैं शाह रुख

बात करें डॉन 3 की तो यह फरहान अख्तर की हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। डॉन और डॉन 2 में शाह रुख खान ने अपने आइकॉनिक रोल्स से दर्शकों का दिल चुरा लिया था। हालांकि, तीसरे पार्ट में रणवीर सिंह उनकी जगह लेने वाले थे लेकिन अब उनका पत्ता भी कट गया है। यह भी कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन डॉन 3 में आ सकते हैं। अब देखते हैं कि शाह रुख की फिल्म में वापसी होती है या नहीं।

TMKOC में पत्रकार पोपटलाल की होगी शादी!

तारक मेहता का उल्टा चश्मा ' पिंक सिटी जयपुर की में मजेदार एपिसोड के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में, पूरी कास्ट ने पहली बार जयपुर में कुछ एपिसोड की शूटिंग की। शहर की संस्कृति और सेलिब्रेशन का माहौल हर किसी को पसंदआ रहा है। ये सब पोपटलाल से जुड़ा है। जयपुर के इस एपिसोड में, पोपटलाल, रूपा रतन का परिवार और टप्पू सेना शहर में पहुंचते नजर आएंगे। रूपा को एक रिश्तेदार का फोन आएगा। रिश्तेदार पोपटलाल के लिए एक रिश्ते का प्रस्ताव रखेगा, लेकिन एक शर्त के साथ। होने वाली दुल्हन एक अनोखी शर्त रखेगी। वह कहेगी कि मकर संक्रांति के दौरान जो भी उसकी पतंग काटेगा, वही उससे शादी करेगा। जैसे-जैसे मजा आगे बढ़ता है, पोपटलाल बढ़ती उम्मीदों और चुनौतियों के बीच फंसा हुआ नजर आएगा। हर पल एक नया सरप्राइज लेकर आता है, जिससे दर्शक यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या पोपटलाल आखिरकार मंडप तक पहुंच पाएगा या किस्मत ने कुछ और ही तय कर रखा है। शूटिंग की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, क्योंकि टीम ने असली लोकेशन पर शूटिंग की है। टप्पू सेना से लेकर पोपटलाल तक, जयपुर के लोग अपने पसंदीदा कलाकारों को अपने शहर में शूटिंग करते देखकर बेहद खुश थे।

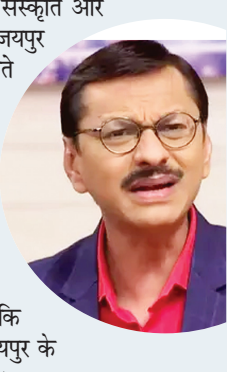

सलमान खान से लेकर कपिल शर्मा तक, बी प्राक से पहले बिश्नोई गैंग ने इन कलाकारों को दी धमकी

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सिंगर बी प्राक को धमकी दी है। इससे पहले बिश्नोई गैंग ने कई कलाकारों को धमकी दी है। बिश्नोई गैंग ने ज्यादातर धमकी उन कलाकारों को दी है जो सलमान खान से जुड़े हैं।

सिंगर बी प्राक को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने धमकी दी है। धमकी के साथ सिंगर से 10 करोड़ रुपये भी मांग गए हैं। धमकी में कहा गया है 'दस करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे...।' सिंगर बी प्राक को मिली धमकी सिंगर दिलनूर को भेजे गए ऑडियो रिकॉर्डिंग के जरिए दी गई है। सिंगर बी प्राक बॉलीवुड के मशहूर सिंगर हैं। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कई सेलेब्स को धमकी दी है। दिग्गज अभिनेता सलमान खान को बिश्नोई गैंग से लगातार धमकियां मिली हैं। उनके घर पर 14 अप्रैल 2024 को हमला भी हुआ था। इसकी वजह से उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई। बताया जाता है कि सलमान खान ने कथित तौर पर काले हिरण का शिकार किया था जिसकी वजह से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। भोजपुरी स्टार पवन सिंह को सात दिसंबर 2025 को बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। धमकी में कहा गया था 'सलमान खान के साथ काम न करें।' पवन सिंह 'बिग बॉस' के फाइनल में बतौर मेहमान शामिल होने वाले थे, इससे पहले उन्हें धमकी मिली। धमकी के बाद भी पवन सिंह शो में शामिल हुए थे।

कपिल शर्मा को अगस्त 2025 में बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। पहले कनाडा में मौजूद उनके कैफे पर हमला हुआ। इसके बाद उनको गैंग से धमकी मिली है। बताया गया कि कॉमेडियन ने सलमान को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 2 में बुलाया था। इसलिए उन्हें धमकी मिली थी। धमकी का ऑडियो सामने आया था, जिसमें कहा गया था 'जो सलमान के साथ काम करेगा वो मरेगा।' 14 दिसंबर 2024 को राजपाल यादव को एक ई-मेल मिला था जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। राजपाल यादव ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। अंबोली पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक सदाशिव निकम ने बताया 'मेल भेजने वाले ने बिश्नोई गिरोह का सदस्य होने का दावा किया है।

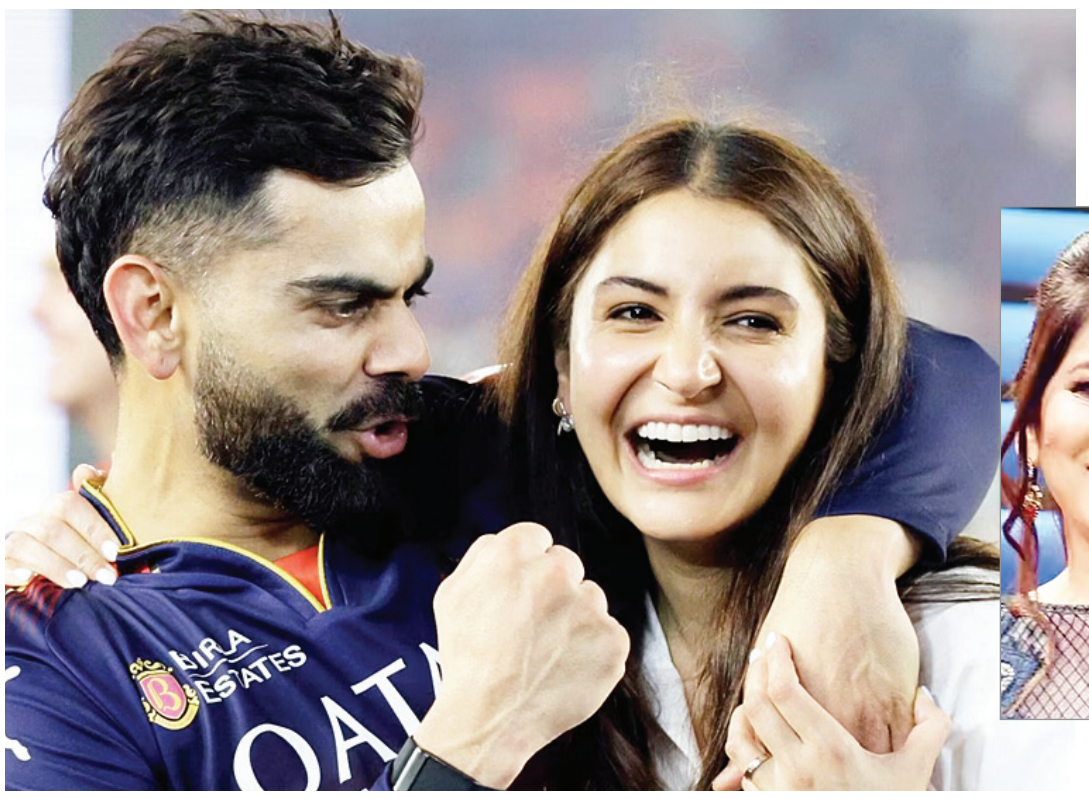

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने अलीबाग में खरीदी 5.1 एकड़ जमीन

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बॉलीवुड और खेल जगत के चर्चित कपल्स में से एक हैं, जो अक्सर ही किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहते हैं।

अब हाल ही में इस कपल की ओर से खबर सामने आ रही है कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर अलीबाग में एक प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसके लिए उन्होंने मोटी रकम अदा की है। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, विराट-अनुष्का पिछले महीने ट्रिप के दौरान अलीबाग गए थे और तभी इन्होंने एक और प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसका सौदा अब उन्होंने पक्का कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और उनके क्रिकेटर पति ने 5.1 एकड़ जमीन खरीदी है, जिसके लिए उन्होंने लगभग 37.86 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। प्रॉपर्टी के कागजों से यह जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि जीराद गांव में स्थित यह जमीन समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक सोनाली अमित राजपूत से खरीदी गई है।

डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स ने पुष्टि की है कि दो जमीनों के इस सौदे का रजिस्ट्रेशन 13 जनवरी को हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, विराट कोहली के भाई विकास कोहली ने उनकी ओर से सारे पेपर वर्क किए। स्टांप ड्यूटी के लिए लगभग 2.27 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। बता दें, अनुष्का-विराट का यह अलीबाग में दूसरा बड़ा निवेश है।

साल 2022 में कपल ने रियल एस्टेट डेवलपर समीरा हैबिटेट्स से दो अलग-अलग प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसमें 19.24 करोड़ रुपये में लगभग आठ एकड़ जमीन शामिल थी। उस जमीन पर विरुष्का ने एक आलीशान हॉलिडे होम बनाया है।

अर्चना पूरन सिंह के पति ने शराब पीने को लेकर उड़ाया बीवी का मजाक, काला नमक चावल की रेसिपी पूछने लगे लोग

अर्चना पूरन सिंह एक बार फिर अपने नए व्लॉग को लेकर आ चुकी हैं। और इस बार उनके पति ही उनका मजाक उड़ाते नजर आए, वो भी शराब पीने को लेकर। अर्चना ने कहा कि कपिल शर्मा ने उनका नाम खराब किया है। फिर लोगोंने उनसे काला नमक चावल की रेसिपी पूछी। अर्चना पूरन सिंह अपने यूट्यूब चैनल पर 'आप का परिवार' नाम से एक नया व्लॉग लेकर वापस आ गई हैं। इस बार उनका पूरा परिवार घर पर साथ समय बिता रहा है और वे अपने रूटीन को कैमरे में कैद कर रहे हैं।

व्लॉग के दौरान, अर्चना और उनके पति परमीत सेठी ने ब्रांड प्रमोशन और घर में कौन ज्यादा जगह घेरता है, जैसे मुद्दों पर मजेदार बातचीत की। डीडीएलजे एक्टर ने यह भी बताया कि एकता कपूर पर उनके खोए हुए अरमानी सूट के 2 लाख रुपये बकाया हैं। व्लॉग की शुरुआत में, सेठी परिवार ने एक साथ फुटबॉल मैच देखा, फिर वे अपने-अपने कामों में लग गए।

अर्चना एक ब्रांड के साथ मीटिंग में शामिल हुईं, जिसका वे प्रचार करती हैं, और उन्होंने कहा, 'मीटिंग अच्छी रही। मुझे ऐसे ब्रांड्स के साथ काम करना पसंद है जो मेरे वैल्यू से मेल खाते हों, जहां मुझे ऐसी कोई चीज न बेचनी पड़े जिस पर मुझे विश्वास न हो।' परमीत ने उनसे पूछा, 'तो, आप शराब नहीं बेचेंगी?' अर्चना ने जवाब दिया, 'आप शराब बेचेंगे। और आपके शरीर में जितनी शराब भरी है, आप उसे पूरे भारत में बेच सकते हैं। मेरे बारे में बात मत करो, मैं शराब नहीं पीती। मेरा नाम कपिल ने खराब किया है।'

26 जनवरी से पहले दिल्ली में अलर्ट, मेट्रो स्टेशनों-बाजारों में लगाए वांटेट आतंकियों के पोस्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में 77वें गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी सूरत में कोई जोखिम नहीं लेना चाहतीं। इसी वजह से मेट्रो स्टेशनों, चौराहों और व्यस्त बाजारों में ताजा 'मोस्ट वांटेड' आतंकियों के पोस्टर चिपका दिए गए हैं। ये पोस्टर लोगों को सतर्क करने के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती का भी संकेत दे रहे हैं। टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टरों में सबसे प्रमुख नाम है अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला का, जो खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ है। यह शख्स पहले पंजाब में गैंगस्टर था, लेकिन अब कनाडा से बैठकर अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क चला रहा है। हरदीप सिंह निज्जर की मौत (जून 2023 में कनाडा में) के बाद उसने संगठन की कमान संभाली। खुफिया एजेंसियां इसे सांप्रदायिक अशांति फैलाने का मास्टरमाइंड मानती हैं। सबसे चर्चित मामला 2022 का है, जब दिल्ली में एक हिंदू व्यक्ति की हत्या कराई गई। हत्यारों नौशाद और जग्गा ने शिकार को सिर्फ इसलिए चुना क्योंकि उसके शरीर पर शिव और त्रिशूल का टैटू था। अर्श डल्ला फिलहाल कनाडा में है, जहां हाल ही में उसकी एक गोलीबारी की घटना में शामिल होने की खबर आई। भारतीय एजेंसियां उसके नेटवर्क को खत्म करने में जुटी हैं ताकि गणतंत्र दिवस पर कोई गड़बड़ न हो। इसके अलावा पोस्टरों में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के चीफ रंजीत सिंह नीता और परमजीत सिंह पम्मा को जगह मिली है । नीता लंबे समय से हथियार तस्करी और बॉर्डर पार मिलिटेंसी का खेल खेल रहा है। वहीं पम्मा अलगाववादी गतिविधियों के लिए लॉजिस्टिक्स और फंडिंग का इंतजाम करता है। दिल्ली पुलिस इन सभी को साथ रखकर साफ संदेश दे रही है कि खालिस्तानी आतंक को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुरक्षा बल खालिस्तानी धमकी के साथ-साथ जिहादी तत्वों पर भी फोकस कर रहे हैं। नए पोस्टरों में संभल के दीपा सराय से शरजील अख्तर, आईएस मॉड्यूल केस में वांटेड मोहम्मद रेहान और अल-कायदा से जुड़ा झारखंड के चतरा का मोहम्मद अबू सुफियान भी शामिल है।

सुफियान 2012 में जमशेदपुर के एक मदरसे में ट्रेनिंग ले चुका है। उसके बाद पाकिस्तान गया, नेपाल होते हुए 2015 में भारत लौटा। यहां मौलाना अब्दुल रहमान से मिलकर उसने अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट के लिए कैडर तैयार करना शुरू किया। वह कभी गिरफ्तार नहीं हुआ। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि वह अब अफगानिस्तान या पीओके में है और भारत में सो स्लीपर सेल्स के जरिए युवाओं को भर्ती-ट्रेनिंग दे रहा है।

ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में बनेगा नमो भारत ट्रेन जंक्शन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार और गुरुग्राम से फरीदाबाद होकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक चलने वाली दोनों नमो भारत ट्रेन परियोजना का ग्रेटर नोएडा के सूजरपुर में जंक्शन बनेगा। सूजरपुर में दोनों लाइनें आपस में जुड़ेंगी। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (महुआ) और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की बैठक में यह निर्णय हुआ। फिलहाल इसके वित्तीय मॉडल पर मुहर लगना बाकी है। नोएडा एयरपोर्ट तक गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार से नमो भारत और मेट्रो के 72.4 किलोमीटर ट्रैक की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार है। हालांकि, पूर्व में नमो भारत को दिल्ली सराय काले खां से जोड़कर चलाने पर मंथन हुआ था, लेकिन अब गाजियाबाद से ही इसे एयरपोर्ट तक अंतिम रूप दिया जाएगा। यह 71.3 किलोमीटर ट्रैक एलिवेटेड और 1.1 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगा। इस ट्रैक पर 22 स्टेशन बनेंगे, जिनमें 11 नमो भारत और 11 मेट्रो के होंगे। यह रूट दो हिस्सों में तैयार होगा। पहला गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार से शुरू होकर चार मूर्ति होते हुए इकोटेक-6 और दूसरा इकोटेक-6 से यमुना सिटी के सेक्टर-17, 18 व 21 (फिल्म सिटी) होते हुए नोएडा एयरपोर्ट तक जाएगा। डीपीआर को उत्तर प्रदेश सरकार ने सैद्धांतिक सहमति देते हुए नवंबर 2024 में महुआ को भेजा। गत 29 दिसंबर को दिल्ली में अर्बन ट्रांसपोर्ट की बैठक हुई। बैठक में महुआ, एनसीआरटीसी, नायल के अधिकारी शामिल हुए थे।

बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर भारत का शीर्ष नेतृत्व गंभीर: मुख्तार अब्बास नकवी

कहा - जिहादियों का जंगल बन चुका है बांग्लादेश

प्रयागराज, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर कहा है कि बांग्लादेश जिहादियों का जंगल बन चुका है। वहां के कट्टरपंथी मौलवियों ने देश की व्यवस्था को हाइजैक कर लिया है। नकवी ने शुक्रवार को प्रयागराज के सर्किट हाउस में मीडिया से कहा कि बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर भारत का शीर्ष नेतृत्व गंभीर है। भारत बिना किसी शोरगुल के हिंसा के खिलाफ कार्रवाई में जुटा हुआ है, आने वाले दिनों में जल्द ही इसका व्यापक असर दिखाई देगा।

भाजपा नेता ने महागठबंधन पर जमकर

निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि गठबंधन की गठरी में अनेकों छेद और मतभेद व्याप्त हैं। हर चुनाव में नया गठबंधन तैयार होता है, चुनाव समाप्त होने के बाद गठबंधन भी समाप्त हो जाता है। कांग्रेस जो कभी मुल्क की पार्टी हुआ करती थी आज वह मोहल्ले की पार्टी बनकर रह गई है। वहीं, कांग्रेस, सपा समेत अन्य राजनैतिक दल बिना जनाधार के सरकार बनाने की जुगत में लगे रहते है। कांग्रेस से कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली पार्टियों को समझना चाहिए कि कांग्रेस की जमीन जरूर बंजर है फिर भी उसके हाथ में बेवफाई का खंजर है।

विपक्ष पर गरजे नकवी

मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कांग्रेस, सपा समेत कुछ अन्य सियासी दल चुनावी मैदान में रण बांकुरी की जगह रण छोड़ बहादुरी की प्रतिस्पर्धा और पराक्रम में जुटे हैं। उविपक्षी कुनबे का कुंठित कारवा इस संकल्प को सिद्धि साबित करने वाली तपस्या की ताक़त और परिश्रम के परिणाम से सबक-संदेश लेने के बजाय कुंठा, कटुता, कोलाहल के कबाड़खाने में कैद होता जा रहा है। भय-भ्रम के भौकाल से प्रजातंत्र को परिवार तंत्र का बंधक बनाने का झक्की झकमारी झुंड, चुनावी मैदान में झटके पर झटका झेल रहा है। उन्होंने कहा कि सत्तालोलुप सुल्तानों की संवैधानिक संस्थानों की सामंती लींचिंग की सनक उनका सियासी सूपड़ा साफ़ कर रही है। भाजपा के विजय की गिनती ने सामंती सियासत और विरासत का गणित बिगाड़ दिया है, कांग्रेस जैसी मुल्क की पार्टी को मोहल्ले का महंगा बना दिया है।

अगले साल तक 350 की रफ्तार से चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस, रेलवे की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे अब एक ऐतिहासिक बदलाव के मुहाने पर खड़ी है। भविष्य की वंदे भारत 4.0 ट्रेनें 350 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने के लिए तैयार हैं, जो भारत को दुनिया के सबसे तेज रेल प्रणालियों वाले देशों की श्रेणी में खड़ा कर देगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह विकास भारत की अगली पीढ़ी की हाई स्पीड रेल यात्रा के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसे विशेष रूप से 'डेडीकेटेड हाई-स्पीड कॉरिडोर' के लिए डिजाइन किया जा रहा है। जैसे कि मुंबई-अहमदाबाद रूट।

फरवरी 2019 में पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेनसेट की शुरुआत हुई थी। सितंबर 2022 में सुरक्षा फीचर्स बढ़ाया गया। इसके बाद 2025 में ऊर्जा दक्षता और यात्री सुविधाओं में सुधार की गई। 2026 में इसका स्लीपर वेरिएंट लॉन्च किया जाएगा। यह लंबी दूरी की ट्रेन होगी, जो कि रात में भी चलेगी। 2027 में इसका चौथा वर्जन लॉन्च किया जाएगा, जिसकी अधिकतम स्पीड 350 किमी/घंटा की होगी। आपको बता दें कि 2047 तक देशभर में 4,500 वंदे भारत ट्रेनों का लक्ष्य रखा गया है।

अगर भारत में कुछ भी होता है, तो इसके बारे में हिंदुओं से पूछा जाएगा: मोहन भागवत

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा घटित हो, तो हिंदुओं से इसके बारे में पूछा जाएगा, क्योंकि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है। भागवत ने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है। इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। उन्होंने यह बातें मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में कहीं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'जो लोग एकीकरण और सद्भावपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है।' उन्होंने कहा कि अगर लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करें तो देश भी वैश्विक मंच पर इन गुणों को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व भारत से कुछ अपेक्षा रखता है और पर्याप्त शक्ति व प्रभाव होने पर देश सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा। भागवत ने कहा कि शक्ति में केवल सशस्त्र बल ही नहीं, बल्कि बुद्धि, सिद्धांत और नैतिक मूल्य भी शामिल होते हैं।

माघ मेला 2026: देश की पहली किन्नर वकील बनीं महामंलेश्वर, 11 संतों का हुआ पट्टाभिषेक

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में पिछले दिनों जिले में गठित हुए सनातनी किन्नर अखाड़े का माघ मेला क्षेत्र में विस्तार हो रहा है। मेला में पहली बार हुए पट्टाभिषेक कार्यक्रम में अखाड़े में 11 संतों को पद दिया गया। जिसमें 10 को महामंडलेश्वर बनाया गया, जबकि एक संत को महंत बनाया गया है। इन लोगों में एक पुरुष व दो महिला शामिल हैं। साथ ही देश की पहली किन्नर अधिवक्ता को भी महामंडलेश्वर की जिम्मेदारी दी गई है।

अखाड़े में पट्टाभिषेक से पहले उन सभी मान्यताओं और नियमों का पालन किया गया, जिसका निर्वहन परंपरागत रूप से चले आ रहे 13 अखाड़े करते हैं। पांच गुरुओं से दीक्षा दिलाई गई। एक गुरु ने लंगोटी दी, दूसरी ने कंठी, एक ने चोटी काटी और एक ने भस्म दी। सभी ने पहले संगम पर खुद का पिंड दान किया और नियमों को पूरा कर गंगा स्नान किया। जिसके बाद आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि 'टीना मां' ने गुरुमंत्र दिया। जिन संतों को पद दिया गया है, उसमें दिल्ली से पूनम मां, देहरादून से नीतेश शंकर नंद गिरि, कोलकाता से अभिरूपा रंजीता, दिल्ली से पवित्रानंद गिरि, हरिद्वार किन्नर धाम से तारा, पंजाप से सोनम नंद गिरि, महाराष्ट्र से उमा पुजारी, ज्योति स्वामी, श्रीगायत्री, प्रयागराज से संजना कौशल्यानंद गिरि को महांडलेश्वर बनाया गया है, जबकि प्रयागराज की रानी कौशल्यानंद गिरि को महंत का पट्टाभिषेक किया गया है।

कोलकाता की अभिरूपा रंजीता देश की पहली महिला किन्नर अधिवक्ता हैं। वहीं पवित्रा और तारा महिलाएं हैं और नीतेश पुरुष हैं। आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि ने बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने के लिए हर समुदाय को शामिल किया गया है। संतों ने बताया कि आने वाले दिनों में कश्मीरी पंडितों और दक्षिण भारत के लोगों को भी संत बनाया जाएगा।

रील मत बनाओ, सनातन को बढ़ाओ

किन्नर अखाड़े में शुक्रवार को सात महामंडलेश्वर, छह श्रीमहंत, 11 महंत और 21 कंठी चेला बनाए गए। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने सभी को गुरु मंत्र देकर दीक्षा दी। इस दौरान आचार्य ने सभी से कहा कि रील मत बनाओ, सनातन धर्म को आगे बढ़ाओ। उन्होंने आने वाले कुम्भ मेलों की तैयारियों में जुटने के लिए कहा। किन्नर अखाड़ा के आचार्य वैष्णव अखाड़ा के अध्यक्ष पद की घोषणा की गयी, उडीसा की महामंडलेश्वर स्वामी देवांशी को अध्यक्ष बनाया गया। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ की पारोनंद गिरि, महाराष्ट्र की नेहानंद गिरि, ओडीसा की देवांशी नंद गिरि (रक्षा नंद गिरि), रांची की अमरजीत नंद गिरि रांची, दिल्ली की शालूनंद गिरि और जबलपुर की साक्षीनंद गिरि जबलपुर को महामंडलेश्वर बनाया गया। जबकि राधिकानंद गिरि, किंजल, कामाक्षी नंद गिरि, सुनील नंद गिरि और शुभम नंद गिरि सहित 21लोगों को कंठी चेला और 11 महंत बनाए गए हैं।

लोग पूछते हैं कि मैं मोदी से अक्सर क्यों मिलता हूं: मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जितनी बार भी मिलना पड़े वो मिलेंगे। निर्मल जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री से आदिलाबाद जिले के लिए हवाई अड्डा मंजूर करने का अनुरोध करेंगे ताकि संपर्क सुविधाओं में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि कई लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं नरेन्द्र मोदी से अक्सर क्यों मिलता हूं। वे मेरे रिश्तेदार नहीं हैं और हमारा कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है, लेकिन वे देश के प्रधानमंत्री हैं। हवाई अड्डा केवल प्रधानमंत्री की मंजूरी से ही बन सकता है। बड़ी उद्योग संस्थाएं आएंगी और धन आवंटित होगा।

मेरा व्यक्तिगत एजेंडा नहीं: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास के लिए किसी से भी मिलने में मैं एक क्षण के लिए भी हिचकिचाऊंगा नहीं। मैं उनसे सिफारिशों के लिए नहीं मिलता। मेरा कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है। रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गोदावरी नदी पर तुम्मिदिहट्टी में एक सिंचाई परियोजना का निर्माण करने की योजना भी बना रही है और इस परियोजना के लिए पड़ोसी महाराष्ट्र के सहयोग की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समर्थन से महाराष्ट्र प्रस्तावित परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करेगा।

बीआरएस पर साधा निशाना: विपक्षी बीआरएस पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान तेलंगाना लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को सलाह दी कि यदि वे राज्य सरकार को रचनात्मक सलाह नहीं दे सकते हैं तो उन्हें गुमराह करने वाले बयान देने से बचना चाहिए।

फडणवीस सरकार से इस्तीफा देंगे अजीत पवार?

भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद उठने लगे सवाल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सभी नगर निकाय चुनावों के परिणाम आ चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में अपना दबदबा न केवल बरकरार रखा है, बल्कि उसे और मजबूत किया है। अजीत पवार और शरद पवार की एकजुटता का दांव भाजपा के विजय रथ को रोकने में नाकाम रहा। भाजपा ने दोनों नगर निगमों में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है।

पुणे में भाजपा को 165 में से 110 सीटें मिली हैं। वहीं, एनसीपी और शरद पवार कैंप को मात्र 2 सीटें मिली हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ की 128 सीटों में से भाजपा को 81 और अजीत गुट को सिर्फ 36 सीटें मिली हैं। भाजपा ने पहली बार इन दोनों नगर निगमों में अपने दम पर सत्ता हासिल की है। इससे पहले वह गठबंधन का हिस्सा रही थी।

पवार फैमिली का भविष्य क्या है?: अजीत पवार और शरद पवार के फिर से साथ आने के बावजूद मिली इस करारी हार ने दोनों गुटों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। महायुति

सरकार में रहते हुए भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ना और भ्रष्टाचार के आरोप लगाना उनके लिए उल्टा पड़ गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने यहां तक कह दिया कि पार्टी को अजीत पवार को साथ लेने पर पछतावा है। अब अजीत पवार को या तो भाजपा के सामने झुककर रहना होगा या फिर पूरी तरह अपने चाचा के साथ विलय की संभावना तलाशनी होगी। शरद पवार की पार्टी 24 नगर निकायों में अपना खाता तक नहीं खोल पाई है। पुणे जैसे अपने गढ़ में मात्र 2 सीटें जीतना पार्टी के संगठनात्मक ढांचे के चरमराने का संकेत है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए दोनों एनसीपी गुटों का स्थायी रूप से मिल जाना ही उनके बचने का एकमात्र रास्ता हो सकता है।

19 जनवरी तक मेला क्षेत्र नो-व्हीकल जोन

प्रयागराज, एजेंसी। माघ के तृतीय स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर सर्वाधिक स्नानार्थियों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। मौनी अमावस्या के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रयागराज की सीमा पर भारी व हल्के वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लग जाएगी। समूचे मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है। यह प्रतिबंध 19 जनवरी की रात 12 बजे तक जारी रहेगा।

प्रशासन के अनुसार, 19 जनवरी की रात 12 बजे तक प्रशासनिक व चिकित्सकीय वाहनों को छोड़कर सभी तरह के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में पूरा माघ मेला क्षेत्र नो-व्हीकल जोन रहेगा। साथ ही अक्षयवट दर्शन भी बंद रहेगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों और पैदल मार्गों का उपयोग

करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अगर इस अवधि के बाद भी मेला क्षेत्र में भीड़ रहती है तो यह प्रतिबंध भीड़ की समाप्ति तक लागू किया जा सकता है।

मेला में पैदल प्रवेश करेंगे श्रद्धालु

प्रयागराज शहर समेत, कानपुर-लखनऊ, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर व रीवा की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े होंगे। इसके अलावा, पांटून पुलों पर वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू रहेगा। परेड ग्राउंड से झूंसी की ओर जाने के लिए पांटून पुल संख्या 3, 5 और 7 का उपयोग होगा, जबकि झूंसी से परेड आने के लिए पांटून पुल संख्या 4 व 6 निर्धारित किए गए हैं। पांटून पुल संख्या 1 और 2 को आपात स्थिति के लिए रिजर्व रखा गया है।

उच्च अधिकारियों ने भ्रमण कर दिए निर्देश

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने शुक्रवार को मेला क्षेत्र का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेते हुए मेला क्षेत्र के चारों जोन उत्तरी झूंसी, दक्षिणी झूंसी, परेड और संगम में पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए गए। साथ ही प्रमुख जगहों पर तैनात पुलिस कर्मियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया।

विक्रमादित्य के नौकरशाहों पर बयान से हिमाचल में सियासी घमासान, बचाव में उतरे शिक्षा मंत्री

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह की बाहरी राज्यों के आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को लेकर की गई टिप्पणी ने राज्य की सियासत और अफसरशाही दोनों में हलचल मचा दी है। इस बयान को लेकर जहां एक ओर नौकरशाही खुलकर सामने आ गई है, वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के भीतर भी मतभेद सार्वजनिक हो गए हैं। इस पूरे विवाद में अब शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर विक्रमादित्य सिंह के समर्थन में सामने आए हैं, जबकि इससे पहले सरकार के तीन मंत्री उनके बयान पर आपत्ति जता चुके हैं।

रोहित ठाकुर बोले- कुशल मंत्री हैं विक्रमादित्य, सीएम दूर करें संशय: शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विक्रमादित्य सिंह का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह एक कुशल और प्रभावी मंत्री हैं। उनका कहना है कि अगर किसी मंत्री के मन में किसी मुद्दे को लेकर कोई बात या संशय है तो उसका स्पष्ट होना जरूरी है। रोहित ठाकुर ने इस पूरे

विवाद को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आग्रह किया है कि वह सरकार के मुखिया होने के नाते स्वयं इस मामले को स्पष्ट करें, ताकि किसी तरह का भ्रम न रहे।

रोहित ठाकुर ने यह भी कहा कि हिमाचल के विकास में न सिर्फ प्रदेश के अधिकारियों बल्कि बाहर से आए अधिकारियों का भी अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य में काम करने वाले अधिकारी सकारात्मक या नकारात्मक सोच के हो सकते हैं और यह जरूरी नहीं कि नकारात्मक सोच केवल बाहर से आए लोगों में ही हो। इससे पहले विक्रमादित्य सिंह की टिप्पणी पर सरकार के तीन मंत्री सार्वजनिक रूप से असहमति जता चुके हैं।

मीरा एंड्रीवा ने जीता एडिलेड इंटरनेशनल फाइनल

एडिलेड, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने एडिलेड इंटरनेशनल खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल में एंड्रीवा ने विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 6-1 से हराया। ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले एंड्रीवा के लिए यह जीत बेहद अहम है। म्बोको ने शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त बनाई। एंड्रीवा ने धीरे-धीरे मैच पर नियंत्रण पाकर लगातार नौ गेम जीते और आखिरी 13 में से 12 गेम जीतकर मुकाबला सिर्फ 64 मिनट में समाप्त कर दिया। इस जीत के साथ एंड्रीवा ने अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए टूर टाइटल और डब्ल्यूटीए 500 लेवल का पहला खिताब भी अपने नाम किया। जबकि उन्होंने टूर्नामेंट में गत चैंपियन मैडिसन कीज को क्वार्टर फाइनल में हराया और सेमीफाइनल में

किम्बर्ली बिरेल को मात दी थी। पूरे सप्ताह एंड्रीवा का खेल आत्मविश्वास से भरा दिखा था। एडिलेड में चार मैचों में उन्होंने 63 गेम्स में 21 सर्विस ब्रेक किए। उनकी सर्विंग भी असरदार रही। उन्होंने 125 में से 89 फर्स्ट-सर्व पॉइंट जीते, जो 71 प्रतिशत से अधिक है। फाइनल में म्बोको के खिलाफ एंड्रीवा ने पांच बार ब्रेक किया और फर्स्ट सर्व पॉइंट का 75 प्रतिशत तथा सेकेंड सर्व पॉइंट का 67 प्रतिशत जीतकर दबदबा बनाए रखा। उन्होंने केवल 11 अनफोर्स्ड गलतियों के साथ 15 विनर लगाए, जिससे दोनों विंग्स से उनका संयम और बैलेंस दिखा। एडिलेड ट्रॉफी एंड्रीवा के रिकॉर्ड में जुड़ गई, जिसमें एक डब्ल्यूटीए 250 और दो डब्ल्यूटीए 1000 सिंगल्स क्राउन शामिल हैं। उनके नाम डब्ल्यूटीए 1000 और डब्ल्यूटीए 500 डबल्स टाइटल भी हैं, और 2024 पेरिस ओलंपिक्स में डबल्स में सिल्वर मेडल भी है, जो उन्होंने पार्टनर डायना शनाइडर के साथ हासिल किया।
जीत के बाद, एंड्रीवा पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 7 पर पहुंच जाएंगी। वहीं हार के बावजूद म्बोको कई पॉजिटिव बातें लेकर जा रही हैं, यह उनके डब्ल्यूटीए फाइनल में पहली हार थी, और वह ऑस्ट्रेलियन ओपन डेब्यू से पहले करियर की बेस्ट रैंकिंग नंबर 16 पर पहुंचेंगी।

इंडिया ओपन

ब्लिचफेल्ट का फिर फूटा गुस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। मिया ब्लिचफेल्ट ने भारत ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं और हालात को लेकर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली।
डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और विश्व नंबर 20 मिया ब्लिचफेल्ट ने भारत ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं और हालात को लेकर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों को अस्वीकार्य और बेहद गैर-पेशेवर बताते हुए कहा कि ऐसे हालात में यहाँ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन होना बहुत मुश्किल नजर आता है।

ब्लिचफेल्ट ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास- भारत ओपन पहली बार नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन अगस्त में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इससे पहले यह टूर्नामेंट केडी जाधव इंडोर हॉल में होता था। ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट के पहले दिन ही अस्वस्थ परिस्थितियों की आलोचना की थी। दूसरे दौर में बाहर होने के बाद भारत से लौटते समय उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'भारत में बीते कुछ दिन बहुत मुश्किल रहे, मेरी उम्मीद से भी ज्यादा।

इंदौर में आज घरेलू रिकॉर्ड बचाने उतरेगा भारत

इतिहास रचने की फिराक में न्यूजीलैंड

इंदौर (एजेंसी)। घरेलू मैदान पर वनडे में शानदार रिकॉर्ड रखने वाली भारतीय टीम रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले में उसे बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। तीन मैचों की श्रृंखला फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है, ऐसे में यह मुकाबला निर्णायक बन गया है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की नजर भारत में पहली बार द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने पर टिकी होगी। मार्च 2019 के बाद से भारत ने अपने घरेलू मैदान पर कोई भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं गंवाई है। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने 0-2 से पिछड़ने के बावजूद 3-2 से श्रृंखला अपने नाम की थी। अब एक बार फिर यह रिकॉर्ड दांव पर लगा है। न्यूजीलैंड के लिए भी यह मैच बेहद अहम है, क्योंकि 1989 से भारत के दौरों के बावजूद वह यहां कभी वनडे श्रृंखला नहीं जीत सका है। मौजूदा परिस्थितियों में यह उसके लिए सुनहरा मौका माना जा रहा है।

गंभीर की अगुआई में दबाव में भारत

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं चाहेंगे कि उनके कार्यकाल में घरेलू मैदान पर एक और श्रृंखला हाथ से निकल जाए। उनके कोच रहते भारत ने घर में पांच टेस्ट गंवाए हैं और पहली बार श्रीलंका में वनडे श्रृंखला भी हारी है। राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में भारत की हार किसी एक असाधारण पारी का नतीजा नहीं थी, बल्कि बीच के ओवरों में न्यूजीलैंड के शानदार नियंत्रण का परिणाम थी।

स्पिन के खिलाफ संघर्ष और इंदौर की चुनौती

डैरिल मिचेल का नाबाद शतक सुनियोजित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण था, जिसमें उन्होंने खास तौर पर भारतीय स्पिनरों को निशाना बनाया। यह वही विभाग है जिसमें भारत हाल के दिनों में संघर्ष करता नजर आया है। इंदौर के होलकर स्टेडियम की छोटी बाउंड्री और गेंदबाजों को सीमित मदद मिलने के कारण गलती की गुंजाइश बेहद कम होगी।
भारतीय बल्लेबाजी में गहराई जरूर है, लेकिन बीच के ओवरों में स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करने में दिक्कत सामने आई है। बड़े स्कोर वाले इस मैदान पर मिडिल ओवर्स निर्णायक साबित हो सकते हैं।

रोहित पर नजर, कोहली बना आधार

इस श्रृंखला में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले रोहित शर्मा पर सबकी निगाहें होंगी। शीर्ष क्रम में उनका आक्रामक रवैया भारत की रणनीति का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन लगातार जल्दी आउट होना चिंता का विषय है। वहीं विराट कोहली अब भी भारतीय वनडे बल्लेबाजी की रीढ़ बने हुए हैं।
बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की वापसी से भारतीय आक्रमण को धार मिल सकती है। उनकी स्विंग, सटीक लाइन-लेंथ और डेथ ओवरों की यॉर्कर भारत को रणनीतिक बढ़त दे सकती है। हालांकि सवाल यही है कि वह किसकी जगह टीम में आते हैं—मोहम्मद सिराज को बाहर रखना आसान नहीं होगा।

न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास

न्यूजीलैंड की टीम आत्मविश्वास से भरी है। डेवोन कॉनवे और डैरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती होंगे। भले ही उनके गेंदबाज बड़े नाम न हों, लेकिन विविधता और सटीक लेंथ के दम पर उन्होंने असरदार प्रदर्शन किया है। होलकर स्टेडियम जैसे छोटे मैदान पर कौशल के साथ-साथ सही फैसले लेना भी बेहद अहम होगा।

कोहली-कुलदीप ने महाकाल के दर्शन किए

भस्म आरती में शामिल हुए, तिलक लगाकर नंदी हॉल में जाप करते नजर आए

उज्जैन (एजेंसी)। भारत-न्यूजीलैंड के बीच इंदौर में खेले जाने वाले मैच से पहले विराट कोहली और कुलदीप यादव उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। दोनों ने त्रिपुंड (तिलक) लगवाया। इसके बाद भस्म आरती में शामिल हुए। मैच रविवार को होलकर स्टेडियम में होना है। विराट और कुलदीप शनिवार सुबह करीब 4 बजे भस्म आरती के लिए महाकाल मंदिर पहुंचे। दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर आरती देखी। इस दौरान वे जाप करते नजर आए।

मंदिर समिति ने दोनों खिलाड़ियों का सम्मान किया

भस्म आरती के बाद विराट और कुलदीप ने भगवान को जल अर्पित किया। फिर नंदी जी का पूजन अर्चन कर भगवान महाकाल के देहरी से दर्शन किए। इस मौके पर महाकाल मंदिर समिति की ओर से दोनों का सम्मान किया गया।
कुलदीप यादव ने कहा कि महाकाल मंदिर आकर बहुत अच्छा लगा। क्रिकेट के साथ-साथ अपनी लाइफ में भी अच्छा करते रहें, भगवान महाकाल का आशीर्वाद सब पर बना रहे बस यही मांगा है। बता दें, इससे पहले भी विराट और कुलदीप महाकाल मंदिर में दर्शन करने आ चुके हैं।

कोच गंभीर ने किए थे मां बगलामुखी के दर्शन

भारत-न्यूजीलैंड के होने वाले मैच के लिए टीम इंडिया इंदौर पहुंची हुई है। इससे पहले शुक्रवार को भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे। यहां वे हवन-अनुष्ठान में शामिल हुए और वैदिक मंत्रोच्चार किया। पूजा, अनुष्ठान के बाद गौतम गंभीर ने माता के दरबार में कुछ समय बिताया। गर्भगृह में मुख्य पुजारी दिनेश गुरू ने उन्हें माता की चुनरी ओढ़ाई। इधर, क्रिकेटर केएल राहुल उज्जैन में महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा की।

इंडिया ओपन

लक्ष्य सेन का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त, चीनी ताइपे के खिलाड़ी से मिली हार; भारतीय चुनौती खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन को हार मिली और उनका सफर क्वार्टर फाइनल में ही समाप्त हो गया। भारत के लक्ष्य सेन को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में लक्ष्य को विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी चुन यी से 21-17, 13-21, 18-21 से हार मिली। रोमांचक रहा मैचलक्ष्य और चीनी ताइपे के खिलाड़ी के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। लक्ष्य ने पहला गेम जीतकर लक्ष्य पर दबाव बढ़ाया, लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ ने वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया। तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही है और लंबी रैलियां देखने मिली। लेकिन अंतत: चीनी ताइपे का खिलाड़ी ये गेम अपने नाम करने के साथ ही मैच जीतने में सफल रहा।

सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत नहीं, हार की निशानी हैं

ओलंपिक में 23 गोल्ड ऐसे ही नहीं जीत गए माइकल फेल्प्स

नई दिल्ली, एजेंसी। इतिहास के सबसे सफल ओलंपियन और गोल्डन शार्क के नाम से मशहूर माइकल फेल्प्स ने अपनी जीत की भूख और मानसिकता को लेकर एक बड़ा और हैरान करने वाला बयान दिया है। 23 ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले फेल्प्स ने साफ कर दिया है कि उनकी नजर में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल की कोई अहमियत नहीं है, क्योंकि ये मेडल उन्हें उनकी हार की याद दिलाते हैं। एक पॉडकास्ट पर अपनी बेबाक राय रखते हुए फेल्प्स ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी दूसरे या तीसरे स्थान को स्वीकार नहीं किया।

पूल के बाहर भी चैंपियन

खेल से संन्यास लेने के बाद, फेल्प्स अब माइकल फेल्प्स फाउंडेशन के माध्यम से समाज सेवा में लगे हैं। वे मानसिक स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली और वॉटर सेफ्टी को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

ओलंपिक इतिहास के सबसे महान एथलीट

बाल्टीमोर, मैरीलैंड के रहने वाले फेल्प्स का करियर किसी परियों की कहानी से कम नहीं है। सिडनी 2000 से रियो 2016 तक, पांच ओलंपिक खेलों में उन्होंने कुल 28 मेडल (23 गोल्ड, 3 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज) जीते। फेल्प्स के करियर का शिखर 2008 बीजिंग ओलंपिक था, जहां उन्होंने एक ही टूर्नामेंट में 8 गोल्ड मेडल जीतकर मार्क स्पिट्ज का 1972 का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। उन्होंने एथेंस 2004 में 6 गोल्ड, लंदन 2012 में 4 गोल्ड और रियो 2016 में 5 गोल्ड मेडल जीतकर अपनी बादशाहत साबित की। फेल्प्स केवल एक स्टाइल तक सीमित नहीं थे। उन्होंने फ्रीस्टाइल, बटरफ्लाई और इंडिविजुअल मेडले में समान रूप से महारत हासिल की और कुल 39 वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए।
मुझे तो पता भी नहीं कि मेरे पास कितने सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हैं। जैसा मैंने कहा, मुझे हारना पसंद नहीं है। सिल्वर का मतलब हारना है, है ना? आप दूसरे नंबर पर आए, यानी आप हार गए। तीसरा स्थान? आप हार गए। यह हार है। मैं बाकी पांच मेडल्स (3 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज) के बारे में बात नहीं करता। मैंने ओलंपिक में अपनी 30 में से 28 रेसों में मेडल जीते। लेकिन हम सिर्फ उन 23 (गोल्ड) के बारे में बात करते हैं क्योंकि बाकी रेसों में, मैं पूरी तरह तैयार नहीं था। उस दिन कोई और मुझसे ज्यादा तैयार होकर आया था।

वेबस्टर की जगह इंग्लिस को मौका देना हैरान करने वाला: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने एशेज सीरीज के दौरान टीम चयन को लेकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े किए हैं। पोंटिंग ने कहा कि वह अब तक नहीं समझ पाए हैं कि शानदार फॉर्म में चल रहे ब्यू वेबस्टर की जगह जोश इंग्लिस को प्राथमिकता क्यों दी गई। पोंटिंग ने कहा कि वेबस्टर ने अपने छोटे से टेस्ट करियर में खुद को साबित किया है। पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में डेब्यू करते हुए उन्होंने मैच जिताने वाला प्रदर्शन किया था, इसके बावजूद नवंबर में पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कैमरन ग्रीन

को उनकी जगह खिलाया गया। ब्रिस्बेन और एडिलेड में हुए अगले दो टेस्ट मैचों में भी 32 वर्षीय वेबस्टर को बाहर रखा गया। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह विकेटकीपर जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया, जिन्होंने नंबर सात पर बल्लेबाजी करते हुए 23, 32, और 10 रन बनाए।

बाबर की स्लो-बैटिंग के कारण स्मिथ ने सिंगल नहीं लिया

अगली बॉल पर बोल्ड, फिफ्टी चूके पाकिस्तानी बैटर ने बाउंड्री पर बैट मारा

सिडनी (एजेंसी)। बिग बैश लीग में शुक्रवार को पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को इंटरनेशनल बेज्जती झेलनी पड़ी। वे सिडनी सिक्सर्स की ओर से स्टीव स्मिथ के साथ ओपनिंग कर रहे थे। बाबर की स्लो बैटिंग देखकर कप्तान स्मिथ ने 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर सिंगल लेने से इंकार कर दिया। अगली बॉल पर बाबर बोल्ड हो गए। वे महज 3 रन से फिफ्टी चूक गए। इससे नाराज बाबर ने मैदान से बाहर जाते हुए बाउंड्री लाइन पर बैट पटक दिया। इस मुकाबले को सिडनी सिक्सर्स ने 5 विकेट से जीता। स्टीव स्मिथ ने 42 बॉल पर 100 रन की पारी खेली। जबकि बाबर ने 38 बॉल पर 47 रन बनाए।

रवींद्र जडेजा के फॉर्म पर बोले मोहम्मद सिराज, तीसरे वनडे में जडेजा लय में लौटेंगे

इंदौर (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे से पहले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का खुलकर समर्थन किया है। सिराज का मानना है कि जडेजा जैसे खिलाड़ी को लय में लौटने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत होती है और उसके बाद वह पूरी तरह अलग नजर आते हैं।
जडेजा के फॉर्म को लेकर सिराज का भरोसा - सीरीज के पहले दो वनडे मैचों में रवींद्र जडेजा विकेट लेने में नाकाम रहे हैं, जिसके चलते उनके फॉर्म पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहम्मद सिराज ने साफ कहा कि जडेजा की फॉर्म को लेकर किसी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। सिराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि जडेजा की फॉर्म को लेकर कोई चिंता है। यह सिर्फ एक विकेट की बात है। एक बार जब आपको वह सफलता मिल जाती है, फिर आप एक बिल्कुल अलग गेंदबाज को देखेंगे।

फिर भी मजबूत है जडेजा का वनडे रिकॉर्ड

हालिया संघर्ष के बावजूद रवींद्र जडेजा का वनडे करियर रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अब तक 209 वनडे मैचों में लगभग 2,900 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 32 से ज्यादा का है। इसके साथ ही वह 232 विकेट भी अपने नाम कर चुके हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है।

हालिया मैचों में जडेजा का प्रदर्शन

रवींद्र जडेजा हाल के मुकाबलों में बल्ले और गेंद दोनों से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। घरेलू मैदान पर उनका आखिरी वनडे अर्धशतक दिसंबर 2020 में आया था, जबकि भारत में उनका आखिरी वनडे शतक साल 2013 का है। गेंदबाजी की बात करें तो उन्होंने पिछले पांच वनडे मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के पहले दो मुकाबलों में वह विकेटलेस रहे, जहां उन्होंने 44 और 56 रन लुटाए, जबकि बल्लेबाजी में 4 और 27 रन ही बना सके। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट ही ले पाए थे।

आस्ट्रेलियाई ओपन 2026

नोवाक जोकोविच की नजरें 25वें ग्रैंड स्लैम पर, सिनर सबसे बड़ी चुनौती

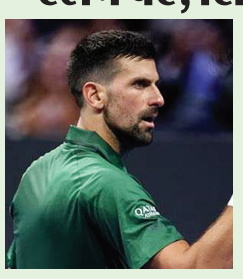

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपने करियर का 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीत सकते हैं। रविवार से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सर्बियाई दिग्गज को कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा, लेकिन जोकोविच मानते हैं कि वह इस बाधा को पार करने में सक्षम हैं। पिछले साल जोकोविच चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन अल्काराज और सिनर के खिलाफ निर्णायक मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम में एक बार फिर ये दोनों युवा सितारे उनकी राह में सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़े हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

16 घंटे कुएं में तड़पता रहा बेजुबान, ग्रामीणों ने बचाया

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर प्रखंड के लोदीपुर गांव में गुरुवार को कुछ शरारती तत्वों ने इंसानियत को शर्मसार किया। दूसरी ओर गांव के जागरूक ग्रामीणों ने संवेदनशीलता और साहस का परिचय देते हुए मानवता दिखाया। घटना यूं है। शरारती तत्वों ने एक कुत्ता के बच्चा को कुएं में फेंक दिया। कुएं के अंदर वह करीब 16 घंटे दर्द सहता रहा। ग्रामीण उदित नारायण ने बताया कि गांव के एक पुराने कुएं से देर रात से किसी जीव के चिल्लाने की आवाज आ रही थी। सुबह में ग्रामीणों ने ध्यान दिया। देखा कि एक कुत्ते का छोटा बच्चा कुएं में 30 फीट नीचे गिरा हुआ है। ठंड और भूख से वह बुरी तरह कमजोर हो चुका था। लगातार बाहर निकालने के लिए चिल्ला रहा था। आवाज सुनकर ग्रामीण जुट गए।

आभूषण दुकान में चोरी का खुलासा, चार आरोपी को किया गया गिरफ्तार

कोईलवर। बबुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक आभूषण दुकान में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी गए आभूषण, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 16 जनवरी 2026 को बबुरा थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी दुकान में चोरी की घटना सामने आई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी किशन कुमार उर्फ जटहा (नगर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी), सूरज कुमार एवं धीरज कुमार (दोनों मनी छपरा निवासी) तथा मनीष कुमार (बड़हरा थाना क्षेत्र के मटुकपुर निवासी) हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 02 सोने के लॉकेट, 02 अंगूठी, 02 जोड़ा बिछिया, 03 मोबाइल फोन और 01 मोटरसाइकिल बरामद की है।

आरपीएफ ने पीड़ित युवती को पहुंचाया सदर अस्पताल

आरा। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार और उनकी टीम ने ऑपरेशन सेवा के तहत शुक्रवार को दिन में करीब 2 बजे के आसपास आरा रेलवे स्टेशन पर पड़ी एक युवती को समय रहते सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के क्रम में पीड़ित युवती सुरक्षित है। इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि एक लड़की जो अपने आप चलते-चलते बेहोश हो कर फुट ओवर ब्रिज पर गिर गई थी। यात्रियों द्वारा सूचना मिलने के बाद आरपीएफ की टीम में शामिल आरक्षी दिनेश कुमार द्वारा सदर हॉस्पिटल आरा पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक द्वारा उसका इलाज किया गया । घटना की सूचना उसके परिजनों को दी गई इसके बाद उसके घरवाले हॉस्पिटल पहुंचे। फिलहाल युवती की तबियत सामान्य है।

एम्बुलेंस में देरी पर अस्पताल में तोड़फोड़

बक्सर। बक्सर के डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में शुक्रवार शाम एम्बुलेंस सेवा में देरी को लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. श्रुति प्रकाश और इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. लोकेश कुमार को अपनी जान बचाने के लिए अनुमंडल कार्यालय के सभागार में छिपना पड़ा। यह घटना शाम करीब चार बजे ओपीडी सेवा समाप्त होने के बाद इमरजेंसी ड्यूटी के दौरान हुई। बड़का ढकाईच गांव निवासी निर्मल दुबे के बेटे करन दुबे और डुमरांव निवासी स्व. सतेंद्र दुबे के बेटे भोला दुबे समेत कुछ अन्य लोग एक बाइक पर सवार होकर लौट रहे थे। चौकियां गांव के पास वे एक ट्रक की चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में करन दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य को भी चोटें आईं। सभी घायलों को तत्काल डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. लोकेश कुमार ने करन दुबे की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। रेफर किए जाने के बाद एम्बुलेंस मिलने में देरी हुई, जिससे परिजन और साथ आए ग्रामीण आक्रोशित हो गए। अस्पताल परिसर में भीड़ बढ़ती गई और लोगों का गुस्सा अस्पताल प्रबंधन पर फूट पड़ा।

साप्ताहिक छुट्टी पर थी एम्बुलेंस: अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, अनुमंडलीय अस्पताल में कुल चार एम्बुलेंस हैं। इनमें से एक एम्बुलेंस साप्ताहिक अवकाश पर थी, जबकि बाकी तीन प्रसव पीड़ित महिलाओं को लाने-ले जाने के लिए बाहर गई हुई थीं। इस कारण रेफर किए गए मरीज के लिए तत्काल एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। हालांकि, एम्बुलेंस की व्यवस्था करने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन देरी से नाराज ग्रामीण उग्र हो गए। आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। इस दौरान दो स्ट्रेचर तोड़ दिए गए और अस्पताल भवन के तीन कांच के शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए गए। हालात इतने बिगड़ गए कि अस्पताल के अधिकांश स्टाफ अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग खड़े हुए। कुछ देर के लिए अस्पताल में पूरी तरह अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया और इलाज व्यवस्था ठप सी हो गई।

डायल-112 की पुलिस ने हालात पर पाया काबू: घटना की सूचना मिलते ही डुमरांव थाना और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद हालात पर काबू पाया गया। इसी बीच निजी अस्पताल के एम्बुलेंस से करन दुबे को सदर अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया है। वैकल्पिक व्यवस्था की मांग स्थानीय लोगों ने मांग की कि ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि मरीजों के इलाज में बाधा न आए और अस्पताल कर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। वहीं प्रभारी डीएस डॉ श्रुति प्रकाश ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में तोड़फोड़ और कर्मचारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दोषियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: इस संबंध में डुमरांव थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई जाएगी, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि सभी एम्बुलेंस फंक्शनल थी। अगर इस प्रकार से अस्पताल में हो हल्ला और तोड़ फोड़ की स्थिति होगी तो चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी किस प्रकार से काम कर पाएंगे? वहीं उग्र लोगों का कहना था कि ऐसी आपात स्थितियों के लिए कुछ तो वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए। प्राथमिक उपचार के बाद भी अगर त्वरित बेहतर उपचार न मिले तो मरीज की जान भी जा सकती थी।डीएस श्रुति प्रकाश, प्रभारी उपाधीक्षक, अनुमंडल अस्पताल डुमरांव एम्बुलेंस सुविधा में देरी पर हंगामा हुआ, तोड़ फोड़ की गई। सैकड़ों की संख्या में लोग थे। सभी एम्बुलेंस फंक्शनल थी। हमलोग को छुपकर जान बचानी पड़ी। इसकी लिखित शिकायत कराएंगे।

फैज एकादश बक्सर ने मुजफ्फरपुर को हराया

बक्सर। विश्व में फैज मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेलप्रेमियों के लिए रोमांच से भरपूर रहा। इस मुकाबले में फैज एकादश बक्सर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुजफ्फरपुर की टीम को चार विकेट से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। कड़े संघर्ष और उतार-चढ़ाव से भरे इस मैच ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

रंगारंग उद्घाटन के साथ शुरू हुआ सेमीफाइनल मुकाबला: सेमीफाइनल मैच का उद्घाटन साइबर डीएसपी अविनाश कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा बल्ले से गेंद को हिट कर किया। उद्घाटन समारोह के दौरान सेठ छन्नू लाल, डॉक्टर श्रवण तिवारी, संजय राय, नेमतुल्लाह फरीदी, ओमजी यादव, दुर्गा वर्मा, फसीह आलम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

मुजफ्फरपुर की टीम 140 रन पर सिमटी: टॉस जीतकर फैज एकादश बक्सर के कप्तान फरह अंसारी ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुजफ्फरपुर की टीम 20.3 ओवर में 140 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।मुजफ्फरपुर की ओर से आदित्य ने सर्वाधिक 37 रन बनाए।

दो लाख का इनामी वांटेड ने किया सरेंडर, हत्या समेत कई मामले दर्ज

निज संवाददाता। आरा

- दस वर्षों से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी, लेकिन वह लगातार ठिकाने बदलकर कानून के हाथों से बचता रहा

भोजपुर पुलिस की लगातार बढ़ती दबिश और कानूनी शिकंजे के बाद मोस्ट वांटेड अपराधी दीपक पांडेय ने शुक्रवार को रोहतास जिले के डेहरी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। दीपक पांडेय तरारी के भकुरा गांव का रहने वाला है। भोजपुर और रोहतास जिले में आधा दर्जन से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज थे। मिथुन, हर्षित और योगेन्द्र हत्याकांड जैसे चर्चित मामले भी शामिल है। दीपक पांडेय के क्रिमिनल रिकॉर्ड को देखते हुए साल 2025 में प्रशासन की ओर से उस पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। बताया जा रहा है कि उसने सात नवंबर 2019 में रोहतास जिले के दरिहट थाना क्षेत्र में ईंट-भट्ठा के पास हुए निकु सिंह हत्याकांड से जुड़े मामले में सरेंडर किया है। करीब दस वर्षों से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी, लेकिन वह लगातार ठिकाने बदलकर कानून के हाथों से बचता रहा।

हत्या, लूट समेत कई मामले दर्ज: भोजपुर के पुलिस अधीक्षक राज ने इनामी अपराधी के सरेंडर की पुष्टि करते हुए कहा कि उस पर दर्ज सभी मामलों में रिमांड के लिए संबंधित न्यायालय में आवेदन दिया जाएगा, ताकि उससे पूछताछ कर अन्य आपराधिक घटनाओं के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। नवादा, सिकरहट्टा, सहार और चांदी थाना क्षेत्रों में हत्या, अवैध हथियार रखने और अन्य गंभीर अपराधों के मामले दर्ज है। लगातार दबिश, संभावित गिरफ्तारी और बढ़ते कानूनी दबाव के कारण दीपक पांडेय ने अदालत में आत्मसमर्पण का रास्ता चुना। सरेंडर के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उसके आत्मसमर्पण से भोजपुर और रोहतास पुलिस के साथ-साथ प्रशासन ने भी राहत की सांस ली है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर लंबित मामलों की कड़ियां जोड़ने की तैयारी में जुट गई है।

वीडियो जारी कर विरोधियों पर लगाया आरोप: सरेंडर से पहले उसने एक वीडियो भी जारी किया था। उसने कहा था कि उसके दो चचेरे भाइयों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उसके विरोधियों ने साजिश के तहत उसका नाम फंसा दिया। उसे वर्ष 2018 में भी गोली मारी गई थी और उसके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे फर्जी है। न्याय पाने के लिए वह भोजपुर एसपी राज की पहल पर कोर्ट में सरेंडर कर रहा हूं।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में तेज रफ्तार बाइक सवार ने अस्पताल जा रहे मजदूर को टक्कर मार दी। आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर गए। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक अजीमुद्दीन मंसूरी(54) धनगाई के दलीपपुर गांव के रहने वाले थे। घटना पीरो थाना क्षेत्र के केशवां मोड़ के पास की है। पत्नी तजबून खातून ने बताया कि दो दिनों से उन्हें बुखार था। डॉक्टर से दिखाने के लिए पीरो जा रही थी। रास्ते में बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हो गए, तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन जान नहीं बची। मौत की सूचना पर टाउन पुलिस मौके पर पहुंची।

घर में मचा कोहराम: पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिवार में पत्नी तजबून खातून, दो पुत्री अजमेरी खातून, फातिमा खातून और एक पुत्र अहमद मंसूरी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में महिला टीचर की मौत

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में सड़क हादसे में 35 साल की एक महिला की मौत हो गई। महिला शादी के 12 साल बाद मां बनी थी। महिला ने करीब दो महीने पहले जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। शनिवार को महिला अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नवजात बच्चों को पोलियो का टिका लगवाने जा रही थी। इसी दौरान हादसे की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। घटना बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर सिकरहटा थाना क्षेत्र के सिकरौल पेट्रोल पंप के पास की है। मृतका की पहचान रोशन जहां के रूप में हुई है, जो पेशे से सरकारी टीचर थी। हादसे में चार अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें रोशन जहां की मां समेत अन्य शामिल हैं। मृतका की मां नसीमा खातून सिकरहटा खुर्द पंचायत की सरपंच भी हैं। उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है, जबकि तीन अन्य घायलों को पीरो अस्पताल ले जाया गया है।

पटना के दानापुर प्रखंड में स्कूल में टीचर थी रोशन जहां: रोशन जहां अजीमाबाद थाना क्षेत्र के अजीमाबाद गांव के रहने वाले सैदुल्लाह उर्फ जावेद अली की पत्नी थी। रोशन जहां पटना जिला के दानापुर प्रखंड के सिकंदरपुर गांव के सरकारी स्कूल में टीचर थी। मृतका के पति भी सरकारी स्कूल में टीचर हैं। रोशन जहां की शादी 2014 में हुई थी।

पिकअप के पीछे बंधा मिक्सर मशीन टोटो से टकराया: रोशन जहां शनिवार दोपहर मां नसीमा खातून के साथ अपने नवजात जुड़वां बच्चों को लेकर अस्पताल जा रही थी। दोनों बच्चों को पोलियो का टिका लगवाना था। रोशन जहां जुड़वां बच्चों को गोद में लेकर अपनी मां और तीन अन्य लोगों के साथ टोटो में बैठी थी। पीरो अस्पताल की ओर जाने के दौरान टोटो जैसे ही सिकरौल पेट्रोल पंप के पास पहुंची। तभी तेज रफ्तार में जा रहे पिकअप के पीछे बंधा मिक्सर मशीन अचानक खुल गया और टोटो से जा टकराया। हादसे में रोशन जहां की मौके पर ही मौत हो गई।

बच्चों के जन्म के बाद मायके गई थी रोशन जहां: रोशन जहां मां बनने के बाद करीब एक महीने पहले अपने मायके सिकरहटा खुर्द आई थी। रोशन इन दिनों मैटर्निटी लीव पर थी।

हथियार के साथ 5 बदमाश गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में अवैध हथियार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नारायणपुर थाना पुलिस को बड़ी की है। अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर हथियार, कारतूस, मोबाइल और बाइक के साथ पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से हथियारों की खरीद-बिक्री में संलिप्त गिरोह को झटका लगा है। पुलिस के अनुसार पहली सफलता बनौली मोड़ के पास मिली। यहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीन बदमाशों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान एक देसी पिस्टल, जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल बरामद किए गए, जबकि एक बाइक को भी जब्त किया गया। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के अनाईठ मोहल्ला निवासी रिशु कुमार, बक्सर जिले के डुमरांव थाना क्षेत्र अंतर्गत हथेलीपुर मठिया गांव निवासी गोविंद कुमार और अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के तार मठिया गांव निवासी रंजीत कुमार गोस्वामी के तौर पर हुई है।

हथियार सप्लाई से जुड़े लोगों की तलाश जारी: भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि सूचना मिली थी कि बनौली मोड़ के पास तीन युवक हथियार के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में मौजूद है। सूचना का सत्यापन करते हुए पुलिस जब मौके पर पहुंची तो तीनों बदमाश भागने लगे, लेकिन पुलिस बल की तत्परता से उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि तीनों हथियारों की खरीद-बिक्री के अवैध धंधे में संलिप्त रहे हैं। वहीं, दूसरी कार्रवाई वरुणा पेट्रोल पंप के पास की गई। यहां से पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से एक देसी कट्टा और दो मोबाइल बरामद हुए। उनकी बाइक भी जब्त कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपियों में मड़नपुर गांव निवासी हरेंद्र साह और सहार थाना क्षेत्र के मिश्रीचक गांव निवासी मनीष कुमार शामिल है। पुलिस अब इनके आपराधिक नेटवर्क और हथियारों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

भूकंप से सुरक्षा को लेकर किया जा रहा जागरूक

निज संवाददाता। आरा

भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा 15 से 28 जनवरी तक भोजपुर जिले में मनाया जा रहा है। आम नागरिकों को भूकंप से बचाव के प्रति जागरूक करने का अभियान लगातार चल रहा है। जिला प्रशासन की ओर से नुक्कड़ नाटक, जागरूकता वाहन, एसडीआरएफ की टीम समेत विभिन्न माध्यमों के जरिए लोगों को आपदा के समय सुरक्षित व्यवहार अपनाने की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में अत्याधुनिक सूचना एवं संचार तकनीक से सुसज्जित एलईडी युक्त जागरूकता रथ को शुक्रवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण के लिए रवाना किया। जागरुकता रथ के माध्यम से भूकंप के दौरान सुरक्षित व्यवहार, भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकासी की प्रक्रिया, प्राथमिक उपचार तथा त्वरित बचाव उपायों की जानकारी ऑडियो-विजुअल माध्यम से दी जा रही है। वाहन में लगे एलईडी डिस्प्ले, साउंड सिस्टम और पोस्टर-बैनर के जरिए सरल भाषा में क्या करें और क्या न करें से संबंधित संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं, ताकि हर वर्ग के लोग इसे आसानी से समझ सकें। अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को अचानक आने वाले भूकंप से घबराने के बजाय सतर्क, सजग और तैयार बनाना है। ताकि आपदा की स्थिति में जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। प्रचार वाहन की विशेषता यह है कि इसमें वीडियो क्लिप, एनिमेशन और वॉयस संदेशों के माध्यम से भूकंप से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रभावी ढंग से प्रदर्शित की जा रही हैं। भूकंप के मॉक ड्रिल को भी प्रदर्शित किया जा रहा है। मोबाइल जनसंपर्क के इस माध्यम से यह वाहन शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आम लोगों को प्रत्यक्ष रूप से जागरूक कर रहा है, जिससे संदेश तेजी से जन-जन तक पहुंच रहा है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित, जागरूक और आपदा-रोधी समाज का निर्माण करना है। भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा इसी दिशा में एक अहम कदम है, जिससे भविष्य में संभावित आपदाओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। वाहन रवाना करते समय पर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन),अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन शाखा के कर्मी, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के कर्मी,एसडीआरएफ टीम के सदस्य मौजूद थे।

बच्ची की मां बोली-पिता दोषी नहीं

निज संवाददाता। बक्सर

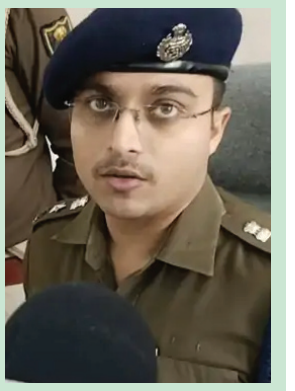

बक्सर के डुमरांव अनुमंडल अंतर्गत कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र में एक डेढ़ साल की बच्ची में यौनजनित संक्रमण (STI) के लक्षण पाए गए हैं। पटना एम्स की मेडिकल रिपोर्ट सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- बक्सर में डेढ़ साल की किशोरी में यौनजनित संक्रमण, पटना एम्स की रिपोर्ट से हड़कंप, महिला थाना में एफ आई आर

डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद पटना एम्स किया था रेफर: जानकारी के अनुसार, बच्ची की मां को शौच साफ कराने के दौरान उसके निजी अंगों में असामान्य लक्षण दिखाई दिए। परिजनों ने तुरंत बच्ची को स्थानीय चिकित्सक को दिखाया। प्रारंभिक जांच में स्थिति गंभीर लगने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कर दिया था। एम्स पटना के डॉक्टरों ने बच्ची की विस्तृत चिकित्सकीय जांच की। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची में जिस प्रकार के संक्रमण के लक्षण मिले हैं, वे सामान्यतः संक्रमित पुरुष के संपर्क में आने पर महिलाओं में देखे जाते हैं।

एम्स ने मामले की रिपोर्ट संबंधित प्रशासन को भेजी थी: इतनी कम उम्र की बच्ची में इस तरह का संक्रमण मिलना चिकित्सकीय दृष्टि से अत्यंत असामान्य और गंभीर माना जा रहा है। एम्स प्रशासन ने इस मामले को गंभीर मानते हुए इसकी रिपोर्ट संबंधित प्रशासन को भेजी थी। जांच के दौरान एक और तथ्य सामने आया है कि बच्ची के पिता में भी उसी प्रकार के संक्रमण की पुष्टि हुई है। हालांकि, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग इस बिंदु को जांच का हिस्सा मानते हुए फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के बजाय मेडिकल, सामाजिक और पारिवारिक सभी पहलुओं की वैज्ञानिक और कानूनी जांच आवश्यक होती है।

7 जनवरी को चाइल्ड हेल्पलाइन पर दी थी मामले की सूचना: इस मामले की सूचना 7 जनवरी को चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर दी गई थी। चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी बक्सर पुलिस तक पहुंची, जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद पटना एम्स से प्राप्त मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर बक्सर के पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के निर्देश पर महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

एसपी बोले-संवेदनशीलता को देखते हुए जांच की जा रही: इसके बारे में एसपी शुभम आर्य ने बताया कि एम्स पटना की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। एफआईआर के बाद महिला थाना की पुलिस टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की है। महिला थाना के अनुसार बच्ची की मां पिता को दोषी नहीं मान रही है।फिलहाल बच्ची की सुरक्षा और इलाज प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूरे मामले की जांच पारदर्शिता व संवेदनशीलता के साथ जारी है।

जीविका की नई चेतना 4.0 कार्यशाला से महिलाओं को मिला सशक्तिकरण का संदेश

- महिला थानाध्यक्ष शक्षिता ने कहा कि महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में वे सीधे थाना से संपर्क कर सकती हैं

निज संवाददाता। आरा

जीविका के द्वारा नई चेतना 4.0 पहल बदलाव की ओर अभियान के तहत बंधन वाटिका, बामपाली में एक दिवसीय कार्यशाला हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन जीविका जिला परियोजना प्रबंधक वरुण कुमार एवं संकुल स्तरीय संघ के अध्यक्ष ने किया। जिला परियोजना प्रबंधक वरुण कुमार ने महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के विभिन्न स्वरूपों बारे में बताया। उन्होंने बताया कि शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामुदायिक हिंसा मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, जिसका सीधा प्रभाव महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान, कार्यक्षमता और पहचान पर पड़ता है। उन्होंने बाल विवाह, दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों की रोकथाम के लिए जीविका दीदियों से सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। महिला थानाध्यक्ष शक्षिता ने कहा कि महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में वे सीधे थाना से संपर्क कर सकती हैं, जहां त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र पर घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और साइबर अपराध से जुड़े मामलों में काउंसलिंग कर पीड़िताओं को उचित मार्गदर्शन दिया जाता है। कार्यक्रम में जिले के सभी विषयगत प्रबंधक, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, दीदी अधिकार केंद्र के नोडल, सभी 38 संकुल स्तरीय संघों के अध्यक्ष एवं समन्वयक उपस्थित रहे। मंच संचालन सामाजिक विकास प्रबंधक प्रीति रानी ने की।